नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 49

सोमवार, 19 से 25 जनवरी 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली को देश का आर्थिक केंद्र बनाने की जरूरत: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 03

अवामी लीग ने यूनुस सरकार के जनमत संग्रह की आलोचना की 08

NCR समाचार

भारत ने 10 ओवर में जीत लिया मुकाबला 10

भारत का 76वां गणतंत्र दिवस का इतिहास 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी भूमि पेडनेकर 12

एक नजर

गणतंत्र दिवस 2026 : गृह मंत्रालय की झांकी में 'दंड से न्याय' का संकल्प

नई दिल्ली। इस बार 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर गृह मंत्रालय की एक विशेष झांकी में तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन को प्रदर्शित किया जाएगा। गृह मंत्रालय के मुताबिक 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन कानूनों को इस सदी का सबसे बड़ा कानूनी सुधार माना जा रहा है। झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि भारत अब दंड आधारित औपनिवेशिक व्यवस्था से निकलकर 'न्याय' के भारतीय दर्शन को अपना चुका है। यह 'विकसित भारत' की आकांक्षा का एक सशक्त प्रतीक है। झांकी में भारत की आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित और नागरिक-केंद्रित न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को दिखाया जाएगा। इनमें डिजिटल साक्ष्य और ई-प्रणाली, इंटिग्रेटेड सिस्टम, मोबाइल फॉरेंसिक इकाइयां और महिला सशक्तिकरण शामिल होंगे। नए कानूनों की समावेशिता को दशार्ने के लिए झांकी में कुछ विशेष पहलुओं को जोड़ा गया है। इनमें न्याय के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पहली बार 'सामुदायिक सेवा' को शामिल करना (जो न्याय के प्रति एक प्रगतिशील और मानवीय दृष्टिकोण को दशार्ता है), कानून की नई पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शन करना (जो न्याय प्रणाली देश के हर नागरिक के लिए सुलभ और समझने योग्य है) और अदालती कार्यवाही में लगने वाले समय को कम करने के लिए तकनीक के उपयोग तथा वर्चुअल सुनवाई को प्रमुखता देना शामिल होगा।

गणतंत्र दिवस पर इस बार 45 लोगों को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर इस वर्ष के पद्म पुरस्कार भी साधारण भारतीयों द्वारा किए गए असाधारण योगदानों को सम्मानित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। देश के कोने-कोने से चुने गए ये गुमनाम नायक विभिन्न सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। इनमें पिछड़े और दलित समुदायों, आदिम जनजातियों तथा दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोग शामिल हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत कठिनाइयों और जीवन की त्रासदियों के बावजूद समाज के लिए समर्पित जीवन जिया। इन व्यक्तियों ने दिव्यांगजन, महिलाओं, बच्चों, दलितों और जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए आजीवन कार्य किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान ने समाज की नींव को मजबूत किया है। स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझते चिकित्सकों से लेकर देश का पहला मानव दुग्ध बैंक स्थापित करने वाले नवजात शिशु विशेषज्ञ तक, स्वदेशी विरासत के संरक्षण से लेकर जनजातीय भाषाओं और पारंपरिक युद्ध कलाओं के संवर्धन तक ये सभी पुरस्कार विजेता उन साधारण भारतीयों का प्रतीक हैं, जो निःस्वार्थ भाव से भारत माता की सेवा में लगे हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस बार 45 लोगों को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा।

शकील अहमद के तीखे आरोपों से कांग्रेस में भूचाल

राहुल गांधी पर 'डरपोक और असुरक्षित' कहने के बाद भाजपा ने खोला मोर्चा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे शकील अहमद के एक हालिया साक्षात्कार ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। एक पॉडकास्ट कार्यक्रम में शकील अहमद ने कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का सबसे डरपोक और असुरक्षित नेता करार दिया। उनके इन बयानों के सामने आते ही कांग्रेस के भीतर जहां असहजता बढ़ गई है, वहीं भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोलने का बड़ा अवसर मिल गया है।

शकील अहमद ने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी बेहद असुरक्षित नेता हैं और पार्टी के भीतर मजबूत तथा स्वतंत्र सोच रखने वाले नेताओं को पसंद नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केवल नाममात्र के अध्यक्ष हैं, जबकि पार्टी के सभी बड़े फैसले वास्तव में राहुल गांधी ही लेते हैं। उनका कहना था कि संगठन में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हो चुका है, जिससे सामूहिक नेतृत्व की भावना कमजोर पड़ गई है।

वरिष्ठ नेताओं से दूरी और बॉस वाली भावनाह्न का आरोप

शकील अहमद ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं के साथ काम करने में असहजता होती है। जहां उन्हें ह्लबॉस वाली भावनाह्न नहीं मिलती, वहां वे धीरे-धीरे किनारा कर लेते हैं। उन्होंने कांग्रेस के भीतर नेतृत्व शैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस रवैये से पार्टी कमजोर हो रही है और जमीनी स्तर पर उसका असर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने राहुल गांधी के ह्यसंविधान बचाओ आंदोलनह्न को भी निरर्थक बताया और कहा कि इस अभियान का आम जनता पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। उनके अनुसार, यह आंदोलन केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह गया है।

मतदाता सूची मुद्दे पर भी निशाना

शकील अहमद ने मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े विषय पर राहुल गांधी की रणनीति को विफल बताते हुए कहा कि मुस्लिम समाज भी इस मुद्दे पर राहुल गांधी के आरोपों से सहमत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कई बड़े नेता मुस्लिम नेताओं और समुदाय के लोगों के साथ सार्वजनिक रूप से तस्वीर खिंचवाने से भी कतराते हैं, क्योंकि उन्हें हिंदू वोट बैंक के खिसकने का डर रहता है। कांग्रेस की रणनीति पर तंज कसते हुए उन्होंने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोच खुद मैदान में उतरकर बल्लेबाजी करने लगे, तो टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकती। इससे उन्होंने पार्टी के भीतर नेतृत्व और रणनीति के तालमेल पर सवाल खड़े किए।

भाजपा का तीखा हमला

शकील अहमद के इन बयानों के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोल दिया। भाजपा नेताओं ने इसे कांग्रेस के भीतर की ह्लसच्चाईह्न करार देते हुए कहा कि अब पार्टी के अपने ही नेता राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी के भीतर ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को केवल नाम का अध्यक्ष बना दिया है और असली सत्ता अपने हाथ में रखी है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने कहा कि शकील अहमद के बयान कांग्रेस के भीतर वर्षों से चले आ रहे नेतृत्व संकट को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मजबूत जमीनी नेताओं को आगे बढ़ने नहीं देते, जिससे पार्टी लगातार कमजोर होती जा रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या विपक्ष नहीं, बल्कि उसका अपना नेतृत्व है।

भाजपा नेता प्रेम शुक्ला ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शकील अहमद ने राहुल गांधी की असल छवि जनता के सामने ला दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कई नेता लंबे समय से यह बात निजी तौर पर कहते थे, लेकिन अब पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आई है।

कांग्रेस के लिए नई चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शकील अहमद जैसे वरिष्ठ नेता के खुले आरोप कांग्रेस के लिए गंभीर चुनौती बन सकते हैं। जहां एक ओर पार्टी पहले से ही संगठनात्मक कमजोरियों से जूझ रही है, वहीं इस तरह के बयान नेतृत्व पर विश्वास को और कमजोर कर सकते हैं।

खड़गे केवल नाम के अध्यक्ष, फैसले राहुल लेते हैं : शकील अहमद

शकील अहमद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केवल औपचारिक पद पर हैं, जबकि पार्टी के सभी बड़े फैसले वास्तव में राहुल गांधी द्वारा ही लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में सामूहिक नेतृत्व की भावना कमजोर हो चुकी है और सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी को वरिष्ठ नेताओं के साथ काम करने में असहजता होती है। जहां उन्हें 'बॉस वाली भावना' नहीं मिलती, वहां वे धीरे-धीरे किनारा कर लेते हैं।

शशि थरूर ने साधी चुप्पी

शकील अहमद के इन बयानों पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी और के बयानों पर प्रतिक्रिया देना उचित नहीं समझते। थरूर ने कहा, अगर शकील साहब ने यह कहा है, तो उनसे ही पूछा जाना चाहिए। वे अपने शब्दों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं। मेरे लिए इस विषय पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है।

मतदान लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों के विश्वास का प्रतिबिंब है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की ताकत केवल मतदाताओं की विशाल संख्या में ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भावना की गहराई में भी निहित है।

यहां तक कि सबसे बुजुर्ग मतदाता, दिव्यांग मतदाता और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोग भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। उन्होंने जागरूक मतदाताओं और चुनाव आयोग के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों की सराहना की, जिन्होंने मताधिकार का प्रयोग करने के इतने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जनभागीदारी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की भावना को व्यावहारिक रूप देती है। चुनाव आयोग ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई प्रयास किए हैं कि कोई भी मतदाता पीछे न छूटे। मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा इस वर्ष चुना गया विषय, ह्यमेरा भारत, मेरा वोटः भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिकह्न, हमारे लोकतंत्र की भावना को दशार्ता है और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के अधिकार के महत्व को रेखांकित करता है।

उन्होंने आगे कहा कि मतदान मात्र एक राजनीतिक अभिव्यक्ति नहीं है। यह लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों के विश्वास का प्रतिबिंब है। यह नागरिकों के लिए अपनी आकांक्षाओं को व्यक्त करने का एक साधन भी है। सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त मतदान का अधिकार, राजनीतिक और सामाजिक न्याय और समानता के हमारे संवैधानिक आदर्शों को मूर्त रूप देता है।

हमारे संविधान में निहित ह्यएक व्यक्ति, एक वोटह्न प्रणाली, आम जनता की बुद्धिमत्ता में हमारे संविधान निमार्ताओं के दृढ़ विश्वास का परिणाम थी। हमारे देश के मतदाताओं ने उनके विश्वास को सही साबित किया है, और भारतीय लोकतंत्र ने विश्व मंच पर एक असाधारण उदाहरण के रूप में सम्मान अर्जित किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मतदान का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सभी वयस्क नागरिक अपने संवैधानिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योग जगत एवं स्टार्टअप से गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने तथा विनिर्माण में उत्कृष्टता को एक मानदंड बनाने का संकल्प लेने का रविवार को आग्रह किया।

रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने कहा कि भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए। उन्होंने उद्योग से ऐसे उत्पादों का निर्माण करने का आग्रह किया जिनमें किसी प्रकार की कमी नहीं हो।

प्रधानमंत्री ने अपने 130वें 'मन की बात' संबोधन में कहा, 'हम जो कुछ भी निर्मित करते हैं, आइए, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें। चाहे वह हमारे वस्त्र हों, प्रौद्योगिकी हो, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हों या पैकेजिंग, हर भारतीय उत्पाद 'सर्वोत्तम गुणवत्ता' का पर्याय होना चाहिए। उन्होंने उन युवाओं के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने 10 साल पहले 2016 में शुरू हुई भारत की स्टार्टअप यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मोदी ने कहा, आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है। ये स्टार्टअप ढर्रे से हटकर काम कर रहे हैं; ये उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जिनकी कल्पना भी 10 साल पहले तक नहीं की जा सकती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियां एआई, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, गतिशीलता, हरित हाइड्रोजन और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है : प्रधानमंत्री मोदी

चेन्नई/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में भ्रष्ट द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है।

उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु राजग के धोखे को भूला नहीं है।

तमिलनाडु में राजग के चुनाव प्रचार की शुरूआत के लिए चेन्नई के नजदीक मदुरांतकम जाने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, तमिलनाडु राजग के साथ है। मैं आज बाद में मदुरांतकम में आयोजित रैली में राजग नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि भ्रष्ट द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है।

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि मोदी राज्य का दौरा केवल चुनाव के समय ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'तमिलनाडु राजग के धोखे को जानता है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर सिर्फ चुनाव के समय ही तमिलनाडु आते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि राज्य को 3,458 करोड़ रुपये की समग्र शिक्षा निधि कब मिलेगी, यह कब घोषित किया जाएगा कि परिसीमन में तमिलनाडु की सीटें कम नहीं होंगी, और भाजपा के एजेंट की तरह काम करने वाले राज्यपाल की अराजकता आखिर कब खत्म होगी।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि तमिल भाषा के प्रचार के लिए केंद्र से तमिलनाडु को अलग से वित्तीय सहायता कब मिलेगी, मनरेगा को कब बहाल किया जाएगा, मदुरै में एम्स परियोजना कब शुरू होगी और अन्य लंबित परियोजनाओं के लिए राशि कब दी जाएगी।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु हर बार भाजपा के उस गठबंधन को हराएगा, जो केवल धोखा देता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को मदुरांतकम में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत करेंगे।

राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्नाक द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेता इस विशाल चुनावी रैली में भाग लेंगे।

इस दौरान मोदी, राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के खिलाफ आक्रामक चुनाव अभियान की दिशा और माहौल तय कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी जी और तिरु ई. के. पलानीस्वामी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में तमिलनाडु में राजग के चुनाव अभियान की शुरूआत है। यह द्रमुक की भ्रष्टाचारग्रस्त सरकार को बेदखल करने और हर वर्ग के लिए सुशासन, अवसर और समृद्धि लाने की दिशा में पहला कदम भी है। इस बार तमिलनाडु में राजग का परचम लहराएगा। मोदी के दौरे को देखते हुए चेन्नई से लगभग 87 किलोमीटर दूर स्थित मदुरांतकम में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के लिए पड़ोसी चेंगलपट्टू जिले में एक हेलीकॉप्टर पैड भी तैयार किया गया है।

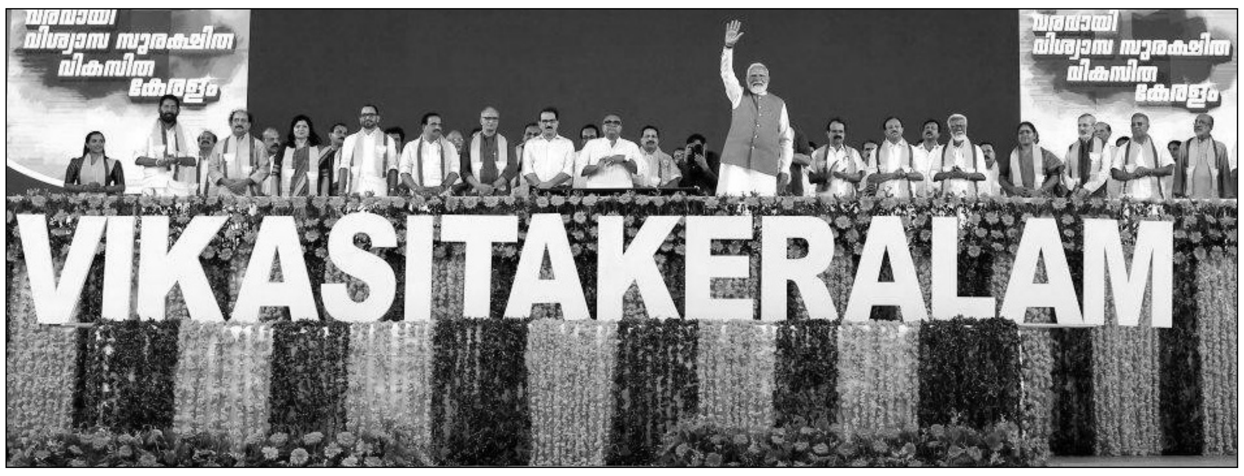

केरल में बदलाव होगा, लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है : प्रधानमंत्री

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुनवंतपुरम नगर निगम में चार दशकों से अधिक के वामपंथी शासन का अंत करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत की प्रशंसा की और विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में केरल में बदलाव देखने को मिलेंगे।

यहां पार्टी द्वारा आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने याद दिलाया कि गुजरात में भाजपा का सत्ता में आना लगभग चार दशक पहले एक शहर में जीत हासिल करने से शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि केरल में भी ऐसा ही होगा।

उन्होंने कहा कि 1987 से पहले भाजपा गुजरात में हाशिए पर पड़ी एक पार्टी थी और उसे शायद ही कोई मीडिया कवरेज मिलती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्य1987 में भाजपा ने पहली बार अहमदाबाद नगर निगम पर नियंत्रण हासिल किया था, ठीक उसी तरह जैसे पार्टी ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम में जीत हासिल की है। तब से गुजरात की जनता ने हमें सेवा करने का अवसर सौंपा है और हम दशकों से ऐसा करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारी यात्रा गुजरात के एक शहर से शुरू हुई थी, और इसी तरह केरल में भी हमारी शुरूआत एक शहर से हुई है। मेरा मानना है कि यह दशार्ता है कि केरल के लोग भाजपा पर भरोसा जताने लगे हैं और उसी तरह हमसे जुड़ रहे हैं जैसे कभी गुजरात के लोग जुड़े थे।

उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में उनकी पार्टी की जीत केरल को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के कथित भ्रष्ट शासन से मुक्त कराने के दृढ़ संकल्प की जीत है।

मोदी ने दावा किया कि दशकों से एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने तिरुवनंतपुरम की उपेक्षा की है, जिससे यह शहर बुनियादी सुविधाओं और अवसंरचना से वंचित रह गया है।

उन्होंने यहां पुथारिकंदम मैदान में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, ह्यह्यवामपंथी और कांग्रेस लगातार हमारे लोगों की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हालांकि, हमारी भाजपा टीम ने तिरुवनंतपुरम के विकास की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। शहर के लोगों से मैं कहना चाहता हूं ï विश्वास रखें, जिस बदलाव की लंबे समय से प्रतीक्षा थी, वह आखिरकार आने वाला है।

उन्होंने कहा, तिरुवनंतपुरम पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। मैं तिरुवनंतपुरम को भारत के सर्वश्रेष्ठ शहरों में से एक बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन देता हूं। मोदी केरल में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने और नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाने के लिए यहां पहुंचे। केरल में इस साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

शाह ने बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि प्रत्येक युवा को उनकी वीरता की गाथाओं के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए।

शाह ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि बोस का नाम हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाता है। उन्होंने कहा कि बोस ने युवाओं को संगठित किया और आजाद हिंद फौज के माध्यम से पहला सैन्य अभियान शुरू किया तथा 1943 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तिरंगा फहराकर एक स्वतंत्र भारत की घोषणा की।

शाह ने कहा कि प्रत्येक युवा को नेताजी के जीवन और उनकी वीरता की कहानियों के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा, देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले नेताजी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत माता के महान सपूत बोस की स्मृति में पूरा भारत शुक्रवार को पराक्रम दिवस मना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बोस ने जर्मनी से रूस और जापान तक हजारों किलोमीटर की यात्रा की, इस दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया। उन्होंने कहा कि यह भारत को मुक्त कराने के उनके अटूट संकल्प को दशार्ता है।

शाह ने कहा कि उनके बलिदान और महान व्यक्तित्व से आने वाली पीढ़ियां राष्ट्र की स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और संप्रभुता के संघर्ष के लिए खुद को समर्पित करने के वास्ते प्रेरित होती रहेंगी।

प्रतापगढ़ में धूमधाम से मनाया गया नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जयंती समारोह

(पत्रकार प्रशांत दुबे)

प्रतापगढ़ में आजाद हिंद फौज के संस्थापक और देश की आजादी में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। गड़वारा सब्जी मंडी स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने माल्यार्पण कर नेताजी को अपनी कृतज्ञ श्रद्धांजलि दी।

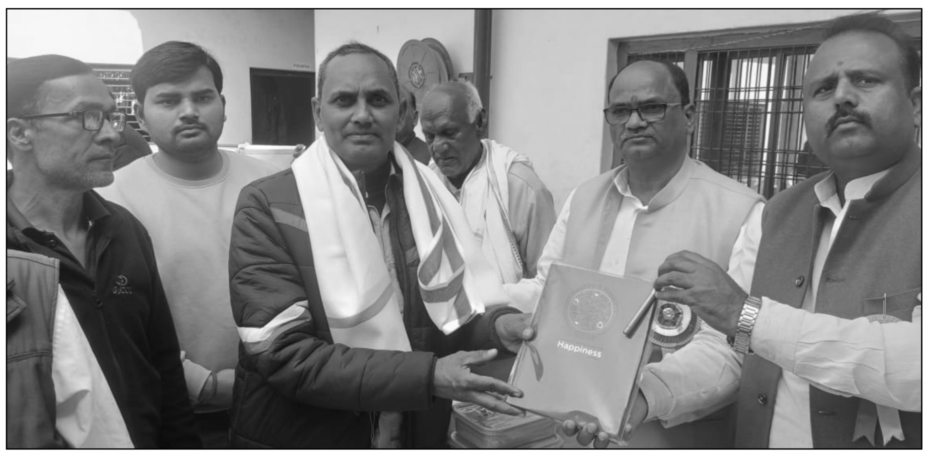

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज गड़वारा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, बीजेपी अंतू मंडल अध्यक्ष राजाराम वैश्य आदि प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत और सरस्वती वंदना के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया।

सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का राष्ट्र को समर्पित जीवन हमें प्रेरणा देता है। भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्र का गौरव और सच्चा राष्ट्रवाद स्वयं में राष्ट्रवादी बनना होता है।

इस अवसर पर क्षेत्र में प्रतिभाशाली नौकरी में चयनित युवाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शेषमणि त्रिपाठी, ओंकारनाथ शुक्ल, राजेश पांडे, बद्री सिंह, संतोष पांडे, श्रीधर मिश्रा, राजीव सिंह, केशव प्रताप सिंह, सुधीर मोदी, अजय सरोज समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के सम्मानित नागरिक गण एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

भारत को 2047 तक विकसित बनाने की यात्रा एक 'समुद्री सफर': नौसेना प्रमुख

रांची/नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 'विकसित भारत 2047' की तुलना एक समुद्री यात्रा से करते हुए शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं व्यापार और विकास के लिए महासागरों पर काफी हद तक निर्भर हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया का 90 प्रतिशत निर्यात-आयात (एक्सिम) व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और भारत का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक प्राप्त करने के लिए महासागर प्राथमिक माध्यम बन जाते हैं।

उन्होंने 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड' (सीसीएल) के 'दरभंगा हाउस' सम्मेलन कक्ष में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, विकसित भारत 2047 अब केवल एक नीति नहीं रहा, यह अब एक वास्तविकता बन गया है और यह लक्ष्य हासिल करने के लिए स्पष्ट पड़ाव तय किए गए हैं। जैसा कि हम जानते हैं, हमारा 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और दुनिया का भी करीब 90 प्रतिशत व्यापार इन्हीं पर निर्भर है। हम भौगोलिक रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें हर प्रकार की बाधा से मुक्त रखें।

उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति है और आज दुनिया इसे इसी रूप में पहचान रही है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, नीली अर्थव्यवस्था का हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान अभी सिर्फ चार प्रतिशत है जो बहुत कम है और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप इसे दहाई अंकों तक बढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हमारी ऊर्जा जरूरतों का 88 प्रतिशत समुद्र के रास्ते आता है और यदि कच्चे तेल की कीमत प्रति मीट्रिक टन एक अमेरिकी डॉलर बढ़ती है तो भारत को अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये चुकाने पड़ते हैं।ह्यह्य उन्होंने कहा कि इसी तरह का असर समुद्री क्षेत्र सुरक्षा को इतना महत्वपूर्ण बनाता है। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, जब म्यांमा में भूकंप आया, तो हम 500 टन राहत सामग्री लेकर सबसे पहले वहां पहुंचे और इसी तरह श्रीलंका में हमने 1,000 टन राहत सामग्री पहुंचाई। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की मुख्य भूमिका युद्धक कार्रवाई है, लेकिन उस स्थिति तक

हर भारतीय को स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

भुवनेश्वर/नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए।

राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन पराक्रम के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता आया है।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

उड़िया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया।

राधाकृष्णन ने कहा, विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था। उन्होंने इसे भारत के महान सपूत बोस को सम्मानित करने वाला कदम बताया।

राधाकृष्णन ने कहा, मोदी की निर्णायक कार्रवाई और राष्ट्र की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पराक्रम की भावना को व्यक्त करती है, जो साहस और दृढ़ संकल्प की भावना है। उन्होंने कहा कि बोस की ओर से फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन महात्मा गांधी के खिलाफ नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक शासन से लड़ने के लिए एक अलग दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता था।

राधाकृष्णन ने कहा, ह्यह्यजब वे (बोस) कटक पहुंचे, तो हजारों लोग आए। उस समय महात्मा गांधी को हर कोई जानता था और वे एक निर्विवाद नेता थे। उस निर्विवाद नेता पर केवल एक व्यक्ति ने सवाल उठाए और वह थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस। इससे पता चलता है कि वह कितने महान नेता थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पराक्रम केवल नेताजी की स्मृति नहीं है, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए साहसपूर्वक कार्य करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान है।

उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के खिलाफ बोस का संघर्ष आज भी भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत करता है।

राधाकृष्णन ने कहा, मेरे हृदय में देशभक्ति की पहली चिंगारी सुभाष चंद्र बोस के जीवन इतिहास को पढ़ने के बाद ही पैदा हुई। नेताजी वहां आज भी मौजूद हैं, जहां साहस भय पर विजय पाता है और जहां कर्तव्य स्वार्थ से ऊपर उठता है। बाद में उपराष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राधाकृष्णन ने नागरिकों से नेताजी के मजबूत, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए सामूहिक रूप से विकसित भारत 2047 की दिशा में काम करने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

इससे पहले, उपराष्ट्रपति ने कटक में बोस के जन्मस्थान पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी मौजूद थे। राधाकृष्णन ने कटक में एक डाक टिकट संग्रह दीर्घा और जिला संस्कृति भवन का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कटक में पराक्रम दिवस समारोह के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी मायाधर मल्लिक और विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) बीएस सिंह देव को भी सम्मानित किया।

दक्षिण भारत में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए मोदी ने तीन अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की ऑनलाइन माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुरूआत की। ये ट्रेन साप्ताहिक होंगी और केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में अंतर-राज्यीय संपर्क को बढ़ावा देंगी। रेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आम यात्रियों के लिए वाणिज्यिक परिचालन और किराए की जानकारी रेलवे द्वारा आने वाले दिनों में अलग से दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन तीन रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू होने से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की कुल संख्या बढ़कर 27 हो गई है।

दक्षिणी रेलवे के अधिकारियों ने बताया, केरल में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन पहली बार शुरू की जा रही है। तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-तांबरम और तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-चर्लपल्ली नामक दो साप्ताहिक ट्रेन राज्य की राजधानी से चलेंगी और केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों के बीच मजबूत रेल संपर्क स्थापित करेंगी। उन्होंने कहा, तीसरी ट्रेन, नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तमिलनाडु के दक्षिणी छोर को केरल के रास्ते तटीय कर्नाटक से जोड़ेगी, जिससे पश्चिमी तट के रेल नेटवर्क को मजबूती मिलेगी।

रेलवे द्वारा जारी एक परिपत्र के मुताबिक तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-तांबरम अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस तिरुनेलवेली, कोविलपट्टी, विरुदुनगर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी।

परिपत्र के मुताबिक तिरुवनंतपुरम उत्तर-चर्लपल्ली अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस कोल्लम, चेंगन्नूर, कोट्टायम, एनार्कुलम टाउन, त्रिशूर, पलक्कड़, कोयंबटूर, सलेम, जोलारपेट्टई, रेनिगुंटा, नेल्लोर, तेनाली, गुंटूर और नलगोंडा जैसे प्रमुख गंतव्यों से होकर गुजरेगी। मंत्रालय के मुताबिक नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, कोल्लम, चेंगन्नूर, कोट्टायम, एनार्कुलम टाउन, त्रिशूर, शोरानूर, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन से गुजरेगी।

तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवायूर-त्रिशूर सवारी गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो केरल के प्रमुख तीर्थ केंद्र गुरुवायूर और महत्वपूर्ण शहरी केंद्र त्रिशूर के बीच सीधा संपर्क प्रदान करेगी।

दिल्ली को देश का आर्थिक केंद्र बनाने की जरूरत: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में रविवार को अपने पहले संबोधन में कहा कि दिल्ली को देश का सबसे मजबूत आर्थिक केंद्र बनने की जरूरत है।

गुप्ता ने छत्रसाल स्एजेंसीटेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते की घोषणा इस सप्ताह होने की उम्मीद है जो दिल्ली के लिए लाभकारी हो सकता है क्योंकि इससे शहर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए यूरोपीय संघ के देशों में 45 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंचने के द्वार खुल जाएंगे। दिल्ली सरकार गणतंत्र दिवस समारोह हर साल 25 जनवरी को आयोजित करती है।

गुप्ता ने पिछले 11 महीनों में दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, कारोबार सुगमता, सामाजिक कल्याण, परिवहन और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए अपनी सरकार के कामकाज को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित शहर परियोजना' के तहत दिल्ली सरकार शहर भर में 10,000 उन्नत सीसीटीवी कैमरे लगाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू होने के बाद अब तक 6.5 लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है और 30,000 से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शहर में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने के लिए सरकार ने दिल्ली शिक्षा अधिनियम पारित किया जिससे लाखों अभिभावकों और छात्रों को लाभ होगा।

गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार स्टार्टअप नीति संबंधी अपनी पहलों के जरिए दिल्ली को ह्यह्यविचारों की राजधानीह्वह्व बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) यह सुनिश्चित करेगा कि विकास कार्यों के लिए शहर को धन की कमी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी के ग्रामीण इलाकों पर विशेष ध्यान दे रही है और उसने विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1,700 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं तथा झुग्गी बस्तियों में बेहतर नागरिक अवसंरचना के लिए भी 700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यमुना की सफाई, कूड़े के ढेर और शहर में प्रदूषण जैसी 'विरासत में मिली समस्याओं' से निपटने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले तीन साल में 11,000 इलेक्ट्रिक बस जोड़कर सार्वजनिक परिवहन बेड़े को मजबूत करना और मेट्रो रेल नेटवर्क को मौजूदा 396 किलोमीटर से बढ़ाकर 500 किलोमीटर करना है।

गुप्ता ने लोगों से शहर के विकास के लिए दिल्ली सरकार की पहलों में सहयोग एवं भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने शहर के निजी प्रतिष्ठानों से सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और विकेंद्रीकृत सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी स्वच्छ ईंधन से चलने वाले वाहनों का उपयोग करने और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने का आग्रह किया ताकि वे 'स्वच्छ और हरित दिल्ली' के लिए सरकार के प्रयासों में योगदान दे सकें।

फर्जी दस्तावेज बनाकर गाड़ी बेचने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका साऊथ थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे गाड़ी बेचने वाले गिरोह के एक गुर्गे को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से गिरफ्तार किया है। आरोपी हरदीप सिंह रंधावा तीन साल पहले भारतीय सेना के पूर्व सैनिक और उनके बेटे के साथ ठगी की वारदात में शामिल था। इस घटना के कारण पीड़ितों को 70 दिन तक जेल में रहना पड़ा। अंततः उन्हें मोटी रकम देकर समझौता करना पड़ा। जेल से रिहा होने के बाद पीड़ित संजीव कुमार ने द्वारका साऊथ थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह के अनुसार, संजीव कुमार ने बताया कि उनके पिता पूर्व सैनिक हैं और वे पुरानी गाड़ियां खरीदने और बेचने का काम करते हैं। 8 फरवरी 2023 को हरप्रीत सिंह रंधावा उनके पास आया और इनोवा क्रिस्टा बेचने की पेशकश की। अगले दिन आरोपी हरदीप सिंह रंधावा के साथ कार लेकर आया और 14.50 लाख रुपये में गाड़ी का सौदा तय किया। अधिकांश भुगतान नकद और बैंक ट्रांसफर के माध्यम से किया गया। आरोपी पैसे लेकर चले गए। बाद में संजीव ने गाड़ी पंजाब में एक व्यक्ति को बेच दी, जहां पता चला कि गाड़ी पर बैंक लोन लंबित था। इसके बाद पंजाब पुलिस ने संजीव और उनके पिता को गिरफ्तार कर 70 दिन जेल में रखा। मामले की जांच कर रही एसआई रजत मलिक की टीम ने आरोपी की जानकारी जुटाई और पता चला कि वह उत्तर प्रदेश में शिवालिक रेंज की तलहटी में रह रहा है।

आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ के बीच मेट्रो कॉरिडोर को मंजूरी

- फेज पांच-ए के आरके आश्रम-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर पर वार मेमोरियल और इंडिया गेट होगा मेट्रो स्टेशन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड देखने हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पहुंचते हैं। सोमवार को भी देश की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और झांकियों की भव्य प्रस्तुति देखने हजारों दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में दर्शकों के लिए राहत की बड़ी खबर यह है कि फेज-पांच ए के तहत स्वीकृत आरके आश्रमझइंद्रप्रस्थ मेट्रो कॉरिडोर के बन जाने के बाद कर्तव्य पथ और इंडिया गेट तक मेट्रो से पहुंचना ज्यादा आसान हो जाएगा। इस भूमिगत कॉरिडोर के तैयार होने पर मजेंटा लाइन से सीधे इंडिया गेट के पास उतरकर परेड स्थल तक पहुंचा जा सकेगा।

इससे लोगों को लंबी दूरी पैदल चलने से छुटकारा मिलेगा। गणतंत्र दिवस जैसे बड़े आयोजनों के दौरान पार्किंग की समस्या भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी। फिलहाल दर्शकों को केंद्रीय सचिवालय या उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन पर उतरकर दो से ढाई किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है, जो बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। हाल ही में केंद्र सरकार ने आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ के बीच करीब 9.913 किलोमीटर लंबे भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह कॉरिडोर मौजूदा मजेंटा लाइन का विस्तार होगा।

वर्तमान में मजेंटा लाइन पर बोटैनिकल गार्डन से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन तक 39.271 किलोमीटर लंबे हिस्से पर मेट्रो का संचालन हो रहा है। फेज-चार के तहत कृष्णा पार्क एक्सटेंशन से आरके आश्रम के बीच का कॉरिडोर निमार्णाधीन है, जिसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले कुछ माह में टेंडर प्रक्रिया संभव दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अब आरके आश्रमझइंद्रप्रस्थ कॉरिडोर के निर्माण की तैयारियों में जुट गया है।

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने घोषित अपराधी को किया गिरफ्तार, चोरी के 30 मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (नॉर्दर्न रेंज-1) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे एक कुख्यात अपराधी और घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अजय कुमार उर्फ सुखवा के रूप में हुई है, जो थाना द्वारका साउथ के एक मामले में वांछित था। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 30 चोरी के मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से रविवार को जारी प्रेस नोट में यह जानकारी दी गई।

क्राइम ब्रांच के प्रेस नोट के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अजय कुमार उर्फ सुखवा (29) बिहार का रहने वाला है। वह एफआईआर संख्या 43/2020 में वांछित था। अदालत में पेश न होने और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने के कारण द्वारका कोर्ट की माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या यादव ने 18 फरवरी 2025 को उसे घोषित अपराधी करार दिया था। पुलिस के मुताबिक, 26 फरवरी 2020 को आरोपी को द्वारका साउथ इलाके में अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ था। मामले में जमानत मिलने के बाद आरोपी ने अदालत की शर्तों का उल्लंघन किया और ट्रायल के दौरान फरार हो गया, जिसके चलते उसे घोषित अपराधी घोषित किया गया।

25 जनवरी 2026 को क्राइम ब्रांच नॉर्दर्न रेंज-1 की टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को सेक्टर-20, रोहिणी, दिल्ली से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के लिए निरीक्षक पुखराज सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसमें एसआई निरंजन, एएसआई प्रेमवीर, एएसआई प्रदीप, हेड कांस्टेबल पवन और हेड कांस्टेबल मुकेश शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी अशोक शर्मा के पर्यवेक्षण और डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार, आईपीएस के निर्देशन में की गई।

एएसआई प्रेमवीर ने आरोपी के ठिकाने का पता लगाने के लिए लगातार जमीनी स्तर पर सूचनाएं एकत्र कीं और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। गुप्त सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के बाद छापा मारकर आरोपी को दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह अपने साथी चंदन के साथ मिलकर दिल्ली के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर जेबकटी कर मोबाइल फोन चोरी करता था। चोरी किए गए मोबाइल फोन को वह सस्ते दामों पर अलग-अलग बाजारों में मजदूरों को बेच देता था। बरामद 30 मोबाइल फोन के संबंध में आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है, वह अशिक्षित है और उसके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं था। आरोपी और उसके साथी हर दो-तीन महीने में दिल्ली आते थे और मोबाइल चोरी कर उन्हें दिल्ली या बिहार के स्थानीय बाजारों में बेच देते थे।

तेज हवा से और साफ हुई दिल्ली की हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में तेज हवा के चलते प्रदूषण स्तर में और सुधार हुआ है। रविवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे यानी मध्यम श्रेणी में रहा। इसके साथ ही, दो जगहों की हवा संतोषजनक स्तर पर भी पहुंच गई है। दिल्ली के लोग पिछले साल अक्तूबर महीने से ही प्रदूषित हवा में सांस ले रहे थे। अक्तूबर, नवंबर और दिसंबर महीने में सामान्य से ज्यादा प्रदूषण की स्थिति रही। दरअसल, इस दौरान प्रदूषण उत्सर्जन के तमाम कारक तो पहले जैसे ही रहे, लेकिन प्रदूषण को साफ करने वाले मौसमी कारक कम सक्रिय दिखे।

इन तीनों ही महीनों में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ नहीं आए। इसके चलते लोगों को ज्यादा प्रदूषण झेलना पड़ा। शुक्रवार को दिल्ली समेत देश के उत्तरी हिस्से में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखा। इसके चलते बारिश हुई और हवा की गति भी तेज हुई। इससे प्रदूषण के स्तर में खासा सुधार हुआ है। रविवार को दिल्ली में सुबह से ही खिली हुई धूप निकली रही, जबकि हवा की गति भी 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक की बनी रही। इसके चलते प्रदूषक कणों का विसर्जन तेज हुआ है। सीपीसीबी के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 153 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शनिवार को यह सूचकांक 192 के अंक पर था। मानकों के मुताबिक, प्रदूषक कण पीएम 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर की हवा में दोपहर बाद तीन बजे पीएम 10 का औसत स्तर 147 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 61 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी पीएम 2.5 का स्तर अब दिल्ली की हवा में लगभग मानकों के अनुसार पहुंच गया है। दिल्ली के एनएसआईटी द्वारका क्षेत्र का सूचकांक 94 और नजफगढ़ का 10 अंक पर रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच दिल्ली की हवा मध्यम या खराब श्रेणी में रहेगी।

मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना नहर में युवक डूबा, तलाश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरस्वती मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना नहर में हुए हादसे से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पूर्वी दिल्ली और उप्र की सीमा से होकर बहने वाली यमुना नहर में एक युवक के डूबने की आशंका जताई जा रही है। लापता युवक की पहचान विकास के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, उप्र एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हालांकि अब तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के लिए 5 से 6 युवक यमुना नहर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक विकास का पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर नहर में गिर पड़ा। साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह कुछ ही पलों में पानी में ओझल हो गया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अमोल श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार रात करीब 8 से 8:15 बजे के बीच यूपी पुलिस को यमुना नहर में युवक के गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए करीब 8:30 बजे एनडीआरएफ को भी मौके पर बुलाया गया।

तेज बहाव बना बड़ी चुनौती

अधिकारियों के अनुसार, यमुना नहर दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सीमा के साथ बहती है और इस समय इसमें पानी का बहाव काफी तेज है। इसी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोताखोरों की मदद से नहर में लगातार छानबीन की जा रही है, वहीं संभावित बहाव क्षेत्र में भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

दिल्ली बोर्ड क्लब के इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया कि देर रात करीब 12:30 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन रविवार सुबह 6:30 बजे से एक बार फिर तलाश शुरू कर दी गई है। बोर्ड क्लब के प्रशिक्षित गोताखोर लगातार यमुना नहर में युवक की तलाश कर रहे हैं। घटना के बाद से प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू टीमों के साथ समन्वय बनाकर पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और घटना के समय मौजूद युवकों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि हादसे से जुड़ी हर जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

सतर्कता बरतने की अपील

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मूर्ति विसर्जन और अन्य धार्मिक गतिविधियों के दौरान नहरों, नदियों और अन्य जल स्रोतों के पास विशेष सावधानी बरतें। तेज बहाव और फिसलन के कारण ऐसे हादसों की आशंका बनी रहती है। फिलहाल युवक विकास की तलाश लगातार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आती, तब तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा जाएगा।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने बदरपुर में 85 करोड़ के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बदरपुर विधानसभा के सर्वांगीण विकास के लिए आज 85 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बजट का आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलाव का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह उस परिवर्तन की शुरूआत है, जिसका सपना बदरपुर के लोगों ने वर्षों से देखा है। ओखला लैंडफिल को खत्म करने के लिए हमारी सरकार तेजी से काम कर रही है और क्षेत्र की जनता इस बदलाव की साक्षी है। उन्होंने कहा कि इस बजट का एक-एक रुपया जनता के हित में लगेगा। काम पारदर्शी होगा, समय पर पूरा होगा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बदरपुर को स्वच्छ, सुरक्षित व आधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इस अवसर पर सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, मंगोलपुरी से विधायक राजकुमार चौहान सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने 2348 स्थानों पर छापेमारी कर दो हजार को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए गणतंत्र दिवस से ठीक पहले राजधानी में 'ऑपरेशन कवच-12' के तहत एक साथ 2348 जगहों पर छापेमारी कर करीब दो हजार लोगों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन कवच-12 के तहत दिल्ली के 15 जिलों में सभी जिला इकाइयों, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीम ने एक साथ 2348 स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया। इसके तहत 55 गैर-नॉन-डिस्चार्ज (एनडीपीएस) मामलों में 59 मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 30.750 किलोग्राम गांजा व हेरोइन बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत 231 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 238 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 40ए और बी के तहत 1,682 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, शस्त्र अधिनियम के तहत 115 मामलों में 117 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से दो पिस्तौल, 16 देसी पिस्तौल, 25 जिंदा कारतूस, 98 चाकू, 17 मोबाइल और एक लाइसेंस प्राप्त प्रतिबंधित हथियार बरामद किए गए हैं। जुआ अधिनियम के 149 मामलों में 3,51,730 नगद बरामदगी के साथ 261 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इनपर भी हुई कार्रवाई इसके अलावा, 31 घोषित बदमाशों और 21 वाहन चोरों को 33 वाहनों की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया गया। धारा 66 डीपी अधिनियम के तहत 2276 वाहन भी जब्त किए गए। इसके अलावा निवारक कार्रवाई के तहत, अपराध करने से रोकने के लिए धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत 703 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। 4,082 व्यक्तियों को निवारक हिरासत में लिया गया। 65 डीपी अधिनियम के तहत 25,300 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया।

बर्फीली हवाओं से दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहाना

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। बर्फीली हवाओं और गिरते तापमान के बीच राजधानी और आसपास के इलाकों में ठंड बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही प्रदूषण से बड़ी राहत मिली है। साफ हवा के कारण दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहाना हो गया है और लंबे समय बाद लोगों को साफ हवा में सांस लेने का सुकून मिला है। रविवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 दर्ज किया गया। यह बीते करीब तीन महीने से अधिक समय में पहली बार है जब राजधानी की हवा इस स्तर तक साफ हुई है। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद से लगातार प्रदूषण में गिरावट दर्ज की जा रही है। सड़कों पर धूल और धुंध कम हुई है और दृश्यता भी पहले से बेहतर हुई है। हवा की गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए ग्रैप के कड़े प्रतिबंधों में ढील दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, तेज धूप निकलने के बावजूद न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री, पालम में 4.5 डिग्री, लोधी रोड में 5.8 डिग्री, रिज क्षेत्र में 6.1 डिग्री और आयानगर में 5.3 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के समय नमी का स्तर करीब 90 प्रतिशत रहा, जिससे हल्की गलन और ठिठुरन बनी रही। ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम के समय सर्दी ज्यादा महसूस की जा रही है। अगले कुछ दिन तेज हवाएं चलेंगी मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक दिन में आंशिक बादल छाए रहने और 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई है। रात के समय हल्की धुंध और कोहरे की स्थिति भी बन सकती है। अधिकतम तापमान करीब 19 डिग्री रहने का अनुमान है।

आईपीयू ने शिक्षा शोध के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालय से करार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। विलियम पैटरसन विश्वविद्यालय और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी विश्वविद्यालय) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो दोनों संस्थानों के बीच शैक्षिक आदान-प्रदान और अनुसंधान सहयोग का विस्तार करेगा। समझौते को एक वर्चुअल हस्ताक्षर समारोह के दौरान औपचारिक रूप दिया गया। इस अवसर पर विलियम पैटरसन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रिचर्ड जे. हेल्डोब्लर ने कहा कि हम आईपी विश्वविद्यालय के साथ इस नई साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं, जो विलियम पैटरसन की वैश्विक पहुंच का विस्तार करेगी और आईपी विश्वविद्यालय के छात्रों को विलियम पैटरसन की गुणवत्ता शिक्षा तक पहुंच प्रदान करेगी। यह नया आदान-प्रदान मार्ग विलियम पैटरसन में भारतीय छात्रों की सफलता के मजबूत रिकॉर्ड पर निर्माण करेगा, साथ ही सभी डब्ल्यूपी छात्रों के लिए परिसर अनुभव को समृद्ध करेगा और उन्हें एक तेजी से जुड़ते विश्व में करियर के लिए बेहतर ढंग से तैयार करेगा। एमओयू के तहत, आईपी विश्वविद्यालय के छात्र विलियम पैटरसन विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री के लिए 2 2 कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पात्र होंगे। छात्र विलियम पैटरसन संकाय के साथ संयुक्त रूप से विकसित पाठ्यक्रम के माध्यम से भारत में आईपी विश्वविद्यालय में अपने पहले दो वर्ष पूरा करेंगे। वे फिर अपने अंतिम दो वर्ष विलियम पैटरसन के वेन, न्यू जर्सी परिसर में बिताएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित, आईपी विश्वविद्यालय उत्तरी भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में 93,000 से अधिक छात्र नामांकित हैं।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अज्ञात व्यक्तियों ने 32-वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में अज्ञात व्यक्तियों ने 32-वर्षीय शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि वारदात की सूचना शनिवार रात 11 बजकर करीब 24 मिनट पर शास्त्री पार्क थाने को दी गई। इसके बाद, पुलिस बुलंद मस्जिद के पास मौका-ए-वारदात पर पहुंची। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की पहचान समीर उर्फ मुस्तकीम के तौर पर हुई है, जिसे परिवार के सदस्य पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही जग प्रवेश चंद अस्पताल ले जा चुके थे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उसे अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि हमलावरों की पहचान करने और हत्या के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

2026 में पावेल के बाद फेड चेयर के लिए ट्रंप की शीर्ष पसंद

कुणाल तेवतिया

दिल्ली: अमेरिका में मौद्रिक नीति और वैश्विक वित्तीय बाजारों की दिशा तय करने वाली सबसे ताकतवर संस्था फेडरल रिजर्व (Federal Reserve) की अगली अगुवाई को लेकर राजनीतिक और आर्थिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वर्तमान फेड चेयर जेरोम 'जाय' पावेल के मई 2026 में कार्यकाल समाप्त होने के बाद की नौकरी के लिए लंबे समय से चल रहे साक्षात्कारों एवं विचार-मंथन के बाद एक प्रमुख पसंद को उभारना शुरू कर दिया है: पूर्व फेड गवर्नर केविन वार्श। चुनाव प्रक्रिया और क्यों बढ़ रहा है वार्श का नाम? टॉप व्हाइट हाउस सूत्रों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने अब तक दर्जनों संभावित उम्मीदारों से मुलाकात की है, जिसमें बैंकिंग, आर्थिक सलाह और मौद्रिक नीति के अनुभवी नाम शामिल रहे।

शुरूआती सूची में केविन हैसेट, क्रिस्टोफर वॉलेर, रिक राइडर और केविन वार्श जैसे नाम थे।

हालाँकि, जनवरी 2026 के मध्य तक स्त्र१ीप्रिङ्गल्ल `१ ी३२ और सभी संकेत यह दिखा रहे हैं कि केविन वार्श ही अब ट्रंप की शीर्ष पसंद के रूप में उभर रहे हैं – खासकर तब जब ट्रंप ने केविन हैसेट को वर्तमान व्हाइट हाउस सलाहकार के रूप में बनाए रखने की इच्छा जताई, जिससे हैसेट को संभावित फेड चेयर पद से दूर रखने का संकेत मिला। बाजार प्रतिक्रिया और आर्थिक महत्त्व वार्श के नाम के बढ़ते प्रबल होने पर वित्तीय बाजारों में भी तेजी से प्रतिक्रियाएँ दिखाई दी हैं। टिप्पणियों के बाद सोना, चांदी और बिटकॉइन जैसे जोखिम संपत्तियों में गिरावट आई, जिससे संकेत मिलता है कि निवेशक संभावित नीतिगत बदलावों को लेकर सतर्क हो रहे हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि अगर ट्रंप वार्श को नियुक्त करते हैं, तो यह अमेरिका के मौद्रिक नीति के भविष्य पर गहरा असर डालेगा – खासकर ब्याज दरों, आर्थिक वृद्धि और रोजगार पर केंद्रित नीतियों में। वार्श अपने समय में फेड बोर्ड के सबसे युवा सदस्य रहे हैं और उन्हें कंजरवेटिव और कम ब्याज दर समर्थन वाले दृष्टिकोण के रूप में देखा जाता रहा है। ट्रंप प्रशासन की रणनीति राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ़्तों प्रेस से कहा है कि उन्होंने उम्मीदवारों के साथ अन्तवार्ताएँ पूरी कर ली हैं और उनके पास ह्लएक बहुत अच्छा चयनह्व है, लेकिन उन्होंने नाम का खुलासा तत्काल नहीं किया।

उनके आर्थिक टीम के प्रमुख, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी संकेत दिया है कि राष्ट्रपति का निर्णय ह्लअगले हफ़्ते या जल्दीह्व आ सकता है, जो फेड के भविष्य पर निर्णायक मोड़ साबित होगा। पावेल से तनाव और राजनीतिक पृष्ठभूमि

यह नियुक्ति सिर्फ. एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक महत्त्व का विषय भी बन चुकी है। पावेल, जिन्हें ट्रंप ने खुद 2017 में फेड चेयर नियुक्त किया था, वर्तमान में न्याय विभाग की जांच का सामना कर रहे हैं, जिसमें उनके कार्यों और शहरी फेड भवन के नवीनीकरण पर बढ़ती लागतों सहित कई सवाल उठाए गए हैं। इस बीच, ट्रंप प्रशासन के कुछ मंत्रियों की ओर से पावेल की आलोचना भी तेज हुई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि व्हाइट हाउस और फेड के बीच मौद्रिक नीति की दिशा को लेकर मतभेद गहरे हैं। अब क्या होगा? अब तक की रिपोट्र्स और संकेतों के आधार पर कहा जा रहा है कि ट्रंप केविन वार्श को अगले फेड चेयर के रूप में चुन सकते हैं – लेकिन अंतिम फैसला अभी शेष है, जिसमें सीनेट की पुष्टि प्रक्रिया भी अहम भूमिका निभाएगी।

राणापुर में श्री देवनारायण जन्मोत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ भव्य रूप से संपन्न

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेश: राणापुर नगर में श्री देवनारायण भगवान का जन्मोत्सव इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, सामाजिक एकता और पारंपरिक उल्लास के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में भव्य धार्मिक आयोजन हुए, जिनमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता देखने को मिली। श्री देवनारायण जी का विशाल एवं आकर्षक जुलूस कुंदनपुर रोड स्थित मंदिर से प्रारंभ हुआ, जो नगर की प्रमुख गलियों से होते हुए वापस कुंदनपुर रोड स्थित तेजाजी मंदिर पहुँचा, जहाँ जुलूस का विधिवत समापन किया गया। जुलूस में आगे-आगे बैंड-बाजे एवं भजन मंडलियों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी जा रही थी, वहीं बाजी पर श्री देवनारायण भगवान की प्रतिमा विराजमान थी, जिनके दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

नगरवासियों द्वारा जुलूस मार्ग पर जगह-जगह पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। चौराहों पर युवाओं एवं महिलाओं ने पारंपरिक गरबा नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया। पूरे नगर में जयकारों और भजनों की गूंज से भक्तिभाव की अनुपम छटा देखने को मिली। जुलूस के समापन के पश्चात गारी समाज द्वारा विधिवत आरती उतारी गई एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। श्री देवनारायण जन्मोत्सव के अवसर पर गारी समाज की परंपरा अनुसार इस दिन दूध विक्रय नहीं किया जाता है। सभी दूध विक्रेताओं द्वारा मंदिर में दूध अर्पित किया गया, जिससे बनी खीर को प्रसादी के रूप में श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। इस परंपरा का पालन करते हुए

समाज ने धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का परिचय दिया।

शाम के समय तेजाजी मंदिर परिसर में पुनः भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया, जिसमें राणापुर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्था अनुशासित एवं सराहनीय रही। श्री देवनारायण जन्मोत्सव ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूती प्रदान की। इस आयोजन की संपूर्ण जानकारी तेजागाहारीद्वारा प्रदान की गई।

काव्य संध्या में बसंती और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति

प्रकाश शर्मा

उत्तर प्रदेश: साहित्यकार संगम संस्था खुर्जा, बुलंदशहर द्वारा बसंत पंचमी के अवसर एवं गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर एक काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार शर्मा तथा संचालन संस्था सचिव डॉ. विश्वम्भर दयाल अवस्थी ' विद्या - सागर ' ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा एवं सचिव डॉ. विश्वम्भर दयाल अवस्थी ' विद्या - सागर 'के द्वारा माँ शारदे का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सर्वप्रथम जयप्रकाश शर्मा द्वारा देशभक्ति गीत सुनाया।

डॉ. साधना गुप्ता द्वारा कुवार्नी पर गीत सुनाया गया। डॉ. विश्वम्भर दयाल अवस्थी ' विद्या सागर ' ने बासंती हवा चलि आई, नवल घन गावै बधाई। पातों ने पायल बजाई, मधुर ध्वनि कोयल ने गाई।। " गीत पढ़कर श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया। सारा पांडाल करतल ध्वनि से गूँज उठा। अंकित सारस्वत, मनीष गुप्ता, प्रेम कुमार शर्मा ने भी बसंत एवं देशभक्ति गीत पढ़कर श्रोताओं की वाहबाही बटोरी। कार्यक्रम में प्रेम कुमार शर्मा, डॉ. विश्वम्भर दयाल अवस्थी ' विद्या सागर ', प्रसून वशिष्ठ, मनीष गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, डॉ. एल. बी. चौरसिया इत्यादि मौजूद रहे।

जदयू नवादा द्वारा जननायक कपूरी ठाकुर की 102वीं जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई

गुड्डू सिंह

बिहार: नवादा जिला जनता दल यूनाइटेड की ओर से भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर की 102 वीं जयंती नवादा व्यवहार न्यायालय के उत्तर सदर विधायक विभा देवी के कार्यालय में उत्सवपूर्ण माहौल में मनाया गया जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने की । संचालन का दायित्व उपाध्यक्ष जयशंकर चंद्रवंशी ने निभाया जबकि राजगीर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कौशल किशोर एवं पूर्व एमएलसी रामचंद्र भारती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । सदर विधायक विभा देवी ने पूरे जयंती समारोह की मेजबानी करते हुए आगंतुक मेहमानों का स्वागत किया । कार्यक्रम की शुरूआत पुष्पांजलि सत्र से हुआ जिसमें अतिथियों ने जननायक कपूरी ठाकुर के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पहार समर्पित किया । उद्गार सत्र में वक्ताओं ने जननायक कपूरी ठाकुर के विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विशद चर्चा की । खास कर उनके संवेदनशील जीवन चरित , संस्मरणों और संघर्षों की दास्तां ने

समस्त समाजवादियों को प्रभावित किया ।

मुख्य अतिथि कौशल किशोर ने सभा को संबोधित करते हुए जननायक के पदचिन्हों का अनुकरण करने की प्रेरणा दी । पूर्व एमएलसी रामचंद्र भारती ने कहा कि नवादा की पवित्र भूमि पर जननायक कपूरी ठाकुर की केवल जयंती ही नहीं मनाई जाती है बल्कि उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात भी किया जाता है । विधायक विभा देवी ने जननायक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा नवादा जिला हमेशा से समाजवादियों के संघर्ष की भूमि रही है जिसे स्वयं जननायक कपूरी ठाकुर ने भी महसूस किया था । आज भी उनकी विचारधारा युवाओं में संघर्ष का साहस देती है । जिला अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए जिले के विभिन्न कोने से आए समाजवादियों का स्वागत किया और कहा कि कपूरी जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य उनके आदर्शों और सिद्धांतों को नई पीढ़ी में पैवस्त करना है और उनके अनुयायी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को सतत आगे बढ़ाना है । जयंती समारोह में जननायक को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा राजवंशी , जदयू नेता मनोहर पासवान , नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन संजय साव , समाजसेवी प्रिंस तमन्ना , माधुरी वर्णवाल , शोभा कुमारी , वीणा देवी , बिंदु देवी , नवल चौहान , राजीव रंजन , नवलेश कुमार राकेश सजिता सिंह , निजाम खान कल्लू , प्रिंस दांगी , नवल चौहान , शंभू मालाकार , राम प्रवेश , नीरज कुमार राकेश , अनुरुद्ध प्रसाद , विनय साव , अजय राय , संदीप कुमार चुन्नू , धर्मेंद्र कुशवाहा , जयराम कुशवाहा , मंजू चंद्रवंशी , बाल्मीकि यादव , अरुण सिन्हा , किशोरी प्रसाद ,विनय साव समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए ।

एक नजर

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्थापना दिवस पर जनता को बधाई दी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राज्य के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर राज्य की जनता को बधाई दी। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्थापना दिवस की औपचारिक शुरूआत शनिवार को लखनऊ में होगी, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यहां जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा, गंगा-यमुना की पुण्यधारा से सिंचित, सांस्कृतिक वैभव से समृद्ध एवं ऐतिहासिक गौरव से दीप्त उत्तर प्रदेश, भारत की आत्मा का उज्ज्वल और जीवंत प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा, यह वही पुण्यभूमि है, जहा ऋषि-मुनियों की साधना ने चेतना को दिशा दी, संतों की करुणा ने मानवता को संस्कारित किया, वीरों के शौर्य ने स्वाभिमान को सुदृढ़ किया तथा जन-जन की श्रमशीलता ने राष्ट्र निर्माण की नींव को सशक्त बनाया। राज्यपाल ने कहा, उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति, नवाचार एवं लोककल्याण के पथ पर अग्रसर रहते हुए देश की उन्नति में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता रहे ऐसी मैं कामना करती हूं।

आगरा में चलती कार में आग लगने से चालक की जिंदा जलकर मौत

आगरा, एजेंसी। आगरा जिले के जगदीशपुरा इलाके में चलती कार में आग लगने से चालक की जलकर कर मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गौरव सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार की देर रात थाना जगदीश पुरा इलाके में बोदला बिचपुरी मार्ग पर चालक वीरेंद्र (45) कार चला रहे थे, तभी अचानक कार में से धुआं उठना शुरू हो गया और देखते ही देखते कार में आग लग गई। एसीपी ने बताया कि वीरेंद्र कार का दरवाजा खोल नहीं पाए और आग की चपेट में आ गए। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी और पुलिस ने आग पर काबू पाया। कार में से वीरेंद्र का शव बाहर निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से कार में आग लगी है। कार के लॉक खुल नहीं पाए जिसकी वजह से वीरेंद्र कार में फंसे रहे और उनकी मौत हो गई।

शाहजहांपुर में युवती से शादी के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी

शाहजहांपुर, एजेंसी। शाहजहांपुर जिले में एक युवती से कनाडा में रहने वाले व्यक्ति ने शादी के नाम पर 15 लाख रुपये से भी अधिक की ठगी की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि शाहजहांपुर की रहने वाली युवती को एक वैवाहिक विज्ञापन वेबसाइट से विशाल अग्रवाल नामक व्यक्ति का अनुरोध मिला, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया। उन्हों ने बताया कि बाद में दोनों के बीव बातचीत होने लगी और विशाल ने युवती को बताया कि वह कनाडा में रहता है और कारोबारी है। उसने बताया कि वह अपना कारोबार समेट कर फरवरी महीने में दिल्ली में ही स्थाई रूप से रहेगा और इसके बाद दोनों शादी कर लेंगे। एसपी ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से बताया कि इसके बाद आरोपी ने शादी तय होने पर उपहार में एक अंगूठी, सोने का हार तथा एक आई फोन भेजने के लिए युवती का पता मांगा। युवती के पता भेजने के बाद 11 दिसंबर को एक व्यक्ति ने फोन करके बताया कि उसका पार्सल आया है तब उससे 26 हजार रुपये मांगे गए। इस तरह से विभिन्न तरीकों से कभी सोना भेजने, कभी प्रमाणपत्र के नाम पर उससे 15 लाख रुपये से ऊपर की ठगी की गई। द्विवेदी ने बताया की युवती ने आरोप लगाया है कि अब विशाल से उसकी बात नहीं हो रही है और उसे महसूस हुआ कि शादी के नाम पर उससे ठगी की गई है। पुलिस ने आरोपी कथित विशाल अग्रवाल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिजनौर में शादी से मना करने पर प्रेमी की हत्या की, आरोपी महिला गिरफ्तार

बिजनौर, एजेंसी। बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र में कथित तौर पर लिव इन रिलेशनशिप (बिना शादी किए साथ रहना) में रह रही महिला ने शादी से इनकार करने पर अपने प्रेमी की हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। चांदपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देशदीपक ने बताया कि थाना चांदपुर क्षेत्र में नगर पालिका के पास किराए के मकान में हरिओम (25) अपनी प्रेमिका शीतल के साथ रहता था। उन्होंने बताया कि हरिओम फाइनेंस कंपनी में काम करता था जबकि शीतल नूरपुर में एक अस्पताल में काम करती थी। उन्होंने बताया कि शीतल हरिओम को मृत अवस्था में स्याऊ अस्पताल लाई थी। पुलिस ने इस मामले में शीतल से पूछताछ की तो उसने अपराध स्वीकारते हुए बताया कि हरिओम शादी से इनकार कर रहा था।

ुलिस के मुताबिक घटना वाली रात 18 जनवरी को शराब पीने के बाद दोनों में झगड़ा भी हुआ। हरिओम मरने की धमकी देकर पंखे से लटक कर बिस्तर पर खडा.था तभी शीतल ने हरिओम के पैर पर लात मार दी जिससे वह फंदे पर झूल गया।

नवादा-गया रोड पर होटल किंग पैलेस बना शादी-विवाह और आयोजनों की पहली पसंद

संजय कुमार वर्मा

बिहार: नवादा-गया रोड पर स्थित होटल किंग पैलेस क्षेत्र में शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह एवं व्यावसायिक आयोजनों के लिए लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

होटल किंग पैलेस में कुल 11 अत्याधुनिक एसी रूम उपलब्ध हैं, जो मेहमानों को आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव प्रदान करते हैं। इसके अलावा होटल परिसर में पूर्णतः वातानुकूलित बैंकेट हॉल एवं भव्य विवाह मंडप की व्यवस्था की गई है, जहां विवाह, रिसेप्शन, मीटिंग, बर्थडे पार्टी, किटी पार्टी सहित अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा सकता है। होटल किंग पैलेस को

विशेष रूप से शादी-विवाह के लिए एक आदर्श स्थान माना जाता है, जहां एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। आयोजन के दौरान सजावट, बैठने की व्यवस्था और आराम का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिससे मेहमानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वहीं, होटल किंग पैलेस से सटे श्री शुभ लक्ष्मी मॉल में ह्लबचपन से पचपन तकह्व के लिए हर प्रकार के कपड़े एवं वस्त्र उचित दर पर उपलब्ध हैं। यहां बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों के लिए आधुनिक और पारंपरिक परिधानों की विस्तृत रेंज मौजूद है, जिससे शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों की खरीदारी एक ही स्थान पर आसानी से की जा सकती है।

होटल किंग पैलेस के संचालक एहतेशाम कैसर उर्फ बांटी गुड्डू ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर सुविधा, साफ-सुथरा वातावरण और भरोसेमंद सेवा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि होटल एवं मॉल में आने वाले ग्राहकों की सभी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाता है। बेहतर सुविधा और उचित दर के कारण होटल किंग पैलेस लगातार लोगों का भरोसा जीत रहा है।

गोंडा में पति ने कुदाल से हमला कर पत्नी की हत्या की

गोंडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने जमीन बेचने से मना करने पर कुदाल से हमला कर अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज रावत ने बताया कि खरगूपुर थानाक्षेत्र के भोलाजोत निवासी बाबूलाल ने शुक्रवार सुबह कुदाल से अपनी पत्नी रीता (35) के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतका की बहन मीना ने आरोप लगाया कि उसका जीजा नशे का आदी है और इस कारण रीता के ससुर ने साढ़े पांच बीघा जमीन उसके नाम पर कर दी थी। मृतका की बहन ने बताया कि इसी जमीन को बेचने के लिए बाबूलाल, रीता पर लगातार दबाव बना रहा था लेकिन वह इसका विरोध कर रही थी। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, नशे की वजह से बाबूलाल पहले भी कुछ जमीन बिकवा चुका था और शुक्रवार सुबह रीता जब घर में खाना बना रही थी, उसी समय आरोपी उसे घर से खींचकर बाहर लाया और सिर पर लगातार कुदाल से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मृतका के दो बच्चे हैं। अधिकारी ने बताया कि रीता के पिता रामसेवक ने बाबूलाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के तुरंत बाद क्षेत्राधिकारी (सिटी) आनंद राय और प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी अभी

रजिस्ट्री होगी पासपोर्ट ऑफिस जैसी सुविधाजनक, डिजिटल और त्वरित

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: अब रजिस्ट्री ऑफिस में लंबी लाइन, भीड़ और कागजी झंझट बीते दिनों की बात होगी. स्टांप एवं पंजीयन विभाग पासपोर्ट कार्यालय की तर्ज पर रजिस्ट्री कार्यालयों को अत्याधुनिक बनाने की तैयारी में है. इसके तहत अपॉइंटमेंट सिस्टम, टोकन व्यवस्था, डिजिटल काउंटर, आरामदायक वेटिंग एरिया और पारदर्शी निगरानी जैसी सुविधाएं शुरू की जाऐंग।

स्टांप एवं पंजीयन विभाग पूरे उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्री कार्यालयों की तस्वीर बदलने जा रहा है. जिस तरफ पासपोर्ट कार्यालयों में व्यवस्थित काउंटर, तय समय पर सेवा और डिजिटल प्रक्रिया होती है,

इस मॉडल को अब रजिस्ट्री ऑफिसों में लागू किया जाएगा. नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्री कार्यालयों में अपॉइंटमेंट आधारित काम काज शुरू होगा. लोगों को पहले से स्टॉल मिलेगा, जिस भीड़ कम होगी और समय की बचत होगी. कार्यालय में प्रवेश के बाद टोकन सिस्टम के जरिए तय क्रम में काम होगा।

पासपोर्ट कार्यालयों की तरह यहां भी डिजिटल काउंटर, ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन बायोमेट्रिक पहचान और ई-भुगतान सुविधा दी जाएगी.नागरिकों के लिए आरामदायक प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था पीने का पानी और हेल्प डेस्क भी बनाई जाएंगी। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है. सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में एआई आधारित हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. जिससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी और गड़बड़ी की गुंजाइश कम होगी. विभाग स्टांप शुल्क भुगतान के कई विकल्प भी शुरू कर रहा है. अब लोग ऑनलाइन माध्यम, डिजिटल वॉलेट, कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से स्टांप ड्यूटी जमा कर सकेंगे. इसके साथ ही एटीएम के तर्ज पर स्टांप पेपर उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि लोगों को वेंडरों के चक्कर न लगाने पड़े. एक बड़ा बदलाव यह भी है कि रजिस्ट्री के तुरंत बाद स्वतः दाखिल खारिज की प्रक्रिया शुरू होगी. यानी संपत्ति रजिस्टर्ड होते ही राजस्व रिकॉर्ड अपने -आप अपडेट हो जाएगा. इससे महीनों चलने वाला काम मिनटों में पूरा होगा। जिससे अब जमीन जायदाद की खरीद फरोख्त में लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी।

गौतमबुद्धनगर के करीब 20 स्कूलों को ई-मेल से मिली धमकी, पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में दिनांक 23.01.2026 को एक विदेशी ई-मेल सहित अबतक लगभग 20 स्कूलों में ई-मेल के माध्यम से थ्रेट प्राप्त होने की सूचना पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा तत्काल, सुनियोजित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। 26 जनवरी के दृष्टिगत पहले से ही विभिन्न चेकिंग एवं सत्यापन हेतु फील्ड में पुलिस की ड्यूटीरत विभिन्न टीमों को सूचना प्राप्त होते ही संबंधित विद्यालयों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस बल, बॉम्ब स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड, ए0एस0 चेक टीम एवं बीडीडीएस टीम को त्वरित रूप से तैनात कर सघन एवं गहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं पाई गई तथा सभी स्थानों पर स्थिति पूर्णतः सामान्य पाई गई। सुरक्षा मानकों के

अनुरूप समुचित सतर्कता एवं प्रोटोकॉल का पालन करते हुए स्कूलों में कक्षाएँ प्रचलित हैं।

साथ ही, संबंधित ई-मेल की तकनीकी विवेचना एवं स्रोत की जांच साइबर टीम द्वारा की जा रही है। इस संबंध में पुलिस द्वारा साइबर पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर अंतर्गत धारा 353/351(3)/351(4) बीएनएस व 66 आईटी एक्ट में भी दर्ज की गई है तथा प्रकरण की प्रत्येक कड़ी की गंभीरता से जांच जारी है। मौके पर सभी उच्चाधिकारी एवं संबंधित टीमें उपस्थित रहकर स्थिति की सतत निगरानी कर रही हैं। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भीड़-भाड़ वाले स्थानों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर चेकिंग एवं निगरानी की जा रही है। जनता से अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, शांति एवं संयम बनाए रखें। किसी भी संदिग्ध सूचना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस जनसुरक्षा के प्रति पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।

पवन एक्सप्रेस में 48 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जीआरपी थाना गाजीपुर सिटी और जीआरपी चौकी औड़िहार की संयुक्त टीम ने पवन एक्सप्रेस में चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक लावारिस ट्राली बैग से 48 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब (ऑफिसर च्वाइस) बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 8 लीटर 640 मिली है, जिसकी अनुमानित कीमत 5760 रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और अवैध शराब तस्करी की रोकथाम के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक रेलवे लक्ष्मी निवास मिश्र के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक रेलवे बलिया सविरत्न गौतम के पर्यवेक्षण में यह अभियान चलाया गया।

शनिवार को रेलवे स्टेशन गाजीपुर सिटीसे छपरा जा रही 11061 पवन एक्सप्रेस में चेकिंग की जा रही थी। ट्रेन जब करीमुद्दीनपुर स्टेशन से आगे बढ़ी, तो कोच संख्या इ-2 के शौचालय में एक लावारिस ट्राली बैग मिला। यात्रियों से पूछताछ के बावजूद

कोई दावेदार सामने नहीं आया। इसके बाद बैग को खोला गया, जिसमें अवैध शराब पाई गई। पुलिस ने शराब को जब्त कर लिया है और मामले में आवश्यकजब्त कर लिया हजार मामल म जावश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। बरामदगी करने वाली टीम में थाना जीआरपी गाजीपुर सिटी से उपनिरीक्षक सच्चिदानन्द यादव, कांस्टेबल सफीक अहमद, शैलेन्द्र कुमार यादव और अल्लाउद्दीन मंसूरी शामिल थे। जीआरपी चौकी औड़िहार, थाना जीआरपी मऊ से उपनिरीक्षक प्रभात चन्द्र पाठक, हेड कांस्टेबल संजय कुमार और कांस्टेबल संजय कुमार भी इस टीम का हिस्सा रहे।

साहित्यकार संगम संस्था द्वारा आयोजित काव्य संध्या

कडीवाला अबुवाहिल

गुजरात: आज दिनांक 23/1/2026 को सूरत महानगरपालिका द्वारा आधुनिक शौचालय का उद्घाटन दिवंगत अग्नि व्यापारी स्व. अंबाराम मोदी के पुत्र अग्नि व्यापारी नवीनभाई मोदी एवं व्यापारी संघ के नटवरभाई टेलर के हाथों हुआ। मयूरभाई चौहान। भाजपा वार्ड क्रमांक दो के पूर्व महासचिव अंकितभाई चौहान। पूर्व एवं प्रमुख मुस्लिम समुदाय के नेता असलम बापू। बाबूभाई काजी। अल्ताफभाई मेमन। दिनेशभाई प्राइम्सवाला। रिक्शा चालक शशिकांतभाई पटेल। विदेश से आए हसमुखभाई पटेल।

नवादा में हरिश्चंद्र स्टेडियम परेड पूर्वाभ्यास की तैयारियों का जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा

संजय कुमार वर्मा

बिहार: जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक, नवादा श्री अभिनव धीमान के नेतृत्व में हरिश्चंद्र स्टेडियम, नवादा में आगामी राजकीय समारोह गणतंत्र दिवसझ2026 के अवसर पर आयोजित होने वाली परेड के पूर्वाभ्यास की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मैदान की समग्र व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, परेड मार्ग, दर्शक दीर्घा, ध्वनि व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि

सभी तैयारियां समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण की जाएं, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह गरिमापूर्ण एवं सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके।

इस अवसर पर परेड कमांडर सार्जेंट श्री ओमप्रकाश ने जानकारी दी कि हरिश्चंद्र स्टेडियम, नवादा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में कुल 10 प्लाटून भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सभी टुकड़ियां नियमित रूप से पूर्वाभ्यास कर रही हैं तथा परेड में अनुशासन, तालमेल एवं समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षकअभिनव धीमान ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखी जाएगी। साथ ही, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

साइबर ठगी से बचाव के लिए इंदरगढ़ थाना पुलिस का जागरूकता अभियान, छात्रों व आमजन को किया सतर्क

श्याम सिंह राणा

मध्य प्रदेश: साइबर ठगी जैसे अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए दतिया पुलिस द्वारा जिलेभर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सजग करना है। इसी क्रम में थाना इंदरगढ़ के थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव शर्मा द्वारा इंदरगढ़ कस्बे स्थित कोचिंग संस्थानो में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के

विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी गई। उन्होंने ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया हैकिंग, ओटीपी फ्रॉड जैसे अपराधों के तरीकों को समझाते हुए उनसे बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें और अपनी निजी जानकारी साझा न करें।

इसके साथ ही थाना भगुआपुरा परिसर में थाना प्रभारी शाकिर अली द्वारा आमजन को डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने, बैंक संबंधी जानकारी गोपनीय रखने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। इसी प्रकार थाना उनाव पुलिस द्वारा ग्राम भदेवरा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, सोशल मीडिया सावधानियों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। दतिया पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होने पर तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

अपोलो जे.एन.पी. हॉस्पिटल जौनपुर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं, स्त्री रोग व प्रसूति उपचार में पूरी सुविधा

राजेंद्र प्रसाद

उत्तर प्रदेश: अपोलो जे.एन.पी. हास्पिटल कृपा शंकर नगर चुंगी चौराहा मछली शहर जौनपुर की तरफ से सभी ग्राम वासियों क्षेत्र वासियों व देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। डॉ सरोजा पटेल द्वारा बताया गया कि उनके यहां अपोलो हॉस्पिटल पर स्त्री प्रसूति रोग से सम्बंधित अनेक बीमारियों का इलाज कुशल डाक्टरों द्वारा किया जाता है। और अनेक प्रकार की सुविधा एंबुलेंस की सुविधा भी मौजूद है और गरीबों के लिए अनेक प्रकार के राहत भरे कम पैसे में इलाज भी किया जाता है ।

और अनेक प्रकार के रोगों के इलाज की सुविधाएं भी मिलती है। डॉ सरोज पटेल द्वारा बताया गया कि अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध है और अनेक प्रकार के रोगों के लिए अलग-अलग डॉक्टरों की भी व्यवस्था है और स्त्रियों की नॉर्मल डिलीवरी व ऑपरेशन की भी सुविधाएं उपलब्ध है ।

बाल मेला एवं साइंस एडमिशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

संजय कुमार वर्मा

बिहार: स्थानीय शिक्षण संस्थान में बाल मेला सह साइंस एडमिशन एवं साइंस एग्जीबिशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संचालन में रामनारायण पांडे, अमित मिश्रा, गौतम सिंह, नीतीश कुमार, स्नेह कुमार, संजीत कुमार, चंदन पांडे, ए. राकेश कुमार, सत्येंद्र कुमार एवं सोनू कुमार का विशेष योगदान रहा। विद्यालय की प्राचार्य अनुराधा विश्वकर्मा ने सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बाल मेला का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन एवं आकर्षक मिठाइयों की व्यवस्था की गई थी।

बच्चों ने पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ बाल मेला का

आनंद लिया।

कार्यक्रम के तहत साइंस एडमिशन एवं साइंस एग्जीबिशन का आयोजन भी किया गया, जिसमें आरुषि सिंह, आरूषी कुमारी, दृष्टि, रिया भारती, अंकुश सिंह, सत्यम कुमार, ताल्हा मिराज, तस्किया परवीन, रिया राज, नैंसी, हंस, अलीशा, अरुण, पीयूष, अमित, शौर्य, अदिति, संजना, समीर एवं प्रीतम सहित कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विज्ञान से संबंधित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉक्टर रश्मि गुप्ता एवं डॉ. आर. पी. साहू ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी भी उपस्थित रहे। उन्होंने साइंस एग्जीबिशन का अवलोकन कर विद्यार्थियों की सराहना की और उत्कृष्ट प्रदर्शनों के लिए बच्चों को धन्यवाद देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

ग्राम पंचायत सदस्य के घर पेट्रोल बम से हमला, वाहन जलकर हुआ खाक

समीर राजेंद्र वानखेड़े

महाराष्ट्र: भंडारा जिले के शाहपुर इलाके में सुबह-सुबह एक चौंकाने वाली घटना हुई है। एक गंभीर घटना सामने आई है जिसमें अज्ञात हमलावरों ने एक ग्राम पंचायत सदस्य के परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश की। अच्छी बात यह रही कि परिवार के सभी लोग खुशकिस्मत थे, इसलिए इस घटना में किसी की जान या चोट नहीं आई, लेकिन इस हमले से पैसे का भारी नुकसान हुआ है। जानकारी सामने आई है कि शाहपुर ग्राम पंचायत के सदस्य सचिन गडेकर के घर पर अज्ञात लोगों ने पेट्रोल बम से हमला किया। सुबह-सुबह अचानक गडेकर के घर के अहाते में पेट्रोल बम फेंका गया। इस हमले से घर के आंगन में खड़ी चार दोपहिया गाड़ियों और घर के सामने खड़ी एक कार में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में ये सभी गाड़ियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग लगते ही गडेकर

परिवार ने समय रहते चिल्लाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़कर आए। जैसे ही लोग इकट्ठा हुए, हमलावर मौके से भाग गए।

जब तक लोगों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई, तब तक गाड़ियों को बहुत नुकसान हो चुका था। हमले के पीछे का सही कारण अभी भी साफ नहीं है, और यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि यह घटना आपसी झगड़े का नतीजा थी या राजनीतिक वजहों से। घटना की जानकारी मिलते ही जवाहरनगर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पंचनामा करके इलाके के उउळश फुटेज की जांच की जा रही है, और पुलिस ने अनजान आरोपी को ढूंढने के लिए तेजी से जांच शुरू कर दी है। ग्राम पंचायत सदस्य के घर पर पेट्रोल बम से हुए हमले से पूरे इलाके में डर का माहौल फैल गया है, और इस घटना से भंडारा जिले में हड़कंप मच गया है।

एक नजर

राणापुर में हिंदू सम्मेलन में आपत्तिजनक भाषण के विरोध में मुस्लिम समाज ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा

आरिफ मोहम्मद/मध्य प्रदेश: राणापुर गुरुवार को राणापुर बस स्टैंड पर आयोजित हिंदू सम्मेलन के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक व अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मुस्लिम समाज राणापुर की ओर से पुलिस थाना राणापुर में लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि मंडल ने शांति पूर्वक थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। शिकायत में बताया गया है कि कार्यक्रम के दौरान मंच से दिए गए भाषण में मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुईं।

आरोप है कि भाषण के माध्यम से शहर की शांति भंग करने और नगर में सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया गया। मुस्लिम समाज के सदर मो. सलमान निजामी द्वारा थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में मांग की गई है कि आपत्तिजनक भाषण देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 299 एवं 302 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

हिसुआ में साई टेलीकॉम बना सैमसंग स्मार्टफोन खरीदने वालों की पहली मनपसन्द दुकान

संजय कुमार वर्मा/बिहार: हिसुआ नगर के राजगीर रोड पर स्थित साईं टेलीकॉम सैमसंग शोरूम में मोबाइल खरीदारी के लिए लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।हिसुआ राजगीर रोड बगोदर मार्केट के पास, यह शोरूम ग्राहकों को सैमसंग के नवीनतम स्मार्टफोन, कीपैड मोबाइल एवं मोबाइल एसेसरीज की विस्तृत रेंज उपलब्ध करा रहा है। आधुनिक तकनीक से लैस मोबाइल फोन और उचित मूल्य पर उपलब्ध उत्पादों के कारण यहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।शोरूम की पहचान भरोसेमंद सेवा, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और ग्राहक संतुष्टि से जुड़ी हुई है। यहां मोबाइल रिपेयरिंग एवं सर्विस की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे हिसुआ सहित आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को काफी सहूलियत मिल रही है।

प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा ग्राहकों को मोबाइल से संबंधित सही जानकारी और तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है। शोरूम के प्रोप्राइटर प्रमोद कुमार ने बताया कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद और ईमानदार सेवा देना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ग्राहकों को विशेष 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऑफर का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि साईं टेलीकॉम में ग्राहक सेवा में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी जाती है और भविष्य में भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी।

जेल में बंद तीन ट्रांसजेंडर एचआईवी संक्रमित पाए गये

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिला कारागार में बंद 13 ट्रांसजेंडर कैदियों की दोबारा चिकित्सका जांच कराए जाने पर शुक्रवार को उनमें से तीन में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी

ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। केंद्र ने अपने पहले वार्षिक अनुमान में कहा है कि 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 रहेगी। वैसे, अंतिम आंकड़े मई में जाकर मालूम होंगे, फिर भी ताजा अनुमान महत्त्वपूर्ण है। इसलिए कि इन आंकड़ों को ही आधार बना कर वित्त मंत्री अगला बजट पेश करेंगी। शीर्षक के मुताबिक इस वर्ष जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर खासा मजबूत रहने वाली है। मगर इसमें कई पेच हैं। बेशक, वास्तविक वृद्धि दर पिछले साल के 6.5 प्रतिशत से 0.9 फीसदी ज्यादा है, मगर चालू वर्ष में कुल (नोमिनल) वृद्धि दर महज 8 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले साल से 1.8 प्रतिशत कम है। मतलब मुद्रास्फीति की कम दर के कारण वास्तविक वृद्धि दर ऊंची नजर आती है।

नोमिनल वृद्ध दर गिरने का परिणाम टैक्स की कम वसूली के रूप में सामने आएगा। उससे राजकोष दबाव में आएगा, हालांकि मुमकिन है कि रिजर्व बैंक से मिलने वाले डिविडेंड और विनिवेश से प्राप्त राजस्व के कारण यह खुल कर ना जाहिर हो। वैसे ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। बीते साल के 7.2 फीसदी की तुलना में इस वर्ष यह सात प्रतिशत रहेगी। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी को जाहिर करता है।

यह बताता है कि जमीनी स्तर पर आमदनी और बचत की स्थिति और कमजोर है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर गिरने का अनुमान लगाया गया है। उसका असर ग्रामीण आय एवं उपभोग पर पड़ेगा। इस स्थिति में निजी निवेश बढ? की गुंजाइश अगले साल भी नहीं बनेगी। इस बीच अमेरिकी टैरिफ और अन्य प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वृद्धि दर 8 प्रतिशत रही, जबकि बाकी छह महीनों में इसके 6.9 फीसदी ही रहने का अनुमान है।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की राजनीति का नैरेटिव है, जिसका बहुत प्रभावी तरीके से वह राजनीतिक इस्तेमाल करती है। इस नैरेटिव का व्यावहारिक पहलू घुसपैठिए हैं। हिंदुत्व और राष्ट्रवाद दोनों की राजनीति घुसपैठियों के दम पर ही चलने वाली है। भाजपा का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को फ्री पास दे रखा है। केंद्र सरकार कहती है कि ममता बनर्जी की सरकार जमीन नहीं देती है ताकि सीमा पर बाड़ेबंदी हो सके।

तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले कमजोर है भाजपा

-अजीत द्विवेदी-

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले माहौल पूरा गरम है। केंद्र की भाजपा सरकार ने अपने आजमाए हुए दांव के तौर पर चुनाव से ठीक पहले प्रदेश की भाजपा विरोधी पार्टी यानी तृणमूल कांग्रेस को केंद्रीय एजेंसियों के दम पर परेशान करने लगी है तो दूसरी ओर ममता बनर्जी अपनी आदत के मुताबिक सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रही हैं और टकराव को नए मुकाम तक ले जा रही हैं। लेकिन अगर वस्तुनिष्ठ तरीके से देखें और पश्चिम बंगाल में भाजपा की ताकत व कमजोरी का आकलन करें तो पता चलेगा कि ताकत के नाम पर भाजपा के पास सिर्फ नैरेटिव है। उसके पास न तो बहुत मजबूत संगठन है, न मजबूत नेता हैं और न भाषा व संस्कृति के जरिए राजनीति को प्रभावित करने की सलाहियत है। इन सबमें वह तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले कमजोर है।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की राजनीति का नैरेटिव है, जिसका बहुत प्रभावी तरीके से वह राजनीतिक इस्तेमाल करती है। इस नैरेटिव का व्यावहारिक पहलू घुसपैठिए हैं। हिंदुत्व और राष्ट्रवाद दोनों की राजनीति घुसपैठियों के दम पर ही चलने वाली है। भाजपा का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को फ्री पास दे रखा है। केंद्र सरकार कहती है कि ममता बनर्जी की सरकार जमीन नहीं देती है ताकि सीमा पर बाड़ेबंदी हो सके। यह भी आरोप है कि ममता बनर्जी की वजह से पश्चिम बंगाल की जनसंख्या संरचना बदल रही है। मुस्लिम आबादी बढ़ रही है। कई जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। हिंदुओं को अपने धार्मिक त्योहार मनाने से रोका जाता है। पूजा करने, पंडाल बनाने और विसर्जन के लिए सरकार के साथ साथ मुस्लिम समुदाय के लोगों की अनुमति लेनी होती है।

दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर कब्जा करके जो करना होता है वह करते हैं। भाजपा की सरकार बनी तो वह इस स्थिति को बदलेगी। घुसपैठ रोकेगी और राज्य में रह रहे तमाम घुसपैठियों की पहचान करके उनको बाहर निकालेगी। हालांकि दूसरे राज्यों में भाजपा के रिकॉर्ड को देखते हुए कहा जा सकता है कि इस नैरेटिव के पीछे आंकड़ों का कोई मजबूत आधार नहीं है। आखिर 10 साल उत्तर प्रदेश में और 11 साल हरियाणा में रहने के बाद भी भाजपा वहां घुसपैठियों का मुद्दा बना रही है। 10 साल सत्ता में रहने के बाद असम में भी घुसपैठ का ही मुद्दा है। वह किसी भी राज्य को घुसपैठ से मुक्त नहीं कर सकी। तभी यह नैरेटिव झारखंड में बुरी तरह से फेल हुआ था।

बहरहाल, भाजपा की सीमाओं या कमजोरियों की बात करें तो भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में उसके लिए हमेशा समस्या रही है। यह समस्या नेतृत्व से जुड़ी हुई है। ऐसा लगता है कि भाजपा का मौजूदा नेतृत्व इस बात को समझ नहीं रहा है या समझ रहा है तो इस जिद में है कि मोदी और शाह जब पूरे देश में जीत रहे हैं तो बंगाल कैसे नहीं जीत सकते हैं। अगर दोनों नेता यह जिद छोड़ दें और वस्तुनिष्ठ आकलन करें तो पता चलेगा कि भाषायी अस्मिता वाले किसी भी राज्य में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जीत नहीं दिलाई। भाषायी अस्मिता वाले राज्यों या भाषा के आधार पर बने राज्यों में भाजपा को प्रादेशिक नेताओं ने ही जीत दिलाई। भाषा के आधार पर बने राज्यों में भाजपा को पहली जीत गुजरात में मिली थी।

भले मंदिर आंदोलन से माहौल बना हुआ था और उस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लालकृष्ण आडवाणी गुजरात के थे फिर भी 1995 की वह जीत अटल बिहारी वाजपेयी या लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी ने नहीं दिलाई थी, बल्कि केशुभाई पटेल, शंकर सिंह वाघेला, कांशीराम राणा, नरेंद्र मोदी, संजय जोशी आदि नेताओं की मेहनत के दम पर मिली थी। ऐसे ही 1995 की ही महाराष्ट्र की जीत वाजपेयी, आडवाणी और जोशी की तिकड़ी की नहीं थी, बल्कि बाल ठाकरे, गोपीनाथ मुंडे, प्रमोद महाजन आदि की थी।

2008 में कर्नाटक की जीत भी भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व की नहीं, बल्कि बीएस येदियुरप्पा की थी। भाषा के आधार पर बने दूसरे राज्यों में भाजपा इसलिए कामयाब नहीं हो पाई है क्योंकि वहां उसके पास मजबूत नेता नहीं हैं और राष्ट्रीय नेतृत्व वहां की भाषा और संस्कृति के राजनीतिक पहलू को साधने में सफल नहीं हो पा रहा है। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की यह बड़ी कमजोरी है।

भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में कामयाबी के लिए पहली जरुरत मजबूत स्थानीय नेता की है या फिर किसी मजबूत गठबंधन की है। असम भी भाषायी अस्मिता वाला राज्य है लेकिन वहां बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से भाजपा ने पहले ही पैर जमा लिए थे और बाद में असम गण परिषद का साथ उसको मिल गया। धीरे धीरे असम गण परिषद अप्रासंगिक होती गई और भाजपा सबसे बड़ी ताकत बन गई। हालांकि अब भी उसे अगप के साथ साथ बीपीएफ और यूपीपीएल जैसी पार्टियों की जरुरत पड़ती है।

बांग्लादेश में उसके पास न तो बहुत मजबूत स्थानीय नेतृत्व है और न किसी पार्टी के साथ उसका गठबंधन है। तभी वह नैरेटिव की ताकत पर राजनीति कर रही है। उसके पास केंद्र की सरकार है, मीडिया की ताकत है, अथाह पैसा है, राजभवन का भी राजनीतिक इस्तेमाल करने में भी कोई हिचक नहीं है तो वह माहौल बना देती है। लेकिन सिर्फ माहौल बना कर बंगाल में चुनाव नहीं जीता जा सकता है। जमीन पर ममता बनर्जी के संगठन की ताकत का मुकाबला करने वाली ताकत भाजपा के पास नहीं है।

ममता बनर्जी ने लेफ्ट पार्टियों के मोर्चे की तरह बिल्कुल नीचे तक अपना संगठन बनाया है और अपने कैडर को मजबूत किया है। उनको आर्थिक रूप से सक्षम और मजबूत बनाया है। दूसरी ओर भाजपा अपने नेताओं के प्रयोग करती रही और अंत में ममता बनर्जी की पार्टी के ही शुभेंदु अधिकारी के सहारे लड?ा शुरू किया। उसको लग रहा है कि पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों की तरह ही वह बंगाल में भी कर लेगी। जैसे असम में हिमंत बिस्वा सरमा या त्रिपुरा में माणिक सरकार या अरुणाचल में पेमा खांडू हैं

वैसे ही शुभेंदु अधिकारी बंगाल में नेता बन जाएंगे। लेकिन ममता बनर्जी के रहते यह आसान नहीं दिख रहा है। तभी माना जा रहा था कि अगर ईडी की छापेमारी को बाधित करने के मामले में राज्य में राष्ट्रपति शासन लग जाता तो ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़तीं। उनके लोग कमजोर होते और जमीन पर लड? की ताकत घटती। लेकिन वह नहीं हुआ है। सो, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार के नैरेटिव पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। नैरेटिव की ताकत उसे एक सीमा तक ले जा सकती थी। वहां तक भाजपा पहुंच गई है। उसके आगे जाने के लिए ठोस और व्यावहारिक राजनीतिक ताकत की जरुरत है, जो अभी भाजपा के पास नहीं दिख रही है।

मिलेनियल युवाओं पर भाजपा का फोकस

-एस. सुनील-

भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चयनित किया गया तो कई प्रकार से इसकी व?ाख्या हुई। उनको एक ऐसे दल का नेतृत्व मिला है, जिसकी सरकार देश में है और देश के ज्यादातर राज्यों में भी है। नितिन नबीन को 14 करोड़ से ज्यादा सदस्यों वाली पार्टी मिली है। देश के सभी जिलों में पार्टी का अपना कार्यालय है, जहां से जमीनी राजनीतिक गतिविधियां संचालित होती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा इस समय दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है और उसका आधार पूरे देश में फैल गया है। परंतु यह सारी उपलब्धियां भाजपा ने धैर्य के साथ और अपने महान नेताओं के परिश्रम से प्राप्त की है। नितिन नबीन को उन महान नेताओं की उपलब्धियों को न सिर्फ बनाए रखना है, बल्कि उसका विस्तार भी करना है। इसलिए नितिन नबीन को जो मिला है, व्यापकता की दृष्टि से उसका आकलन करते हुए इस बात का भी विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि इसकी निरंतरता कायम रखने के लिए कितना परिश्रम करना होगा और उसके रास्ते में क्या चुनौतियां आएंगी।

भारतीय जनता पार्टी ने इन चुनौतियों को ध्यान में रख कर ही नितिन नबीन जैसे युवा, मेहनती और जमीनी राजनीति की गंभीरता व जटिलता को समझने वाले नेता को अध्यक्ष बनाया है। उन्होंने पद संभालते है इसका परिचय भी दिया। उन्होंने पार्टी मुख्यालय में सभी पदाधिकारियों के साथ लगातार नौ घंटे की मैराथन बैठक की, जिसमें एक समय जेपी नड्डा भी शामिल हुए और संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी उपस्थित रहे।

वास्तविकता यह है कि नितिन नबीन के सामने संगठन के विस्तार की निरंतरता कायम रखने की चुनौती है तो साथ ही जितने प्रदेशों में भाजपा और एनडीए की सरकार है उन प्रदेशों की सरकारों की पुनर्वापसी सुनिश्चित करते हुए नए प्रदेशों में सत्ता प्राप्त करने की चुनौती भी है। बदलती हुई राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप भाजपा को तैयार करने की भी एक बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से उनको भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं और संगठन के साथ साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का सक्रिय सहयोग प्राप्त होगा। आखिर वे भी स्वंयसेवक रहे हैं और संघ के आदर्शों के अनुरूप राजनीति की है। तभी उनके निर्विरोध चयन में संघ की सहमति भी सम्मिलित है।

पहले बदलती परिस्थितियों की ही बात करें तो स्पष्ट दिख रहा है कि भारतीय जनता पार्टी अपने को जेन जी और मिलेनियल युवाओं के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चयन की घोषणा के लिए आयोजित संगठन पर्व में कहा कि नितिन नबीन एक तरह से मिलेनियल युवा हैं। ध्यान रहे भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। इसलिए भाजपा ने युवाओं की आकांक्षा और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को बनाना शुरू किया है। तभी उसने अपने सभी 16 हजार मंडल अध्यक्ष 45 साल से कम उम्र के बनाए हैं। कह सकते हैं कि 45 साल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस रूपांतरण को सहज तरीक से क्रियान्वित करने का उत्तरदायित्व पूरा करना है। मंडल से लेकर प्रदेश और केंद्र तक साथ ही स्थानीय निकायों से लेकर राज्य तक में युवाओं का नेतृत्व स्थापित हो और पार्टी के पुराने नेताओं के साथ समन्वय बना कर काम किया जाए, यह सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊपर होगी।

बहुत जल्दी देश में जनगणना का कार्य शुरू होने वाला है। पहले आवासों की गणना होगी और अगले साल जाति के साथ व्यक्तियों की गिनती होगी। 1931 के बाद पहली बार जातीय गणना होने वाली है। देश के सैकड़ों जातियों की जनसंख्या के आंकड़े सामने आएंगे। उसका गुणात्मक प्रभाव देश की राजनीति पर पड़ेगा। सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर व्यापक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी को इस बदलाव के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए तैयार करने का काम नए नेतृत्व को करना है। ध्यान रहे भाजपा को लेकर एक समय यह धारणा रही थी कि वह ब्राह्मणों और वैश्यों की पार्टी है।

परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद वह धारणा बदली है। भाजपा पूरे देश में व्यापक हिंदुत्व की धारणा स्थापित करने में कामयाब रही है और हिंदुत्व के साथ जातियों का बहुत अच्छा समन्वय स्थापित किया है। मंडल और कमंडल की राजनीति का जो विभाजन नब्बे के दशक से चला आ रहा था उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त कर दिया है। अब मंडल और कमंडल दोनों एक हैं और यही कारण है कि कांग्रेस व समस्त प्रादेशिक पार्टियों को भाजपा के हाथों इतनी करारी हार झेलनी पड़ रही है। इस जुड़ाव को और मजबूत करने की जिम्मेदारी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के ऊपर है।

जनगणना के बाद तीन बड़ी परिघटना होने वाली है। पहली तो ह्यएक देश, एक चुनावह्ल की तैयारी है। दूसरी महिला आरक्षण लागू होना है और तीसरी परिसीमन किया जाना है। ह्यएक देश, एक चुनावह्ल के लिए संविधान में संशोधन का विधेयक पेश किया जा चुका है, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। संसद से कानून पास होने के बाद इसे लागू किया जाएगा। उसके लिए भाजपा संगठन को और शक्तिशाली करने की आवश्यकता होगी। उसके साथ ही संभव है कि नारी शक्ति वंदन कानून को भी लागू किया जाए, जिसके तहत महिलाओं के लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएंगी।

परिसीमन और महिला आरक्षण दोनों चुनौतीपूर्ण कार्य है। दक्षिण भारत में परिसीमन का विरोध हो रहा है और इसे उत्तर बनाम दक्षिण का मुद्दा बनाने की कोशिश हो रही है। इस मुद्दे को प्रभावी तरीके से रोकने का काम भाजपा को करना है। भाजपा संगठन की यह जिम्मेदारी होगी वह उत्तर से दक्षिण तक आम लोगों को भरोसा दिलाए कि परिसीमन से किसी के अधिकार में कटौती नहीं हो रही है और न किसी प्रदेश की राजनीतिक हैसियत घटाई जा रही है। सभी राज्यों का पहले की तरह सम्मान और महत्व बना रहेगा। इसी तरह महिला आरक्षण का लाभ सिर्फ उच्च वर्ग की महिलाओं को मिलेगा, इस पुरानी धारणा के जवाब में भी भाजपा को देश भर में जागरुकता अभियान चलाना होगा और सभी जातीय समूहों को भरोसा दिलाना होगा।

सनातन, संत, सत्ता और संग्राम

-तनवीर जाफरी-

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज की तरफ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह जरूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया, उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु, संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाजा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया?

इस घटना के फौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नजर आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नजर आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफी फजीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुजारियों पर नजर डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाजा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में "आसुरी शक्ति" प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है।

इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाकी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराजगी जताई थी। शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को खुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि 'महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी। इसी तरह शंकराचार्य जी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास कार्यों के नाम पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने गोविंदेश्वर महादेव मंदिर को तोड़े जाने पर धरना दिया था और प्रशासन पर शिवलिंग गायब करने का आरोप लगाया था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने इसे हिंदू धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बताया था और कहा था कि विकास के नाम पर मंदिर नष्ट नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने स्कंद पुराण में उल्लिखित मंदिरों का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और धर्म संसद भी बुलाई थी। इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलोग्राम सोने के गायब होने की मीडिया में प्रसारित खबरों पर प्रतिक्रिया करते हुये इसे 'सोना घोटाला' करार दिया था।

विस्फोट के मुहाने पर पहुंचती जातिगत वैमनुष्यता

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

देश को पतन के गर्त में पहुंचाने वाली वोट बैंक की राजनीति ने एक बार फिर अंगडाई लेने शुरू कर दी है। विभाजनकारी नीतियों को अंगीकार करने वाली कार्यपालिका के इशारे पर विधायिका ने भी स्वार्थ सिद्ध हेतु नाचना शुरू कर दिया है। ऐसे में समूचे राष्ट्र को केवल न्यायापालिका का ही सहारा बचा है। गैर प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को अवसर देकर आरक्षण ने जहां राष्ट्रीय क्षमताओं को मौथला किया था वहीं समय-समय पर जातिगत वैमनुष्यता के संग्राम के लिए अनेक कानून लाकर आधार भी तैयार किया जाता रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 जनवरी को एक नया नियम लाकर पर्दे के पीछे से जातिगत दंगे की स्क्रिप्ट प्रस्तुत कर दी। आयोग ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन 2026 पास किया जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के खिलाफ होने वाले जातिगत भेदभाव को रेखांकित करते हुए उन्हें रोकने हेतु इसे बनाने का औचित्य निरूपित किया है। इसके नियम 3(सी) में स्पष्ट किया गया है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों के खिलाफ होने वाले भेदभाव को जाति आधारित भेदभाव माना जाएगा। नए कानून के अन्तर्गत अब उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले अन्य पिछडे वर्ग के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी भी अपने साथ होने वाले जातिगत भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायत सक्षम प्राधिकारी के समक्ष दर्ज करा सकेंगे। अब तक जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों और प्रकोष्ठ मुख्य रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय तक ही सीमित थे। इस नए रेगुलेशन के बाद प्रत्येक संस्थान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए समान अवसर हेतु प्रकोष्ठ स्थापित करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय स्तर पर भी एक समानता समिति गठित की जाएगी। इसमें अन्य पिछडा वर्ग, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग वर्ग के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल करना जरूरी होगा। यह समिति हर छह महीने में अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी और उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजना अनिवार्य होगा। यह नियम आयोग के नियम 1956 के विरुद्ध है जो उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के उद्देश्य को नुकसान पहुंचाता है साथ ही साथ संविधान में दिए गए समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का भी हनन करता है। जातिगत विभेद, कानून के मनमाने उपयोग, एकपक्षीय समिति का गठन, उनके निर्णयों को मानने की बाध्यता जैसे तानाशाहीपूर्ण फरमानों द्वारा जातीय संघर्ष हेतु तैयार किये गये मसौदे को देशवासियों पर थोप दिया गया है। इससे पहले भी शोषित, शोषक और शोषण की मनामनी परिभाषायें गढकर आरक्षण के माध्यम से गैर प्रतिभाशाली अभ्यार्थियों की सरकारी नियुक्ति, पदोन्नति और लाभ के अवसर प्रदान किये गये थे। परिणामस्वरूप देश की प्रतिभाओं को पलायन करने पर मजबूर होना पडा, सरकारी तंत्र में अयोग्य लोगों की भरमार हो गई और आवश्यक कार्यों हेतु आउटसोर्सिंग पर निर्भर होना पडा। ज्ञातव्य हो कि यह आउससोर्सिंग उन्हीं राष्ट्रभक्त प्रतिभाओं की दम पर खडा है जो सरकारी सेवाओं में पहुंचकर विकास में भागीदार बनना चाहते थे, जो आरक्षण जैसे हथियारों से कत्ल कर दिये गये, जो वोट बैंक के जहर से मार डाले गये, जो तुष्टिकरण के रण में शहीद हो गये। जब माइनस चालीस अंक पाने वाले को सीट और प्लस सत्तर अंक पाने वाले को सडक दी जा रही हो तो फिर अंधा बांटे रेवडी वाली कहावत चरितार्थ होने से कौन रोक सकता है। आरक्षण के नाम पर तुष्टीकरण की नींव स्वतंत्रता से पहले सन् 1902 में कोल्हापुर के राजा शाहूजी महाराज ने डाल दी थी जिसे सन् 1908 में ब्रिटिश शासन ने षडयंत्रपूर्वक बेहद विस्तार दिया था। स्वाधीनता के बाद संविधान निमार्ताओं ने गोरों द्वारा रोपित उन बीजों को पोषण देने की गरज से 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र स्थापित होते ही योग्यता को तिलांजलि देते हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को शिक्षा और नौकरियों में प्रतिनिधित्व देना सुनिश्चित किया। सन् 1953 में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए कालेलकर आयोग बनाया गया था। इसी तर्ज पर सन् 1979 में मंडल आयोग गठित करके भारत सरकार द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करने तथा उन्हें अपात्र होते हुए भी सरकारी में भर्ती, शिक्षण संस्थानों में प्रवेश आदि की व्यवस्था हेतु रिपोर्ट मांगी थी। उस समय मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे। आयोग ने पिछडे वर्गों हेतु 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की जिसे सन् 1990 में लागू किया गया। उस समय प्रधानमंत्री पद पर विश्वनाथ प्रताप सिंह सुशोभित हो रहे थे।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक : योगी

मथुरा, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को वृंदावन पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। वृंदावन स्थित अक्षयपात्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पहली बार उत्तर प्रदेश दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष का ब्रज की धरा पर स्वागत-अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि नितिन नबीन बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक हैं और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन भूमि पर उनका प्रथम आगमन सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे स्थल हजारों वर्षों से सनातन परंपरा के केंद्र रहे हैं। यहां के कण-कण में श्रीकृष्ण और राधा रानी की विरासत समाई हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि भी मथुरा में ही है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से ब्रज क्षेत्र आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब ह्यबीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा है। प्रदेश पांच वर्षों से अधिक समय से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बना हुआ है। डबल इंजन सरकार के माध्यम से बड़े-बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट धरातल पर उतर रहे हैं और हर नागरिक को सुरक्षा का अहसास हो रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याणकारी योजनाओं के जरिए बिना भेदभाव वंचित वर्ग, युवाओं, किसानों और महिलाओं तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का नौजवान अब पहचान के लिए मोहताज नहीं है। आज वह देश के किसी भी हिस्से में गर्व से कह सकता है कि वह उत्तर प्रदेश का नागरिक है। एक समय प्रदेश की छवि को लेकर नकारात्मक धारणा थी, लेकिन अब यूपी देश के विकास अभियान में सक्रिय भागीदार बन चुका है। योगी ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और इस गति को और तेज करने के लिए प्रदेश का हर कार्यकर्ता प्राणप्रण से जुटकर योगदान देगा। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विहिप के कार्यकर्ता गांव-गांव करेंगे रामोत्सव कार्यक्रम का प्रचार- प्रसार : विजय प्रताप

बाराबंकी, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद की जिला योजना बैठक जिला कोऑपरेटिव बैंक बाराबंकी के सभागार में संपन्न हुई। प्रभु श्री राम के चित्र पर विहिप अवध प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। रविवार को विहिप की योजना बैठक दो सत्रों में संपन्न हुई। बैठक में आगामी चैत्र राम नवमी शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होने वाले रामोत्सव कार्यक्रम की योजना को मूर्त रूप दिया गया। जिसके आधार पर 150 से अधिक स्थानों पर रामोत्सव के कार्यक्रम विहिप के कार्यकर्ता गांव-गांव करेंगे। प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद हिंदू समाज के जागरण संरक्षण संवर्धन का कार्य कर रहा है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही अब जागृत हिंदू समाज राम राज्य की ओर आगे बढ़ा है। विश्व हिन्दू परिषद केंद्रीय बैठक के बाद प्रांत की कार्य योजना बैठक होती है उसके उपरांत जिलों की योजना बैठक संपन्न होती। केंद्रीय बैठक में जो कार्य निर्धारित होते हैं, उन कार्यों को लेकर कार्यकर्ता निचले स्तर तक पहुंचते हैं इस बार की केंद्रीय बैठक में कुछ प्रस्ताव पास हुए। जिनमें से प्रस्ताव संख्या-2 धार्मिक अल्पसंख्यक की योग एवं तार्किक परिभाषा करने की आवश्यकता तथा प्रस्ताव संख्या-3 देश में जिहादी चुनौतियां और उनका समाधान, ऐसे दो प्रस्ताव कार्यकताओं के सम्मुख जिला मंत्री राहुल कुमार ने पढ़कर सुनाया जिस पर चर्चा हुई और ओम की ध्वनि से पारित हुए। आगामी प्रखंड बैठक, पुजारी प्रशिक्षण,रामोत्सव,सीता नवमी,मातृशक्ति,दुर्गा वाहिनी,बजरंग दल,परिषद शिक्षा वर्ग,संगठन विस्तार एवं दायित्व बोध सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सभी प्रखंडों में 19 मार्च से 2 अप्रैल के मध्य रामोत्सव के गांव -गांव कार्यक्रम होंगे। जिले के सभी प्रखंडों में 23 से 26 अप्रैल के मध्य दुगार्वाहिनी व मातृशक्ति के द्वारा सीता नवमी मनाई जाएगी। संत रविदास जयंती,जगजीवन राम जयंती,डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर सामाजिक समरसता के विविध आयोजन होंगे।

शिवम तिवारी को बजरंग दल का जिला सह संयोजक बनाया गया। रविवार को विहिप की जिला कार्य योजना बैठक जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य की अध्यक्षता एवं जिला मंत्री राहुल कुमार के संचालन में संपन्न हुई।

युवा ही लोकतंत्र का भविष्य हैं: कमिश्नर

बांदा, एजेंसी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यूपी के जनपद बांदा में रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल बांदा अजीत कुमार ने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी युवा फॉर्म-6 भरकर मतदाता बनें और लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम में पद्मश्री उमाशंकर पांडे, जिलाधिकारी श्रीमती जे.ओ. रीभा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त अजीत कुमार, पद्मश्री उमाशंकर पांडे एवं जिलाधिकारी श्रीमती जे.ओ. रीभा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुक्त अजीत कुमार ने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्व की सबसे सशक्त लोकतांत्रिक प्रणाली है और इसे मजबूत करने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

उन्होंने कहा कि युवा ही बड़ा परिवर्तन लाते हैं और देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। स्वयं को पहचानना और दूसरों को समझना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। आयुक्त ने बताया कि मतदाता बनने के लिए 25 जनवरी, 31 जनवरी 2026 एवं 1 फरवरी 2026 को विशेष दिवस निर्धारित किए गए हैं, जिनमें मतदान बूथों पर बीएलओ उपस्थित रहकर फॉर्म-6 भरवाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ भी दिलाई और सभी से अपने संवैधानिक अधिकार का उपयोग करने की अपील की। पद्मश्री उमाशंकर पांडे ने कहा कि मतदान के दिन सबसे पहले मतदान करें, उसके बाद अन्य कार्य। मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। साथ ही उन्होंने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और माता-पिता की सेवा का संदेश भी दिया। जिलाधिकारी श्रीमती जे.ओ. रीभा ने कहा कि मतदान लोकतंत्र को मजबूत करने का सबसे बड़ा माध्यम है। प्रत्येक नागरिक को समान रूप से मतदान का अधिकार मिला है, जिसका प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अनादि काल से ही महत्वपूर्ण रही : रजनीश

जौनपुर, एजेंसी। यूपी के जौनपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जौनपुर नगर संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को युवा साहसिक साइकिल यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस यात्रा की शुरूआत अपराह्न 2 बजे शिया कॉलेज से हुई, जो कोतवाली, बड़ी मस्जिद, पुरानी बाजार होते हुए प्रेमराजपुर पान दरीबा में सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता कार्यवाह रजनीश उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि युवा स्वयंसेवक नियमित शाखा के माध्यम से अपने शरीर और मन का गुणात्मक विकास करें। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अनादि काल से ही महत्वपूर्ण रही है। चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और स्वामी विवेकानंद जैसे महान युवाओं ने देश और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी उसी प्रेरक दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि युवा साहस का प्रतीक है और भारत विश्व का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है। संघ के शताब्दी वर्ष में पंच प्रण के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। इसी क्रम में पीपीपी (पेड़, पानी और प्लास्टिक) जैसे विषयों पर विशेष प्रकाश डाला गया।

उन्होंने कहा कि जब पर्यावरण संतुलित रहेगा, तभी जीवन का संतुलन बना रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रांत सह समरसता प्रमुख शिवप्रकाश, जिला संघचालक डॉ. सुभाष, नगर सह संघचालक रमेश, नगर प्रचारक मंगलेश्वरम, नगर कार्यवाह डॉ. राजीव, अरुण, राजीव, महेंद्र, दिनेश, स्वतंत्र सहित अनेक स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर बौद्धिक प्रमुख अतुल द्वारा किया गया। साइकिल यात्रा के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति, साहस, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

एक नजर

वोट से तय होती है देश की दशा और दिशा

हाथरस, एजेंसी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। सादाबाद इंटर कॉलेज से निकली इस रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साह के साथ शामिल हुए। खंड विकास अधिकारी की ओर से ग्राम पंचायत अधिकारी देवेंद्र गौतम और कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी और वापस इंटर कॉलेज पहुंचकर समाप्त हुई। छात्र-छात्राओं ने हाथों में मतदान जागरूकता के स्लोगन लिखी तख्तियां ले रखी थीं। वे 'पहले मतदान, फिर जलपान', 'सशक्त लोकतंत्र, जागरूक मतदाता' और 'हर वोट की है कीमत' जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। यदि छात्र-छात्राएं अभी से मतदान का महत्व समझेंगे, तो वे आगे चलकर जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। ग्राम पंचायत अधिकारी देवेंद्र गौतम ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वोट से देश की दिशा और दशा तय होती है, इसलिए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। रैली के दौरान मार्गों पर मौजूद लोगों ने छात्र-छात्राओं की इस पहल की सराहना की। रैली का समापन कॉलेज परिसर में हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई।

बाराबंकी में तीन शातिर चोर गिरफ्तार, पुलिस से बचने के लिए नहीं करते थे फोन का इस्तेमाल

बाराबंकी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सफदरगंज पुलिस टीम ने स्वॉट और सर्विलांस सेल ने सयुंक्त कार्रवाई कर तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से नगदी, जेवर, दो मोटरसाइकिले आदि चीजें बरामद हुई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दक्षिण जितेंद्र कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में पहलीपार ग्राम निवासी बिरजू रावत उर्फ राहुल, अवनीश वर्मा उर्फ लकी और ग्राम कुड़ी राज वर्मा उर्फ एसके शामिल हैं। तीनों को हाईवे काउन्टी साइट, ग्राम जलालपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। एएसपी दक्षिणी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का एक गिरोह हैं, जो रेकी करके चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इनके साथी रोहित उर्फ करिया, दुर्गेश वर्मा फरार है। खास बात यह है कि यह लोग सर्विलांस से बचने के लिए मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करते थे। सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए मुख्य मार्गों का प्रयोग न कर खेत-बाग के रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। अभियुक्तों को गिरफ्तार करके इनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति एक महत्वपूर्ण कर्तव्य : डीएम

फिरोजाबाद, एजेंसी। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई, साथ ही हरी झंडी दिखाकर स्कूली बच्चों की मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया गया। इस वर्ष के मतदाता दिवस की थीम है वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम रही। इस अवसर पर निर्वाचन कार्य में सराहनीय भूमिका निभाने वाले बीएलओ, सुपरवाइजरों और 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाता, दिव्यांग मतदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी शक्ति प्रत्येक नागरिकों के मताधिकार में निहित है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है। मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान केवल एक अधिकार नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है।

विकास, विरासत और विश्वास का प्रदेश है उत्तर प्रदेश : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना की ऐतिहासिक स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने तथा प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं विकासात्मक उपलब्धियों को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट में ह्वविकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेशह्व की थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, पर्यटन, कला, परंपराओं एवं सामाजिक योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस का यह आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं तथा वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का दिल और आत्मा है। प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है और 24 जनवरी प्रदेश के लिए ऐतिहासिक महत्व का दिन है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से 2026 तक उत्तर प्रदेश ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह संभावनाओं से भरपूर प्रदेश है। यह वही उत्तर प्रदेश है जो राम,कृष्ण, गौतम बुद्ध और महावीर की ज्ञान भूमि रहा है, जहां बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी, भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या तथा तीर्थराज प्रयाग स्थित है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में प्रत्येक वर्ष माघ मेला तथा कुंभ जैसे विश्वविख्यात आयोजनों में करोड़ों श्रद्धालु देश-विदेश से आते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते लगभग 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। प्रदेश में रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले, जिनमें सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश की है। उन्होंने कहा कि जब व्यवस्था भ्रष्टाचार-मुक्त होती है, तो विकास तीव्र गति से आगे बढ़ता है। विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। आज उत्तर प्रदेश किसी बीमारू राज्य की श्रेणी में नहीं, बल्कि तेजी से विकास पथ पर अग्रसर राज्य है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का विपक्ष पर तंज, कुछ लोग राजनीति को टाइमपास समझते हैं

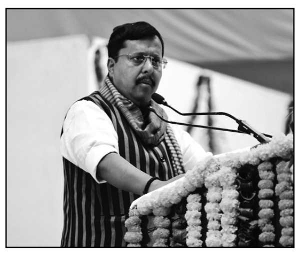

मथुरा, एजेंसी। वृंदावन की पावन धरती से भाजपा ने 2027 के लिए सियासी बिगुल फूंका। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बांके बिहारी के दर्शन किए और कार्यकताओं में जोश भरा। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कुछ लोग राजनीति में केवल टाइमपास के लिए आते हैं, चुनाव में दिखते हैं और फिर विदेश चले जाते हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक दिवसीय दौरे पर मथुरा पहुंचे। यहां पर दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बात में सहभागिता के बाद श्रीबांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके उपरांत पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग राजनीति को गंभीर जिम्मेदारी नहीं, बल्कि टाइमपास समझते हैं। ऐसे लोग चुनाव के वक्त सक्रिय होते हैं और बाद में देश से बाहर चले जाते हैं। देश और प्रदेश को बांटने वाली ताकतें चुनाव आते ही संविधान की दुहाई देने लगती हैं, जबकि इनके कार्य अराजकता को बढ़ाने वाले रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि श्रीकृष्ण की नगरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला प्रवास है। उन्होंने पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि 2027 नजदीक है और कार्यकताओं को अभी से पूरी ताकत झोंकनी होगी।

भाजपा कार्यालय में नव मतदाताओं का किया गया अभिनंदन

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश के सभी जनपदों में नवमतदाताओं का अभिनंदन कर लोकतंत्र का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर प्रदेशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ह्यमन की बातह्व सुनने के उपरांत नवमतदाता सम्मान समारोहों का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने नवमतदाताओं का अभिनंदन किया। इस अवसर पर नवमतदाताओं सहित उपस्थित जनसमूह ने लोकतंत्र की मजबूती तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने हेतु सामूहिक सहभागिता का संकल्प लिया। लोकतंत्र की आत्मा होते हैं मतदाताइस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नवमतदाताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के पावन अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सभी नवमतदाताओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होते हैं और जब युवा पहली बार मतदाता बनने की अर्हता प्राप्त करता है, तो वह उसके जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में युवाओं की भूमिका सदैव निर्णायक रही है। स्वामी विवेकानंद, चन्द्रशेखर आजाद, सुभाष चन्द्र बोस और भगत सिंह जैसे महापुरूषों ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। वह सभी हमारे प्रेरणापुंज है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आम आदमी पार्टी ने निकाली तिरंगा पदयात्रा

लखनऊ, एजेंसी। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी अटूट आस्था के साथ आम आदमी पार्टी (आआपा), लखनऊ की ओर से एक तिरंगा पदयात्रा निकाली गई। जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में निकाली गई पदयात्रा का शुभारंभ छोटा इमामबाड़ा से हुआ। रूमी गेट हुसैनाबाद पहुंचकर पूरे सम्मान और गरिमा के साथ पदयात्रा का समापन किया गया। पदयात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों की गूंज, हाथों में लहराता तिरंगा और भारत माता की जय के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति और जनचेतना से ओतप्रोत रहा।

प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी इस अवसर पर कहा कि आज देश में राष्ट्रवाद के नाम पर संविधान को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। आम आदमी पार्टी स्पष्ट कहना चाहती है कि तिरंगे का सम्मान तभी सार्थक है, जब संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रहें। जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि आज महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जनता को बांटने की राजनीति की जा रही है।

नेपाल-चीन वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में काठमांडू-ल्हासा बस सेवा पुनः शुरू करने पर सहमति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच हुई वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में काठमांडू-ल्हासा बस सेवा को पुनः संचालित करने पर सहमति बनी है। 22-23 जनवरी को चीन के ल्हासा में संपन्न तीसरी वाणिज्य सचिव स्तरीय बैठक में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश, पारवहन, सीमा शुल्क सहजीकरण, तकनीकी सहयोग तथा व्यापार अवसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्रालय के सचिव डॉ. रामप्रसाद घिमिरे ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सिचांग (तिब्बत) जन सरकार के उपाध्यक्ष चाओ पेंग ने किया। नेपाल के वाणिज्य सचिव घिमिरे ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच 1981 के व्यापार तथा भुगतान समझौते के समसामयिक संशोधन, व्यापारियों, चालकों और सहचालकों के लिए सीमा प्रवेश पास को सरल बनाने, टोखा-छहरे सुरंग निर्माण प्रक्रिया को तेज करने, रासायनिक उर्वरक आयात के लिए कोटा निर्धारण, नेपाल के अल्पविकसित राष्ट्र से स्तरोन्नति के बाद भी चीन की शून्य-शुल्क नीति को जारी रखने तथा आपदा के समय चीनी पक्ष द्वारा वैकल्पिक मार्ग सुविधा देने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

जापान की संसद भंग, 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने डाइट के 465 सदस्यों वाले निचले सदन को भंग कर दिया। इसी के साथ जापान में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। ताकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम उनकी लोकप्रियता का फायदा उठाने की एक कोशिश है ताकि सत्तारूढ़ पार्टी हाल के सालों में हुए बड़े नुकसान के बाद फिर से अपनी स्थिति मजबूत कर सके। लेकिन इससे उस बजट को संसदीय मंजूरी मिलने में देरी होगी जिसका मकसद संघर्ष कर रही अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और बढ़ती कीमतों को कम करना है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गई ताकाइची सिर्फ तीन महीने से पद पर हैं। ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को अभी भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पार्टी भ्रष्टाचार से जुड़े कई मामलों और पार्टी के विवादास्पद यूनिफिकेशन चर्च के साथ पिछले संबंधों से जूझ रही है। यह साफ नहीं है कि नया विपक्षी सेंट्रिस्ट रिफॉर्म अलायंस मध्यम वर्ग के वोटरों को आकर्षित कर पाएगा या नहीं, जबकि विपक्षी पार्टियां अभी भी इतनी बिखरी हुई हैं कि वे एलडीपी के लिए कोई गंभीर खतरा पैदा नहीं कर सकतीं।

सिडनी हवाई अड्डे पर सामान में ड्रग्स मिलने के बाद तीन ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने थाईलैंड से 42 किलोग्राम अवैध ड्रग्स की तस्करी के प्रयास के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने एक संयुक्त बयान में कहा कि थाईलैंड से आ रही उड़ान से सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचते ही अधिकारियों ने तीन लोगों को रोक लिया। बाद में उनके सामान की तलाशी में कथित तौर पर अलग-अलग पैकेट में लिपटी हुई सफेद रंग की ईंटें मिलीं, जिनकी जांच में मेथम्फेटामाइन और हेरोइन की पुष्टि हुई। एएफपी अधिकारियों ने 34 किलोग्राम हेरोइन और आठ किलोग्राम मेथम्फेटामाइन जब्त की और दक्षिण-पूर्वी मेलबर्न के रहने वाले तीनों 22 वर्षीय लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन पर सीमा-नियंत्रित ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा में आयात करने और सीमा-नियंत्रित ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा रखने का एक-एक आरोप लगाया गया है। दोनों अपराधों के लिए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गयी हेरोइन की अनुमानित बाजार कीमत लगभग एक करोड़ 70 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है और मेथम्फेटामाइन की कीमत 70 लाख 40 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है।

कनाडा को खा जायेगा चीन : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर 'गोल्डन डोम' बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिये कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को 'खा सकता' है। श्री ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर साझा किये गये एक पोस्ट में कहा, 'कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा। इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जायेगा।' श्री ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने भाषण में कहा था कि 'नियम-आधारित व्यवस्था' लुप्त होती जा रही है। उन्होंने यहां चीन के साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था। इस बीच, श्री ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान कहा था, 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है। यह याद रखना, मार्क, अगली बार जब तुम बयान दो।' उन्होंने यह भी कहा था कि कनाडा को अमेरिका से 'बहुत सारी मुफ्त चीज़ें' मिलती हैं और उन्हें अमेरिकी सुरक्षा सुरक्षा के लिये 'शुक्रगुजार होना चाहिए।

अवामी लीग ने यूनुस सरकार के जनमत संग्रह की आलोचना की, जनता को गुमराह करने का आरोप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर तथाकथित रेफरेंडम (जनमत संग्रह) कराने की कोशिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संवैधानिक नियमों का बड़ा उल्लंघन है, बल्कि लोगों को गुमराह करने की एक सोची-समझी कोशिश है। अवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनावों के साथ होने वाला रेफरेंडम यूनुस सरकार का रचा हुआ एक मजाक है और यह देश के संवैधानिक इतिहास पर एक काला ??धब्बा बना रहेगा। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि बिना किसी जनादेश वाली सरकार देश के लोगों को अंधेरे में रखते हुए देश का भविष्य तय करने की कोशिश कर रही है। अवामी लीग ने कहा, 'जुलाई 2024 में एक चुनी हुई सरकार को

हटाने के लिए पूरे देश में सुनियोजित दंगे करवाने के बाद से जिस तरह मुहम्मद यूनुस और उनकी सलाहकार परिषद सत्ता में बनी रही, वह बांग्लादेश के संवैधानिक इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय बन गया है। यह विदेशी फंडेड तख्तापलट, जिसे इस्लामी आतंकवादी समूहों और सेना के समर्थन से किया गया।' बांग्लादेश के संविधान के नियमों पर जोर देते हुए पार्टी ने कहा, 'संविधान का आर्टिकल 7 साफ तौर पर कहता है कि रिपब्लिक की सारी ताकतें लोगों की हैं। इसी बुनियादी सिद्धांत पर रेफरेंडम का संवैधानिक सिस्टम टिका है, जहां नागरिक सीधा अपनी मर्जी जाहिर करते हैं। फिर भी यूनुस सरकार की, तीस सुधार प्रस्तावों की बातें सीक्रेट रखते हुए रेफरेंडम का प्रस्ताव देने की हिम्मत सीधे संविधान की भावना से टकराती है।' अवामी लीग ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में लोगों को अंधेरे में रखकर जनता की राय लेना जनमत संग्रह नहीं, बल्कि एक दिखावा है। प्रस्तावित सुधारों की असलियत बताए बिना जनता की राय कैसे मांगी जा सकती है? अंतरिम सरकार के रेफरेंडम की आलोचना करते हुए पार्टी ने कहा, 'जब कोई वोटर बैलेट बॉक्स के सामने खड़ा होता है, तो क्या उससे यह उम्मीद की जाएगी कि वह बिना यह जाने कि वह किस पर वोट कर रहा है, हां या ना में वोट देगा? यह न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक है बल्कि यह लोगों की समझ और अधिकारों का बहुत बड़ा अपमान है।

प्रतिनिधि सभा सदस्य ने सिख विरोधी नफरत को रोकने वाले बिल का समर्थन किया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में सिख समुदाय के खिलाफ भेदभाव और नफरत से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए एक नया कानून अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा (यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में दोनों पार्टियों का समर्थन हासिल कर रहा है। अमेरिकी संसद के निचले सदन में इस विधेयक को दोनों दलों का साथ मिल रहा है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद जो लोफग्रेन भी इसकी सह-प्रायोजक बन गई हैं। इस प्रस्तावित कानून का नाम 'सिख अमेरिकन एंटी-डिस्क्रिमिनेशन एक्ट 2025' है, जिसे एच.आर. 7100 भी कहा जाता है। न्यू जर्सी के कांग्रेसी जोश गॉटहाइमर ने इस महीने की शुरुआत में यह बिल पेश किया था। अब इसे कैलिफ़ोर्निया की डेमोक्रेट और अमेरिकन सिख कांग्रेसनल कॉकस की वाइस चेयर लोफग्रेन का समर्थन मिल गया है। ज़ो लोफग्रेन ने कहा कि अमेरिका में किसी भी धर्म के लोगों को पूजा करने से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने माना कि सिख अमेरिकियों के खिलाफ भेदभाव और नफरत की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए न्याय विभाग को इस मुद्दे पर गंभीर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे सैन जोस में एक बड़े सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगी कि संघीय सरकार सिख विरोधी भेदभाव से लड़े।'

वहीं जोश गॉटहाइमर ने कहा कि यह कानून सिख परिवारों और समुदाय के नेताओं से सीधे बातचीत के बाद लाया गया है। उनके अनुसार, यह विधेयक सरकार को सिख समुदाय के खिलाफ होने वाले नफरत भरे अपराधों को पहचानने, दर्ज करने और रोकने में मजबूत बनाएगा, ताकि हर अमेरिकी बिना डर अपने धर्म का पालन कर सके।

गोलीबारी में चार लोगों की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

जेंसी

अटलांटा । अटलांटा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने जॉर्जिया में हुई गोलीबारी की घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी था। महावाणिज्य दूतावास ने उनके परिवार को पूरी मदद का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हम गोलीबारी की घटना से बहुत दुखी हैं, जो कथित तौर पर पारिवारिक विवाद से जुड़ी थी, जिसमें पीड़ितों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। आरोपी शूटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जा रही है।' अधिकारियों के अनुसार, पुलिस को सुबह लगभग 2:30 बजे ब्रूक आइवी कोर्ट के एक ब्लॉक में गोली चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को घर के अंदर चार लोग घायल मिले थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। शुरुआती जांच में अधिकारियों ने उसे घरेलू झगड़े का

मामला माना है। पुलिस ने बताया कि जब गोलीबारी शुरू हुई तो घर के अंदर तीन छोटे बच्चे थे। बच्चों ने खुद को बचाने के लिए एक अलमारी में बंद कर लिया। इनमें से एक बच्चे ने गोलीबारी की सूचना दी। अधिकारी कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गए। यह डर था कि शूटर अभी भी घर में हो सकता है, इसलिए पुलिस ने तलाशी के लिए के-9 यूनिट तैनात कीं। अधिकारियों के अनुसार, बाद में एक पुलिस कुत्ते ने संदिग्ध का पता पास के जंगल में लगाया, जहां उसे हिरासत में ले लिया गया। घटना के दौरान बच्चों को कोई चोट नहीं आई और बाद में उन्हें परिवार के एक सदस्य की देखभाल में सौंप दिया गया। पुलिस ने संदिग्ध की पहचान अटलांटा के 51 वर्षीय विजय कुमार के रूप में की। वहीं, पीड़ितों की पहचान कुमार की पत्नी अटलांटा की 43 वर्षीय मीमू डोगरा, 33 वर्षीय गौरव कुमार, 37 वर्षीय निधि चंदर और 38 वर्षीय हरीश चंदर के रूप में की। ये सभी लॉरेंसविले के निवासी थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कथित तौर पर डोगरा और विजय कुमार के बीच अटलांटा में उनके घर पर बहस शुरू हुई। इसके बाद यह दंपति अपने 12 साल के बच्चे के साथ ब्रूक आइवी कोर्ट के घर गया, जहां बाद में गोलीबारी हुई।

अमेरिका में भारतीयों से जुड़े तीन इमिग्रेशन मामलों में अदालत ने सुनाए फैसले

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका की तीन संघीय अदालतों ने इस सप्ताह ऐसे फैसले दिए हैं जिनमें इमिग्रेशन अधिकारियों के कामकाज और गैर-नागरिकों की हिरासत पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन मामलों में भारतीय नागरिकों को आंशिक राहत मिली है या उनके मुकदमों को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई है। मिशिगन में एक फेडरल जज ने इमिग्रेशन अधिकारियों को आदेश दिया कि वे एक भारतीय शरणार्थी आवेदक को जमानत सुनवाई (बॉन्ड हियरिंग) दें या फिर उसे तुरंत रिहा करें। वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ मिशिगन की यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा कि हरजोत सिंह को जुलाई 2025 से आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) द्वारा हिरासत में रखा जाना गैरकानूनी है। हरजोत सिंह मई 2022 में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में उन्होंने शरण के लिए आवेदन किया। हिरासत की जगह न होने के कारण उन्हें पहले पैरोल पर देश में रहने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद उन्हें वर्क ऑथराइजेशन और सोशल सिक्योरिटी नंबर भी मिला, लेकिन एक नियमित चेक-इन के दौरान आईसीई ने उन्हें गिरफ्तार कर

लिया। अदालत ने कहा कि सिंह पर अनिवार्य हिरासत के नियम लागू नहीं होते और उनकी हिरासत संविधान के पांचवें संशोधन के तहत मिलने वाले अधिकारों का उल्लंघन है। जज ने आदेश दिया कि आईसीई पांच कार्यदिवसों के भीतर बॉन्ड हियरिंग करे या उन्हें तुरंत रिहा करे। वाशिंगटन डीसी में एक अन्य फेडरल जज ने दिव्या वेणिगल्ला (जो एक भारतीय नागरिक हैं) की याचिका के एक हिस्से को आगे बढ़ने की अनुमति दी। वेणिगल्ला ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के खिलाफ मुकदमा किया था, जिसमें उन्होंने अपने इमिग्रेंट इन्वेस्टर ग्रीन कार्ड आवेदन की अपील के तरीके पर सवाल उठाया। उन्होंने समय पर अपील दाखिल की थी, लेकिन हस्ताक्षर वाला पेज न होने के कारण उसे खारिज कर दिया गया। बाद में उन्होंने पूरा दस्तावेज दोबारा जमा किया।

खैबर पख्तूनख्वा में शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला, कम से कम छह लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में एक शादी समारोह के दौरान आत्मघाती हमला हुआ। इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में हुई, जिसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने शनिवार को दी। हमला अमन (शांति) समिति के प्रमुख नूर आलम महसूद के घर को निशाना बनाकर किया गया। उसी समय वहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इस घटना में नूर आलम महसूद भी घायल हुए हैं। विस्फोट होते ही शादी स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। प्रमुख ब्रॉडकास्टर जियो न्यूज़ के अनुसार, धमाके में कई लोग घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि धमाके की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन शुरुआती जांच में यह आत्मघाती हमला ही माना जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, धमाके के बाद हमलावरों ने फायरिंग भी की। घटना के बाद जांच टीमें और फॉरेंसिक विशेषज्ञ कई घंटों तक मौके पर मौजूद रहे और सबूत इकट्ठा किए गए, ताकि हमलावर और उसके पीछे के नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पाकिस्तानी प्रमुख दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने बताया कि धमाके वाली जगह से आत्मघाती हमलावर का कटा हुआ सिर बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि हमलावर की उम्र करीब 17 साल थी। इस सिर को जांच और पहचान के लिए कब्जे में ले लिया गया है। केपी के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रांतीय पुलिस प्रमुख से तुरंत रिपोर्ट मांगी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए। मुख्यमंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान, जो अफगानिस्तान से सटे हुए हैं, हाल के दिनों में ऐसे हमलों से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। यह पहली बार नहीं था जब दक्षिण वजीरिस्तान में महसूद शांति कमेटी के प्रमुख नूर आलम महसूद को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले 2022 में डेरा इस्माइल खान में उनके कार्यालय पर दो आत्मघाती हमलावरों ने हमला करने की कोशिश की थी।

मिनियापोलिस एयरपोर्ट पर आईसीई विरोधी प्रदर्शन में करीब 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी इमिग्रेशन एनफोर्समेंट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 धर्मगुरुओं को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी प्रदर्शन आयोजित करने वाले समूह फेथ इन मिनेसोटा ने दी। ग्रुप के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 डिपार्चर एरिया में सड़क ब्लॉक करने के बाद इन धार्मिक नेताओं को स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनकारी एयरलाइनों से, खासकर डेल्टा एयरलाइंस और सिग्नेचर एविएशन से मांग कर रहे थे कि वे मिनेसोटा में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के साथ सहयोग बंद करें। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, 7 जनवरी को प्रवासन कार्रवाई के दौरान आईसीई के एजेंट जोनाथन रॉस की गोली से 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक और मां रेनी गुड की मौत हो गई थी, जिससे तनाव बढ़ गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि इस गोलीबारी के बाद मिनियापोलिस इलाके में रोजाना विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

आयोजकों ने बताया कि हवाई अड्डे पर धर्मगुरुओं ने मिलकर प्रार्थना की और उन लोगों की कहानियां साझा कीं जिन्हें आईसीई ने हिरासत में लिया है। फेथ इन मिनेसोटा ने बताया कि इसी हवाई अड्डे से अब तक करीब 2,000 लोगों को देश से बाहर भेजा गया है। वहीं यूनियन सदस्यों का कहना है कि आईसीई ने हवाई अड्डे के 12 कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है।

यह प्रदर्शन हुए एक बड़े आंदोलन का हिस्सा था, जिसे 'आईसीई आउट ऑफ मिनेसोटाः ए डे ऑफ ट्रुथ एंड फ्रीडम' नाम दिया गया। इसके तहत राज्य भर में 700 से ज़्यादा कारोबार बंद रहे। आयोजकों ने लोगों से काम पर न जाने, खरीदारी न करने और स्कूल न भेजने की अपील की।

ट्रंप एक नया संयुक्त राष्ट्र बनाकर उस पर अकेले नियंत्रण चाहते हैं : ब्राजील के राष्ट्रपति लूला

एजेंसी

ब्रासीलिया । ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक नया संयुक्त राष्ट्र बनाना चाहते हैं और उस पर अकेले अपना नियंत्रण रखना चाहते हैं। लूला ने शुक्रवार को ब्राज़ील के बाहिया प्रांत में भूमिहीन ग्रामीण मजदूर आंदोलन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना चाहते हैं, जिसका मालिक सिर्फ वही हों। यह जानकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के माध्यम से सामने आई। लूला ने कहा कि दुनिया इस समय बहुत नाजुक राजनीतिक दौर से गुजर रही है, जिसमें बहुपक्षवाद को छोड़कर एकतरफावाद को अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ताकतवर की चल रही है और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर को कमजोर किया जा रहा है। ब्राजील के राष्ट्रपति ने

बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में उन्होंने कई देशों के नेताओं से बातचीत तेज की है। इनमें रूस, चीन, भारत, हंगरी और मैक्सिको जैसे देश शामिल हैं। उनका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को मजबूत करना है। लूला ने कहा कि वे एक ऐसी वैश्विक बैठक की संभावना तलाश रहे हैं, जिसमें सभी देश मिलकर बहुपक्षीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी देश की ताकत, हथियार या असहिष्णुता दुनिया पर हावी न हो। इससे पहले लूला ने ट्रंप पर सोशल मीडिया के जरिए दुनिया पर शासन करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल के एक नगर पालिका रियो ग्रांडे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में लूला ने कहा, 'क्या आपने देखा है कि ट्रंप ट्विटर के जरिए दुनिया पर राज करना चाहते हैं?' उन्होंने आगे कहा, 'वह हर दिन कुछ अलग कहते हैं। यह संभव नहीं है। और क्या आपको लगता है कि अगर हम लोगों की आंखों में आंखें डालकर बात न करें तो उनका सम्मान करना संभव है? उन्हें इंसान के बजाय वस्तु समझना?' लूला ने दक्षिणी ब्राजील में आवास योजना के तहत 1,276 घरों के हस्तांतरण समारोह में कहा कि समाज में मानवीय मूल्यों को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने की भी अपील की और प्राथमिक व माध्यमिक कक्षाओं में मोबाइल पर रोक लगाने की अपनी नीति का समर्थन किया।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में दुर्व्यवहार की आलोचना की

एजेंसी

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने एक बयान में अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन में बार-बार दुर्व्यवहार की कड़ी आलोचना की है। मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने प्रवासियों और शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार और अपमान को लेकर कहा कि मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान होना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए कई लोगों को समय पर कानूनी सलाह और अपनी हिरासत व निष्कासन के फैसलों का विरोध करने के प्रभावी साधन नहीं मिल पाते हैं। तुर्क ने अमेरिका से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उसकी प्रवासन नीतियां और प्रवर्तन कार्रवाई मानवीय गरिमा और उचित प्रक्रिया अधिकारों का सम्मान करे। उन्होंने अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की भी मांग की। बयान के अनुसार, पिछले साल कम से कम 30 ऐसी मौतें हुई थीं, जबकि इस साल अब तक छह और मौतें हुई हैं।

इसी साल 7 जनवरी को मिनियापोलिस में एक संघीय प्रवर्तन अभियान के दौरान एक आईसीई एजेंट ने 37 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को गोली मार दी। एक हफ्ते बाद उसी इलाके में एक और आईसीई एजेंट ने एक वेनेजुएला के अप्रवासी को गोली मार दी, जिसके कारण लोगों का आक्रोश देखने को मिला।

इसी बीच जानकारी आई कि अमेरिकी मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 पादरी सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

फेथ इन मिनेसोटा समूह के अनुसार, एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 परिसर क्षेत्र में सड़कों को अवरुद्ध करने के बाद स्थानीय पुलिस ने इन धार्मिक नेताओं को हिरासत में ले लिया। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनकारी एयरलाइंस, विशेष रूप से डेल्टा एयर लाइन्स और सिग्नेचर एविएशन से, मिनेसोटा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के अभियानों में सहयोग बंद करने का आह्वान कर रहे थे।

इजरायल की ईरान को विनाशकारी धमकी, ट्रंप के 'पीस बोर्ड' में पाकिस्तान की एंट्री पर भी अड़ाई टांग

एजेंसी

वाशिंगटन। इजरायली मंत्री ने ईरान को सात गुना शक्तिशाली हमले की धमकी दी है। उन्होंने गाजा शांति योजना के लिए डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में पाकिस्तान की भागीदारी का भी कड़ा विरोध किया। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजरायल ने

ईरान और उसके समर्थकों को अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी दी है। इजरायल के अर्थव्यवस्था मंत्री निर बरकात ने स्पष्ट किया है कि यदि ईरान ने दोबारा हमला करने की हिमाकत की तो इजरायल उसे सात गुना ज्यादा ताकत से जवाब देगा। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान एक विशेष साक्षात्कार में बरकात ने कहा कि हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने ईरान की सैन्य शक्ति के खोखलेपन को दुनिया के सामने उजागर कर दिया है।

अमेरिका में शीत तूफान का अलर्ट, हाई अलर्ट पर सरकार

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के कई हिस्सों में शीत तूफान तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह तूफान मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और दक्षिणी राज्यों के बड़े इलाकों को अपनी चपेट में लेने वाला है। मौसम विभाग और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी, बारिश और जमाने वाली ठंडी हवाएं लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। इस तूफान के कारण हवाई उड़ानों में रुकावट आ रही है और कई जगहों पर सड़कों पर सफर बेहद खतरनाक या लगभग असंभव हो सकता है। बर्फ और बारिश से बिजली की लाइनें टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का भी खतरा जताया गया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार हालात की जानकारी दी जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति पूरे दिन अपडेट ले रहे हैं और सभी विभागों के साथ लगातार संपर्क में हैं। ट्रंप प्रशासन मिलकर हालात पर नजर रखे हुए है और जरूरत के अनुसार कदम उठा रहा है।' होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह तूफान भारी बर्फ, खतरनाक बारिश और जानलेवा ठंडी हवाएं ला सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि मिडवेस्ट, ईस्ट कोस्ट और यहां तक कि दक्षिण के कुछ हिस्सों में भी बिजली गुल होने, सड़कें बंद होने और रोजमर्रा की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। सरकार ने हालात से

निपटने के लिए फेडरल एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा है। नोएम ने बताया कि फेमा (एफईएमए) राज्यों के साथ मिलकर तूफान की निगरानी कर रही है और तैयारी में जुटी है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बताया कि इंसिडेंट मैनेजमेंट टीमें पहले ही लुइसियाना, टेक्सास और वर्जीनिया भेजी जा चुकी हैं। इसके अलावा और टीमें भी तैयार हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर राज्यपालों के अनुरोध पर भेजा जाएगा। वहीं, 28 फेमा अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू टीमें भी तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। संभावित लंबे समय तक बिजली गुल रहने और सड़कों के बंद होने को देखते हुए फेमा ने दक्षिण और पूर्वी इलाकों में आपातकालीन सामान पहले से पहुंचा दिया है। इनमें 70 लाख से ज्यादा भोजन पैकेट, 20 लाख लीटर से अधिक पानी, 6 लाख से ज्यादा कंबल और 300 से अधिक जनरेटर शामिल हैं। इसके अलावा, केंटकी, लुइसियाना और टेक्सास में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विशेष स्टेजिंग साइट्स बनाई गई हैं, ताकि जरूरत पड़ते ही मदद तेजी से लोगों तक पहुंच सके।

डीएचएस ने लोगों से अपील की है कि वे लंबे समय तक होने वाली परेशानियों के लिए तैयार रहें और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करें। अधिकारियों ने चेताया कि बिजली गुल होने से हीटिंग सिस्टम, संचार और परिवहन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। लोगों को राज्य और स्थानीय आपातकालीन अलर्ट के लिए साइन अप करने और फेमा ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी गई है, ताकि उन्हें रियल टाइम अपडेट मिलते रहें। डीएचएस ने कहा, 'कभी भी जनरेटर को घर के अंदर न चलाएं और गैस स्टोव, केरोसीन या प्रोपेन हीटर या ओवन से घर गर्म करने की कोशिश न करें। इससे कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा हो सकता है।' यात्रा को लेकर भी खास चेतावनी दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि बेवजह यात्रा से बचें और अगर स्थानीय प्रशासन सड़क पर न निकलने की सलाह दे, तो उसका पालन करें।

इंडियन बैंक का तीसरी तिमाही में मुनाफा सात फीसदी बढ़कर 3,061 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्?त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 7.33 फीसदी बढ़कर 3,061 करोड़ रुपये रहा। इंडियन बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 2,852 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी में उसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 7.50 फीसदी बढ़कर 6,896 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 6,415 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 19,663 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 17,912 करोड़ रुपये थी। बैंक का प्रावधान और आकस्मिक खर्च चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में घटकर 857 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,059 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) सुधरकर 2.23 प्रतिशत पर आ गई, जो एक साल पहले 3.26 फीसदी थी।

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग के लिए एमएसडीई का डब्ल्यूईएफ से समझौता

नई दिल्ली। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग को गहरा करने के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से एमएसडीई विश्व आर्थिक मंच के साथ सहयोग करेगा, ताकि भारत में एक कौशल त्वरक (स्किल्स एक्सीलरेटर) लॉन्च और लागू किया जा सके। यह समझौता भारत के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों का समर्थन करेगा, जिससे कौशल पहलों और उद्योग तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकसित होती मांगों के बीच निकट संरेखण सुनिश्चित होगा। कौशल विकास एवं उद्यमिता के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य के भविष्य के साथ संरेखित करने का जो रणनीतिक दृष्टिकोण शुरू हुआ था, जो अब संरचित और वैश्विक रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक मंच के साथ साझेदारी में भारत कौशल त्वरक का औपचारिकीकरण एक भविष्य-तैयार, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

फिक्की के 'प्री-बजट सर्वे' में जीडीपी वृद्धि दर 7-8 फीसदी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। उद्योग मंडल भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के एक 'प्री-बजट सर्वे' में भारत की सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7-8 फीसदी रहने का अनुमान है। इस सर्वे में डिफेंस बजट को 30 फीसदी करने और ड्रोन रिसर्च के लिए 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन की सिफारिश की गई है। उद्योग मंडल फिक्की ने अपना 'प्री-बजट सर्वे 2026-27' जारी किया, जिसमें इंडस्ट्री की भावना को जाना गया और आने वाले केंद्रीय बजट से पहले प्रमुख पॉलिसी सुझावों की रूपरेखा तैयार की गई। फिक?की की ओर से जारी इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं को लेकर भरोसा जताया गया है। फिक्की के सर्वेक्षण में केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताएं उभरकर सामने आई हैं। इनमें रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे पर लगातार जोर और निर्यात को मजबूत समर्थन शामिल हैं। बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, रक्षा और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिए जाने की भी उम्मीद है। सर्वे में शामिल आधे उद्योग प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई है कि वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात से आठ फीसदी के दायरे में बनी रहेगी। 80 फीसदी प्रतिभागियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मध्यम अवधि के आर्थिक बुनियादी पहलुओं पर विश्वास जताया है। उद्योग जगत ने इस सर्वे में राजकोषीय सूझबूझ के महत्व को भी रेखांकित किया।

तीसरी तिमाही में इंडिगो का लाभ 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। कि देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीते का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्?त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एयरलाइन का मुनाफा 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की पिछले महीने व्यापक स्तर पर उड़ानें रद्द होने की वजह से यह घाटा माना जा रहा है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान उसका मुनाफा 78 फीसदी घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया। एयरलाइन को पिछले वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 2,448.8 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 22,992.8 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि दिसंबर महीने में ऑपरेशनल दिक्कतों के कारण उसके प्रॉफिट पर असर पड़ा, जिससे 577 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा से रेल और देश को बड़ा लाभ, 131 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व और भारी ईंधन की बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर संचालित 'ट्रक्स-ऑन-ट्रेन' सेवा ने आर्थिक, पर्यावरणीय और लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर उल्लेखनीय लाभ दिया है। रेल मंत्रालय के अनुसार इस सेवा से अब तक 131 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया है, जबकि सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने से ईंधन बचत और प्रदूषण में भी बड़ी कमी आई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक सेवा की शुरुआत से अब तक 1,955 से अधिक ट्रिप पूरी की जा चुकी हैं, जिनमें 10 लाख टन से अधिक माल की ढुलाई हुई है। केवल वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान ही 545 रेक के माध्यम से 3 लाख टन से अधिक माल ले जाया गया, जिससे 36.95 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। सबसे बड़ा लाभ पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के

न्यू पालनपुर-न्यू रेवाड़ी खंड पर देखने को मिला। इस 636 किलोमीटर लंबे मार्ग पर ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा रेल पर स्थानांतरित होने से लगभग 48,875 ट्रक राजमार्गों से हटे। इसके परिणामस्वरूप करीब 88.81 लाख लीटर डीजल की बचत हुई और लगभग 2.30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोका जा सका। रेल मंत्रालय ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से भी यह सेवा परिवहनकर्ताओं के लिए फायदेमंद साबित हुई है। लंबी दूरी के हाई-वे टोल से बचाव, कम ईंधन खर्च और तय समय में माल पहुंचने से लॉजिस्टिक्स लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। न्यू पालनपुर टर्मिनल से 273 रेक चलाकर 20.18 करोड़ रुपये और न्यू रेवाड़ी से 272 रेक के जरिए 16.76 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ, जिससे दोनों टर्मिनलों पर संतुलित और निरंतर कारोबार सुनिश्चित हुआ। पर्यावरणीय लाभों के साथ-साथ सामाजिक फायदे भी सामने आए हैं। ट्रकों की लंबी दूरी की यात्रा कम होने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी, चालक थकान में गिरावट और राजमार्गों पर यातायात दबाव कम हुआ है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण विद्युतीकरण के कारण यह सेवा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निर्बाध रही, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता बढ़ी है।

पीएसजीआईसी, नाबार्ड और आरबीआई के लिए वेतन और पेंशन रिवीजन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के लंबे समय से रुके वेतन संशोधन को मंजूरी दे दी है। साथ ही सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड के रिटायर कर्मचारियों के पेंशन संशोधन को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लगभग 46322 कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पीएसजीआईसी के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन 01 अगस्त, 2022 से लागू होगा। वेतन बिल में कुल 12.41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, जिसमें मौजूदा बेसिक पे और महंगाई भत्ते में 14 फीसदी की वृद्धि शामिल है। इस संशोधन से कुल 43,247 सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बदलाव में 01 अप्रैल 2010 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए एनपीएस योगदान को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने का भी प्रावधान है। वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पारिवारिक पेंशन को 30 फीसदी की समान दर पर संशोधित किया है, जिससे कुल 15,582 मौजूदा फैमिली पेंशनर्स में से 14,615 फैमिली पेंशनर्स को फायदा होगा। इस पर कुल खर्च 8,170.30 करोड़ रुपये होगा, जिसमें (वेतन रिवीजन के बकाया के लिए 5,822.68 करोड़ रुपये, एपीएस के लिए 250.15 करोड़ रुपये और फैमिली पेंशन के लिए 2,097.47 करोड़ रुपये) शामिल है।

सीड ग्रुप के साथ साझेदारी से इंविंसिबल ओसियन की यूएई में एंट्री, मोबिलिटी और क्लाउड समाधानों को मिलेगी नई गति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय डीपटेक कंपनी इंविंसिबल ओसियन ने यूएई के तकनीकी और डिजिटल सेवाओं के बाजार में अपने विस्तार की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सीड ग्रुप के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। सीड ग्रुप, शेख सईद बिन अहमद अल मकतूम के प्राइवेट ऑफिस से संबद्ध एक प्रमुख संस्था है। इस सहयोग के तहत इंविंसिबल ओसियन के एआई-पावर्ड डिजिटल आइडेंटिटी वेरिफिकेशन, फ्रॉड डिटेक्शन और सुरक्षित ऑनबोर्डिंग समाधानों को दुबई और पूरे यूएई में वित्तीय, बीमा और एंटरप्राइज क्षेत्रों में पेश किया जाएगा। यह साझेदारी डिजिटल ट्रस्ट, नियामकीय अनुपालन और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के साझा उद्देश्य को दर्शाती है। सीड ग्रुप की क्षेत्रीय विशेषज्ञता, दो दशकों से अधिक का बाजार अनुभव और यूएई के निर्णयकर्ताओं के साथ गहरे संस्थागत संबंध, इंविंसिबल ओसियन को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी तेज़ी से स्थापित करने में मदद करेंगे।

दिल्ली स्थित इंविंसिबल ओसियन एक एआई-संचालित टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो डिजिटल ऑनबोर्डिंग, फ्रॉड डिटेक्शन, वीडियो एनालिटिक्स और क्लाउड-नेटिव एआई प्लेटफॉर्म्स के जरिए एंटरप्राइज-ग्रेड समाधान उपलब्ध कराती है। इस साझेदारी पर सीड ग्रुप और द प्राइवेट ऑफिस ऑफ शेख सईद बिन अहमद अल मकतूम के सीईओ हिशाम अल गुरग ने कहा,

'डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के विस्तार के साथ स्केलेबल और इंटेलिजेंट वेरिफिकेशन फ्रेमवर्क की मांग लगातार बढ़ रही है। इंविंसिबल ओसियन का एआई-आधारित दृष्टिकोण क्षेत्रीय नियामकीय अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह साझेदारी उन व्यवसायों के लिए व्यावहारिक मूल्य लाएगी जो तेज़ ऑनबोर्डिंग, कम फ्रॉड जोखिम और उच्च परिचालन दक्षता चाहते हैं।' इंविंसिबल ओसियन के संस्थापक एवं सीईओ अजय सेतिया ने कहा, 'यूएई में प्रवेश के लिए सीड ग्रुप के साथ साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान की बात है। किसी भी बाजार में सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि स्थानीय नियमों, व्यवसायिक संस्कृति और जरूरतों को समझना भी उतना ही ज़रूरी होता है। यह सहयोग हमें मिडिल ईस्ट के लिए भविष्य-तैयार समाधान बनाने में मदद करेगा।'

यह साझेदारी यूएई के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने और दुबई को सुरक्षित फिनटेक व डिजिटल सेवाओं के वैश्विक केंद्र के रूप में मजबूत करने में सहायक होगी। यह पहल एमईएनए क्षेत्र में रेगुलेटरी टेक्नोलॉजी को अपनाने, डेटा सुरक्षा सुधारने और डिजिटल व्यापार को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है।

मप्र और डीपी वर्ल्ड के बीच हुआ एमओयू, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश सहयोग के लिए बनी सहमति

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान देर रात स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में मध?य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मप्र और वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन क्षेत्र की संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में स्थित अग्रणी कंपनी डीपी वर्ल्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। इस मौके पर मध्य प्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई और डीपी वर्ल्ड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा वित्त एवं व्यवसाय विकास अधिकारी अनिल मोहता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डीपी वर्ल्ड समूह अध्यक्ष सुल्तान अहमद बिन सुलायेम उपस्थित रहे। इस एमओयू के माध्यम से औद्योगिक विकास और निवेश सहयोग से जुड़े विषयों पर सहमति बनी, जो राज्य में लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। एमओयू में डीपी वर्ल्ड द्वारा मध्य प्रदेश में निवेश नीतियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। एमओयू के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और

सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। यह पहल राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य की औद्योगिक औपचारिक रूप से समझौता दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

ट्राई ने की दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और आजमगढ़-मऊ में मोबाइल नेटवर्क की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने साल 2025 के दिसंबर महीने में दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश के आजमगढ़मऊ में किए गए मोबाइल नेटवर्कों की जांच के नतीजे जारी किए। इन परीक्षणों में आम परिस्थितियों में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता और इंटरनेट सेवाओं का आकलन किया गया।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार रिलायंस जियो ने लगभग सभी जगहों पर सबसे तेज इंटरनेट और बेहतर कॉल क्वालिटी दी। एयरटेल भी अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि वोडाफोन आइडिया कई जगहों पर अच्छा और कई जगहों पर पीछे रहा। बीएसएनएल और एमटीएनएल का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन किया।

दिल्ली (15-18 दिसंबर 2025)-

दिल्ली में कुल 347.4 किलोमीटर का ड्राइव टेस्ट किया गया, 12 प्रमुख हॉटस्पॉट स्थानों पर नेटवर्क की स्थिति देखी गई और 7.8 किलोमीटर का वॉक टेस्ट भी किया गया। कॉल सेटअप सफलता दरः

एयरटेल 100.00 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 99.64 फीसदी, जियो 98.36 फीसदी, एमटीएनएल 95.23 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः वोडाफोन आइडिया 0.00 फीसदी, एयरटेल 0.12 फीसदी, जियो 0.36 फीसदी, एमटीएनएल 6.60 फीसदी।

औसत डाउनलोड स्पीडः जियो 265.51 एमबीपीएस, एयरटेल 168.92 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया 34.35 एमबीपीएस, एमटीएनएल 4.40 एमबीपीएस।

जम्मू-कश्मीर (8-11 दिसंबर 2025)-

जम्मू-कश्मीर के कटरा और उधमपुर शहरों के साथ-साथ दिल्ली से कटरा तक के रेलवे मार्ग पर कुल 654 किलोमीटर का परीक्षण किया गया।

कॉल सेटअप सफलता दरः जियो 98.39 फीसदी, एयरटेल 97.28 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 93.11 फीसदी, बीएसएनएल 82.65 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः जियो 2.45 फीसदी, एयरटेल 3.46 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 2.69 फीसदी, बीएसएनएल 11.36 फीसदी।

औसत डाउनलोड स्पीडः जियो 216.24 एमबीपीएस, एयरटेल 114.63 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया 17.00 एमबीपीएस, बीएसएनएल 4.70 एमबीपीएस।

आजमगढ़मऊ (2-5 दिसंबर 2025)-

आजमगढ़ और मऊ में 2 से 5 दिसंबर 2025 के बीच नेटवर्क की जांच की गई। इस दौरान कुल 288.2 किलोमीटर का ड्राइव टेस्ट किया गया और 4.3 किलोमीटर पैदल चलकर वॉक टेस्ट भी किया गया।

कॉल सेटअप सफलता दरः वोडाफोन आइडिया 99.84 फीसदी, जियो 99.68 फीसदी, एयरटेल 99.51 फीसदी, बीएसएनएल 89.24 फीसदी।

कॉल ड्रॉप दरः वोडाफोन आइडिया 0.00 फीसदी, एयरटेल और जियो 0.16 फीसदी, बीएसएनएल 3.38 फीसदी।

खराब सिग्नल दर (डेटा): बीएसएनएल 32.67 फीसदी, एयरटेल 7.29 फीसदी, जियो 8.04 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 9.29 फीसदी।

सीतारमण ने डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट से पहले नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में पर लिखा, ''लोकसभा के सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।'' आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक एफसीवी तंबाकू किसान महासंघ की ओर से जारी एक बयान के अनुसार सांसद डी. पुरंदेश्वरी ने वित्त मंत्री से कहा कि कराधान में अचानक वृद्धि से 'फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया' (एफसीवी) तंबाकू की खेती पर निर्भर लाखों किसान परिवारों के लिए संकट पैदा हो सकता है और विनियमित विपणन तंत्र बाधित हो सकता है। पुरंदेश्वरी ने सीतारमण से मुलाकात के दौरान चिंता व्यक्त की कि करों में भारी वृद्धि से वैध व्यापार में गिरावट आ सकती है। अवैध व्यापार का विस्तार हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को राजस्व का

नुकसान होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसानों ने वित्त मंत्री को सूचित किया कि उनकी फसल तैयार है और अगले महीने नीलामी शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि करों में बढ़ोतरी से घरेलू खपत कम हो सकती है, जिससे कीमतों में गिरावट आने और बिना बिके भंडार का अंबार लगने की स्थिति पैदा हो सकती है।

अमेजन अगले हफ्ते बड़ी संख्या में कर्मचारियों की कर सकता है छंटनी : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन अगले हफ्ते 30,000 कर्मचारियों की छंटनी के दूसरे दौर को शुरू कर सकती है। इसकी वजह आर्टिफिशियल टेंइलिजेंस (एआई) का उपयोग बढ़ना है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। नए दौर की छंटनी में सबसे ज्यादा अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), एचआर, अमेजन प्राइम वीडियो और रिटेल सेगमेंट में काम करने वाले कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। इससे पहले अक्टूबर में अमेजन ने 14,000 व्हाइट कॉलर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जो कि उसके 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना का हिस्सा था।

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दूसरे दौर की छंटनी में भी कुछ इतनी ही संख्या में कर्मचारियों को निकाला जा सकता

है। कंपनी ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ई-कॉमर्स क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी ने एक आंतरिक पत्र में अक्टूबर में हुई छंटनी को एआई सॉफ्टवेयर के बढ़ते उपयोग से जोड़ा था। पत्र के अनुसार, 'एआई की यह पीढ़ी इंटरनेट के बाद सबसे क्रांतिकारी तकनीक है, और यह कंपनियों को पहले से कहीं अधिक तेजी से इनोवेशन करने में सक्षम बना रही है।' हालांकि, बाद में, अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने कंपनी की तीसरी तिमाही की आय घोषणा के दौरान विश्लेषकों को बताया कि यह कटौती 'वास्तव में वित्तीय कारणों से' या 'एआई-प्रेरित' नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह कल्चर का मामला है,' जिसका अर्थ था कि कंपनी में बहुत अधिक नौकरशाही थी। उन्होंने कहा, 'आपके पास पहले की तुलना में कहीं अधिक लोग हो जाते हैं, और आपके पास कई और लेयर्स बन जाती हैं।' हालांकि, 30,000 कर्मचारियों की छंटनी अमेजन के तीन दशक के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी, इससे पहले 2022 में 27,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई थी, लेकिन यह अमेजन के 15 लाख कर्मचारियों का एक छोटा सा हिस्सा ही होगा। रिपोर्टों के अनुसार, प्रभावित कर्मचारी 90 दिनों तक कंपनी के वेतनमान में बने रह सकते हैं, इस दौरान वे आंतरिक रूप से नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं या अन्य रोजगार तलाश सकते हैं। इस सप्ताह दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में तकनीकी कंपनियों के प्रमुख व्यापार अधिकारियों ने कहा कि एआई मानव द्वारा की जाने वाली नौकरियों की जगह नहीं लेगी, हालांकि, कार्यों को स्वचालित करके काम करने के तरीके को बदल सकती है।

डाक विभाग का चालू वित्त वर्ष में 30 फीसदी राजस्व वृद्धि का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व में 30 फीसदी वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। विभाग का लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये का है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये की तुलना में एक ही वर्ष में 30 फीसदी अधिक है।

सिंधिया ने यहां डाक विभाग की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) समीक्षा बैठक के बाद कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों में राजस्व वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा। उन्होंने कहा कि 2023-24 में विभाग का राजस्व 12,800 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 13,240 करोड़ रुपये हुआ। यह मात्र तीन फीसदी की वृद्धि थी। अब

विभाग ने इसे दस गुना बढ़ाकर 30 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल डाक विभाग सरकार के लिए व्यय केंद्र है, लेकिन अगले चार से पांच वर्षों में इसे लाभ केंद्र बनाने का लक्ष्य है। पिछले वित्त वर्ष की तीन तिमाहियों में विभाग का कुल राजस्व 9,300 करोड़ रुपये था, जबकि इस वर्ष तीन तिमाहियों में यह बढ़कर 10,200 करोड़ रुपये हो गया है। यह नौ फीसदी की सकारात्मक वृद्धि है। डाक व्यवसाय में चौथी तिमाही में राजस्व का बड़ा हिस्सा आता है। पिछले वर्ष तीन तिमाहियों में 9,300 करोड़ रुपये का राजस्व था, लेकिन पूरे वर्ष का कुल 13,240 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह इस वर्ष भी चौथी तिमाही में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। सिंधिया ने कहा कि डाक पत्र सेवा का राजस्व लगभग स्थिर रहा है और 1,625 करोड़ रुपये पर बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय डाक पत्र सेवा में अमेरिकी बाजार से जुड़ी कठिनाइयों के कारण वृद्धि सीमित रही है। वहीं, एक अन्य में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। नागरिक केंद्रित सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

देश का पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क 5 लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क 5 लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक हो गया। विश्व के सबसे बड़े सिंक्रोनस राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की, जब राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी के लिए भादला द्वितीय से सीकर द्वितीय सबस्टेशन तक 765 केवी की 628 सी.के.एम लंबी ट्रांसमिशन लाइन चालू की गई। इस ट्रांसमिशन लाइन के चालू होने से भादला, रामगढ़ और फतेहगढ़ सौर ऊर्जा परिसर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 1100 मेगावाट बिजली की निकासी संभव हो सकेगी। विद्युत मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल, 2014 से देश के पारेषण नेटवर्क में 2.09 लाख सीकेएम (220 केवी और उससे ऊपर) पारेषण लाइनों के जुड़ने से 71.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे (220 केवी और उससे ऊपर) रूपांतरण क्षमता में 876 जीवीए की वृद्धि हुई है। अंतर-क्षेत्रीय विद्युत हस्तांतरण क्षमता, जो अब 1,20,340 मेगावाट है, ने क्षेत्रों के बीच बिजली के निर्बाध हस्तांतरण को सक्षम बनाया है, जिससे एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक आवृत्ति की परिकल्पना सफलतापूर्वक साकार हुई है। मंत्रालय के मुताबिक वर्तमान में कार्यान्वित हो रही अंतरराज्यीय पारेषण परियोजनाओं से लगभग 40 हजार सीकेएम ट्रांसमिशन लाइनें और 399 जीवीए की रूपांतरण क्षमता जुड़ जाएगी।

दावोस में नजर आया मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति का सकारात्मक प्रभावः मोहन यादव

एजेंसी

दावोस। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्विटजरलैंड के दावोस में कहा कि प्रदेश में पिछले दो वर्ष में जितनी तीव्र गति से औद्योगिक विकास हुआ है, उसका सकारात्मक प्रभाव दावोस में दिखाई दिया है। दावोस में विभिन्न क्षेत्रों के बड़े उद्योगपतियों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें और चर्चा हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में विभिन्न इंटरशेनल कम्पनियों के साथ हुई बैठकों के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में भारत का सबसे बड़ा दल पहुंचा है। आज भारत सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है और बहुत जल्द चौथी सबसे सशक्त आर्थिक ताकत से एक से डेढ़ वर्ष में विश्व में तीसरा स्थान हासिल कर लेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलाव के इस दौर में मध्य प्रदेश में सोलर एनर्जी, आईटी, टूरिज्म सहित सभी सेक्टर्स में विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश सरकार के प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। मध्य प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का पावर हब बन चुका है। प्रदेश में पंप स्टोरेज, सोलर एनर्जी और विंड एनर्जी उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। ओंकारेश्वर में बांध के पानी पर सोलर प्लेट बिछाकर बिजली उत्पादन किया जा रहा है। राज्य में 32 लाख किसानों को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पंप बांटे जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित सबसे सस्ती बिजली मध्य प्रदेश उपलब्ध करवा रहा है। प्रदेश के इस मॉडल को समझने और अध्ययन करने के लिए लोग काफी उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस

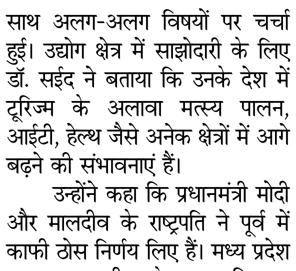

इकोनॉमिक फोरम में मालदीव के मंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद सईद के साथ अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई। उद्योग क्षेत्र में साझेदारी के लिए डॉ. सईद ने बताया कि उनके देश में टूरिज्म के अलावा मत्स्य पालन, आईटी, हेल्थ जैसे अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति ने पूर्व में काफी ठोस निर्णय लिए हैं। मध्य प्रदेश सरकार मालदीव के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में वे स्वयं मालदीव की यात्रा करेंगे और वहां विकास के लिए परस्पर साझेदारी की संभावनाओं को तलाशेंगे। मालदीव भी भारत के साथ मिलकर आगे बढ़ने में रुचि रखता है। मालदीव के स्थानीय लोगों और वहां रहने वाले भारतवंशियों के परस्पर बेहतर सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में एग्रीकल्चर पॉल्ट्री के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। भविष्य में इस दिशा में भी अन्य राज्यों के साथ व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। मध्य प्रदेश के पास पर्याप्त लैंड बैंक है, पर्याप्त बिजली है। ट्रांसपोर्टेशन के मामले में भी हमारा राज्य, भारत के मध्य में स्थित होने के कारण अनुकूल है। अब कई क्षेत्रों के निवेशक मध्य प्रदेश का रुख कर रहे हैं। उद्योग एवं व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए एमओयू हस्ताक्षरित हुआ है। मध्य प्रदेश सबसे तेज गति से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य बना है। देश के 3 प्रमुख राज्यों ने औद्योगिक गति को बढ़ाया है, उनमें मध्य प्रदेश सबसे युवा राज्य है। बीते 2 वर्ष में राज्य सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में बेरोजगारी दर एक प्रतिशत के आसपास आ गई है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए हो रहे प्रयासों के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं।

संक्षिप्त

आर्मी रोइंग नोड को विश्व रोइंग का 'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' का पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे के कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग में स्थित आर्मी रोइंग नोड ने इस खेल के विकास में अपनी अहम भूमिका के लिए विश्व रोइंग का 'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' पुरस्कार हासिल किया है। उसने इस पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ा। आर्मी रोइंग नोड (एआरएन) की स्थापना 2001 में हुई थी। यह भारत का एकमात्र मानव निर्मित अंतरराष्ट्रीय मानक का 2,200 मीटर गुणा 135 मीटर का रोइंग चैनल है और इसमें 60 से 90 रोअर प्रशिक्षण लेते हैं। वर्ष 2024 में स्थापित विश्व रोइंग पुरस्कार शनिवार को लुसाने स्थित ओलंपिक संग्रहालय में एआरएन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आर रामकृष्णन को प्रदान किया गया। एआरएन भारतीय सेना के मिशन ओलंपिक विंग (एमओडब्ल्यू) का एक हिस्सा है, जिसे ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के पदक जीतने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रशिक्षण महानिदेशालय की देखरेख में 2001 में शुरू किया गया था।

गौतम गंभीर ने मां कामाख्या धाम में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर रविवार सुबह गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध मां कामाख्या धाम पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया। नीलांचल पहाड़ स्थित इस शक्तिपीठ में गौतम गंभीर को पूजा-अर्चना करते देखा गया। यह दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले हुआ। शनिवार को दोनों टीमें गुवाहाटी पहुंच चुकी हैं। भारतीय टीम शनिवार शाम करीब 5 बजे लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची, जबकि न्यूजीलैंड की टीम इससे पहले ही शहर पहुंच गई थी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आज शाम 7 बजे से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पामेला कोटी भारतीय अंडर 17 महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पामेला कोटी को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की मुख्य कोच नियुक्त किया है। एआईएफएफ ने रविवार को बताया कि 43 वर्षीय इटली की पूर्व खिलाड़ी पामेला कोटी आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में तैयार हो रही युवा महिला टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हो गई हैं, जहां टीम अप्रैल में चीन में शुरू होने वाले एएफसी अंडर 17 महिला एशियाई कप 2026 की तैयारी कर रही है। कोटी के सहयोगी दल के हिस्से के तौर पर, उनके भाई विंसेंजो कोटी भी सहायक कोच के रूप भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ेंगे। निवेथा रामदास सहायक कोच के रूप में अपना काम जारी रखेंगी।

पाकिस्तान ने टी-20 विश्व कप के लिए टीम घोषित की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए पाकिस्तान ने अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी सलमान अली आगा करेंगे। पाकिस्तान टीम की घोषणा रविवार सुबह लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद, कप्तान सलमान अली आगा और सफेद गेंद क्रिकेट के हेड कोच माइकल हेसन ने की। टीम में कप्तान सलमान अली आगा समेत फहीम अशरफ, ख्वाजा नफे, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साहिबजादा फरहान और उस्मान तारिक को पहली बार किसी बड़े आईसीसी इवेंट के लिए चुना गया है।

गुवाहाटी में अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव का तूफान

भारत ने 10 ओवर में जीत लिया मुकाबला

टी-20 सीरीज

- **इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की**

अभिषेक ने 14 गेंदों पर लगाया अर्धशतक

अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों पर अर्धशतक लगाया दिया है। इस दौरान वह 5 चौके और 4 छक्के लगाए। यह उनके टी20 इंटरनेशनल की 8वीं फिफ्टी है। वह टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उनके पहले युवराज सिंह ने 12 गेंदों पर फिफ्टी लगाई थी।

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय गेंदबाजों ने गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में अनुशासित और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को पूरी तरह जकड़ लिया। करीब एक साल बाद टीम में लौटे रवि बिश्नोई की शानदार वापसी और जसप्रीत बुमराह व हार्दिक पांड्या की सधी हुई गेंदबाजी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में 9 विकेट पर सिर्फ 153 रन पर रोक दिया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव (57) और अभिषेक शर्मा (68) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने 10 ओवर में 2 विकेट खोकर ही इस टारगेट को चेज कर लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। यह भारत की लगातार 9वीं सीरीज जीत है।

154 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम की खराब शुरुआत हुई। फॉर्म की तलाश कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मैट हेनरी ने पहली ही गेंद पर बोल्ड किया। हालांकि, 3 नंबर पर आए ईशान किशन ने पिछले मैच की फॉर्म को ही जारी रखा। उन्होंने आते ही ताबड़तोड़ बाउंड्री लगाना शुरू किया और भारतीय टीम पर प्रेशर नहीं आने दिया। उन्हें देखकर पिछले मैच में फेल हुए अभिषेक शर्मा ने भी हवाई फायर शुरू कर दिए।

ईशान और अभिषेक ने दूसरे विकेट के लिए 19 गेंदों पर 53 रन जोड़े। ईशान की पारी पर ईश सोढ़ी ने ब्रेक लगाया। चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर ईशान की पारी ने मार्क चैपमैन की गोद में दम तोड़ा। ईशान ने 215.38 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 13 गेंदों पर 28 रन जड़ दिए। अपनी इस पारी में भारतीय बैटर ने 3 चौके और 2 छक्के लगाए।

ईशान के जाने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव मैदान पर आए। उन्होंने भी पिछले मैच में मिली लय को बरकरार रखा। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 94 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उनके पहले युवराज सिंह ने इस प्रारूप में 12 गेंदों पर फिफ्टी लगाई थी।

फिफ्टी लगाने के बाद अभिषेक और खतरनाक हो गए। उनके सामने कीवी गेंदबाज बेबस नजर आए। धीरे-धीरे सूर्यकुमार यादव भी अपने खाते में कुछ रन जोड़ते रहे। इस बीच उन्होंने कुछ अच्छे शॉट भी लगाए और 25 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की।

इससे पहले टॉस जीतकर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और भारतीय गेंदबाजों ने इस निर्णय को पूरी तरह सही साबित किया। पावरप्ले के भीतर ही न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई, जब भारत ने शुरुआती छह ओवरों में तीन विकेट झटक कर मेहमान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

हार्दिक ने पहले ही ओवर में बेहतरीन फील्डिंग का नमूना पेश करते हुए पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच लपककर डेवोन कान्वे को सिर्फ एक रन पर पवेलियन भेजा। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की शुरुआत को झटका दिया। हार्दिक ने इसके बाद अपने अगले ओवर में रचिन रवींद्र को भी सस्ते में आउट कर दिया। शॉर्ट गेंद पर रचिन का शाट पूरी तरह टाइम नहीं हो पाया और डीप स्क्वेयर लेग पर तैनात रवि बिश्नोई ने आसान कैच पकड़ लिया।

दूसरे छोर से जसप्रीत बुमराह ने भी आते ही अपना असर दिखाया। रायपुर में खेले गए पिछले मुकाबले में आराम के बाद लौटे बुमराह ने अपनी पहली ही स्पेल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बांध कर रखा। उन्होंने टिम साइफर्ट को अंदर आती फुल गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। बुमराह की सटीक लाइन और लेंथ के सामने कीवी बल्लेबाज सहज नजर नहीं आए और रन गति बढ़ाने में नाकाम रहे।

मध्य ओवरों में रवि बिश्नोई ने मैच पर भारत की पकड़ और मजबूत कर दी। वरुण चक्रवर्ती की जगह टीम में शामिल किए गए बिश्नोई ने मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए बीच के ओवरों में लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने गेंद को दोनों तरफ घुमाया और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। बिश्नोई की गेंदबाजी में विविधता और नियंत्रण साफ दिखाई दिया।

ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड की ओर से सबसे खतरनाक बल्लेबाज के रूप में उभरे और उन्होंने अर्धशतक की ओर कदम बढ़ाए, लेकिन बिश्नोई ने उन्हें 48 रन पर आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

मार्क चैपमैन ने जरूर 23 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेलते हुए कुछ देर के लिए पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने फिलिप्स के साथ 52 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया। हालांकि यह साझेदारी भी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। बिश्नोई की सटीक गेंद पर चैपमैन विकेट के पीछे संजू सैमसन को कैच दे बैठे।

दूसरे छोर से कुलदीप यादव का दिन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। पहले ओवर में सिर्फ तीन रन देने के बाद उन्होंने दूसरे ओवर में जरूरत से ज्यादा प्रयोग किया और 19 रन लुटा बैठे।

बांग्लादेश का समर्थन करने पर पाकिस्तान से नाराज आईसीसी

टी20 विश्व कप

- **आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को एंट्री दे दी है।**

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी के बीच जारी तनातनी में पाकिस्तान की एंट्री उसके लिए नुकसानदायक हो सकती है। पाकिस्तान ने आईसीसी के साथ जारी विवाद में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का समर्थन किया है। इससे आईसीसी नाराज है और पाकिस्तान के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप के अपने मैच भारत में खेलने से मना कर दिया था और विश्व कप से अपना नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को एंट्री दे दी है। इस बीच बांग्लादेश को पाकिस्तान का समर्थन मिलने के बाद यह विवाद और गहरा गया है। बताया जा रहा है कि अगर यह मामला सुलझता नहीं है तो पाकिस्तान अपने टूर्नामेंट में भाग लेने के फैसले की समीक्षा कर सकता है।

आईसीसी द्वारा आधिकारिक रूप से बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार लेगी।

मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेश के साथ अन्याय हुआ है। एक देश को जब चाहे फैसले लेने की छूट है, जबकि दूसरे देशों के लिए नियम अलग हैं। बांग्लादेश एक बड़ा स्टेकहोल्डर है और उसके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए।

नकवी ने यह भी सवाल उठाया कि जब आईसीसी ने पाकिस्तान और भारत के लिए वेन्यू बदलने जैसे फैसले लिए थे, तो बांग्लादेश के मामले में वही नीति क्यों नहीं अपनाई गई। पीसीबी सीधे आईसीसी के अधीन नहीं है, बल्कि पाकिस्तान सरकार के प्रति जवाबदेह है। प्रधानमंत्री अभी पाकिस्तान से बाहर हैं। उनके लौटने के बाद सरकार इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेगी और बोर्ड उन्हीं के निर्देशों का पालन करेगा।

नकवी के इस बयान को आईसीसी ने नकारात्मक रूप से लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी के बयान के बाद आईसीसी पाकिस्तान पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है, जिनमें एशिया कप से संभावित बैन भी शामिल है। अगर पाकिस्तान टी20 विश्व कप से हटने का फैसला करता है, तो आईसीसी सभी द्विपक्षीय सीरीज को सस्पेंड कर सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में अल्काराज और सबालेंका

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे अल्काराज ने टॉमी पॉल पर 7-6 (6), 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कनाडा की नंबर 17 विक्टोरिया एमबोको को 6-1, 7-6 (1) से हराया।

अल्काराज ने अपने खेल में कुछ बदलाव किये जो इस मैच में कारगर साबित हुए। उन्होंने कोई डबल-फॉल्ट नहीं किया, अपनी पहली सर्विस को 70 प्रतिशत सही जगह पर पहुंचाया और उनमें से 79 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर भी 68 प्रतिशत अंक जीते।

अल्काराज ने मैच के बाद कहा, ''यह कड़ा मैच था और सीधे सेटों में जीत हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। सच कहूं तो मेलबर्न पार्क में खेले गए अपने पहले चार मैचों में मैंने जो सर्विस की है, उससे मैं खुद काफी प्रभावित हूं।''

अल्काराज अपने टेनिस करियर में अभी तक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में ट्रॉफी नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट में वह कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। अंतिम आठ में उनका मुकाबला स्थानीय पसंदीदा खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर या नंबर 10 एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा।

इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पिछले चार वर्षों में तीसरा खिताब जीतने की कवायद में लगी सबालेंका ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी को केवल 31 मिनट में हरा दिया।

सबालेंका दूसरे सेट में उतनी हावी नहीं रहीं और उन्होंने कुछ बेजा गलतियां कीं। इस सेट में एमबोको ने अच्छा खेल दिखाया।

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी 27 वर्षीय सबालेंका ने युवा एमबोको के बारे में कहा, ''वह इतनी कम उम्र में एक अद्भुत खिलाड़ी है। टूर पर इन युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ते देखना अविश्वसनीय है। उसने मेरे सामने कड़ी चुनौती पेश की। मुझे खुशी है कि मैं मैच जीतने में सफल रही।

सबालेंका ने दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन 5-4 की बढ़त के बावजूद तीन मैच प्वाइंट गंवा दिए। एमबोको ने धीरे-धीरे लय वापस हासिल कर ली और मैच को टाईब्रेकर तक ले गईं, लेकिन सबालेंका ने अंत में दबदबा कायम कर लिया। सबालेंका की टाईब्रेक में यह लगातार 20वीं जीत थी।

सबालेंका ने 2023 और 2024 में यह ग्रैंड स्लैम जीता था और पिछले साल मैडिसन कीज के खिलाफ उपविजेता रही थीं। बेलारूस की इस खिलाड़ी ने अमेरिकी ओपन में भी दो खिताब भी जीते हैं।

मुंबई इंडियंस पर आरसीबी का पलड़ा भारी

आरसीबी की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है

डब्ल्यूपीएल

- **मुंबई इंडियंस को अगर प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे जल्द से जल्द वापसी करनी पड़ेगी**

वडोदरा, एजेंसी। लगातार पांच मैच में जीत हासिल करने के बाद पिछले मैच में हार झेलने के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम सोमवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी।

आरसीबी को शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में इस सत्र की पहली हार का सामना करना पड़ा था। इससे उसका विजय अभियान थम गया जिससे इस बात का पता चलता है कि टूर्नामेंट के लीग चरण के आखिर में परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

इस हार के बावजूद आरसीबी की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। उसने अभी तक प्रत्येक विभाग में निरंतरता दिखाई है और वह पिछली पराजय को भूलकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

दूसरी ओर मुंबई इंडियंस को अगर प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे जल्द से जल्द वापसी करनी पड़ेगी। मौजूदा चैंपियन टीम लगातार तीन मैच हार चुकी है, जिससे उसका अभियान रुक गया है और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें खतरे में पड़ गई हैं।

लीग में शीर्ष पर चल रही टीम के खिलाफ जीत से न केवल उसका अभियान पटरी पर लौटेगा बल्कि इससे उसका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। मुंबई के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है।

यहां मुकाबला दो ऐसी टीमों के बीच है जिनकी स्थिति इस समय बिल्कुल अलग है। एक टीम अपना दबदबा फिर से कायम करना चाहती है, जबकि दूसरी टीम मुकाबले में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसे में यह मैच बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

हाल के मैचों में वडोदरा की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हुई है, जिससे समझदारी से शॉट का चयन करना बेहद जरूरी हो गया है। लीग के निर्णायक दौर में पहुंचने के साथ ही सोमवार का मुकाबला अंतिम रैंकिंग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

आरसीबी के लिए कप्तान स्मृति मंधाना ने शीर्ष क्रम में रन बनाकर आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया है, जबकि नादिन डी क्लर्क टीम की भरोसेमंद ऑलराउंडर रही हैं।

आरसीबी को अपने मध्य क्रम से और अधिक उम्मीदें होंगी, जिसमें ऋचा घोष और राधा यादव को अच्छी शुरुआत को मैच जिताने वाली पारियों में बदलने की जरूरत होगी।

मुंबई इंडियंस ने नैट साइवर-ब्रंट पर काफी हद तक भरोसा जताया है, जो बल्ले और गेंद दोनों से ही बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रही हैं। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी कुछ छोटी लेकिन प्रभावशाली पारियां खेली हैं। अमेलिया केर ने भी अहम समय पर विकेट लेकर मुंबई इंडियंस को मुकाबले में बनाए रखा है।

मुंबई को हालांकि अपने शीर्ष क्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा उसके गेंदबाज विशेष रूप से डेथ ओवरों में अभी तक बहुत अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाए हैं। मुंबई को जल्द से जल्द इन कमियों को दूर करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, लॉरेन बेल, लिन्से स्मिथ, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, ग्रेस हैरिस, गौतमी नाइक, प्रत्योषा कुमार, डी हेमलता, सयाली सतघरे।

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), नैट साइवर-ब्रंट, हेली मैथ्यूज, अमनजोत कौर, जी कमलिनी, अमेलिया केर, शबनीम इस्माइल, संस्कृति गुप्ता, सजना सजीवन, राहिला फिरदौस, निकोला कैरी, पूनम खेमनार, त्रिवेणी वशिष्ठ, नल्ला रेड्डी, सैका इशाक, मिल्ली इलिंगवर्थ।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

'धन्यवाद' | विश्व कप में अचानक खेलने का मौका मिलने पर स्कॉटलैंड क्रिकेट में उत्साह का माहौल

विश्व कप में खेलने का मौका मिलने पर 'आईसीसी' का क्रिकेट स्कॉटलैंड ने जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश आधिकारिक रूप से बाहर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश की जगह टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को शामिल किया है। विश्व कप में अचानक खेलने का मौका मिलने पर स्कॉटलैंड क्रिकेट में उत्साह का माहौल है। क्रिकेट स्कॉटलैंड ने विश्व कप में खेलने का मौका देने के लिए आईसीसी को धन्यवाद दिया है।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के सीईओ ट्रुडी लिंडब्लेड ने कहा, ''मुझे आईसीसी का एक पत्र मिला जिसमें पूछा गया था कि क्या हमारी पुरुष टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, और हमने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। क्रिकेट स्कॉटलैंड के अध्यक्ष विल्फ वॉल्श ने कहा कि आज सुबह मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का फोन आया, जिसमें उन्होंने कन्फर्म किया गया कि स्कॉटलैंड को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने का प्रस्ताव मिलेगा। मुझे अपनी टीम की ओर से इसे स्वीकार करके खुशी हुई, जो जाने के लिए तैयार है। हम इस मौके के लिए आईसीसी का धन्यवाद देते हैं। हम इस प्रस्ताव के लिए आईसीसी के आभारी हैं।

उन्होंने कहा, ''यह स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों के लिए लाखों समर्थकों के सामने वैश्विक मंच पर खेलने और मुकाबला करने का एक सुनहरा मौका है। हमें यह मौका मुश्किल और अनोखी परिस्थितियों के कारण मिला है। हमारे खिलाड़ी टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। स्कॉटलैंड की टीम जल्द ही भारत पहुंचने की तैयारी कर रही है ताकि वहां के माहौल में ढल सके और विश्व कप में अपना योगदान दे सके।'' स्कॉटलैंड को विश्व कप में बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही लगातार हिंसा के बाद भारत में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर करने की मांग उठी। रहमान को नीलामी में केकेआर ने 9.2 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। विरोध के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का आदेश दिया और केकेआर ने इस निर्देश का पालन किया।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों से अपने क्रिकेटरों को टी20 विश्व कप के मैचों के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश ने अपना ग्रुप भी बदलने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश की मांग नहीं मानी और उन्हें भारत में जाकर विश्व कप खेलने का आदेश दिया और खिलाड़ियों की सुरक्षा का भरोसा दिया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी का आदेश नहीं माना और अपनी सरकार की सलाह पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया। यह बांग्लादेश का टी20 विश्व कप का आधिकारिक बहिष्कार था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के विश्व कप खेलने के लिए भारत न आने के फैसले के बाद आईसीसी ने स्कॉटलैंड को उसकी जगह मौका दिया।

गणतंत्र दिवस

उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य का संकल्प

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारत का गणतंत्र आज 77 वर्ष का हो चुका है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान ने एक नई भारत की नींव रखी, जो स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से प्रेरित थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की-साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान-प्रौद्योगिकी से लेकर आर्थिक-सैन्य क्षमता तक। विविध संस्कृति को मजबूत करते हुए राष्ट्र ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। चंद्रयान मिशनों से अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी बने, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति ने भुगतान व्यवस्था बदल दी, जबकि ओलंपिक-एशियाड में पदकों की बौछार ने खेलक्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईं। आज विश्व भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखता है, जहां सात से आठ प्रतिशत की विकास दर ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया। लेकिन यह यात्रा सहज नहीं रही। आंतरिक चुनौतियां, सीमापार खतरे और सामाजिक विषमताएं बनी रहीं। गणतंत्र दिवस पर आत्मचिंतन आवश्यक है: हमने क्या पाया, क्या खोया और भविष्य के लिए क्या संकल्प लें?

भारत की पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी-विविधता में एकता। महाद्वीप के आकार का यह देश सौ तीस करोड़ से अधिक लोगों, सैकड़ों भाषाओं-बोलियों, विविध धर्मों-संस्कृतियों का मेल था। स्वतंत्रता के समय आशंका थी कि यह एकजुट नहीं रहेगा। विभाजन की त्रासदी ने आशंकाओं को बल दिया, लाखों जानें गईं, लेकिन संविधान ने संघीय ढांचे से एकता सुनिश्चित की। अनुच्छेद एक ने 'भारत एक अखंड राज्य' घोषित किया। भाषाई राज्यों का पुनर्गठन, एकीकृत न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलवाद, अलगाववाद जैसी चुनौतियों के बावजूद हमने एकता बनाए रखी। पिछले 25 वर्षों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, पूर्वोत्तर में शांति प्रक्रियाएं इसका प्रमाण हैं। आज 'एक देश, एक राशन' जैसी योजनाएं विविधता को शक्ति बना रही हैं। यह उपलब्धि कम नहीं-विश्व के अधिकांश बहुलवादी देश टूट चुके, लेकिन भारत अटल खड़ा है।

दूसरी चुनौती थी-लोकतंत्र को जीवंत बनाना। संविधान ने वयस्क मताधिकार, मौलिक अधिकार, धर्मनिरपेक्षता प्रदान की। संसदीय प्रणाली अपनाई, जो ब्रिटिश मॉडल से प्रेरित किंतु भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप। नेहरू युग से चली आ रही परंपरा में अठारह लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण हुए। न्यायपालिका ने जनहित याचिका के माध्यम से गरीबों के अधिकार स्थापित किए-विशाखा दिशानिर्देशों से महिला सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार से शिक्षा का अधिकार। महिला आरक्षण ने पंचायती राज में तैंतीस से पचास प्रतिशत क्रांति लाई, जो राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की प्रतीक्षा कर रहा। सूचना का अधिकार ने पारदर्शिता बढ़ाई, जबकि वस्तु एवं सेवा कर ने आर्थिक एकीकरण किया। चुनौतियां रहीं-आपातकाल जैसे काले अध्याय, लेकिन संस्थाओं ने पुनरुद्धार किया। आज त्रस्तंभ मजबूत हैं: चुनाव आयोग निष्पक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक आर्थिक स्थिरता का प्रहरी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने साबित किया कि गरीबी और निरक्षरता के बावजूद प्रजातंत्र फल-फूल सकता है।

तीसरी चुनौती थी विकास। 1947 में सकल घरेलू उत्पाद दो लाख तीस हजार करोड़ था, आज चार सौ लाख करोड़ से अधिक। हरित क्रांति ने अन्न भंडार भरे, सफेद क्रांति ने दूध उत्पादन में विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसरो के सौ से अधिक उपग्रह मिशन, कोविशील्ड वैक्सीन ने आत्मनिर्भरता दिखाई। डिजिटल भारत ने सौ करोड़ से अधिक आधार कार्ड जोड़े, जबकि स्टार्टअप भारत ने एक लाख से अधिक स्टार्टअप जन्मे। सामाजिक मोर्चे पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ने अस्सी करोड़ को सस्ता अनाज दिया, स्वच्छ भारत ने बारह करोड़ शौचालय बनाए। आयुष्मान भारत ने पचास करोड़ गरीबों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया। लेकिन असमानता बनी-ऊपर दस प्रतिशत के पास सत्तावन प्रतिशत संपत्ति, जबकि निचले पचास प्रतिशत के पास तीन प्रतिशत। ग्रामीण-शहरी खाई, किसान आत्महत्याएं चिंताजनक। फिर भी, गरीबी रेखा से बाहर पच्चीस करोड़ लोग निकले-यह गर्व का विषय।

गणतंत्र की उपलब्धियां गर्व का कारण हैं, किंतु खोया भी बहुत। भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा लीं-दो जी, कोयला आवंटन जैसी घोटालों ने अरबों लूटे। चुनावी बॉन्ड पर सवाल, नोटबंदी के बाद काला धन वापसी असफल। महिला असुरक्षा चरम पर-निर्भया से हाथरस तक बलात्कार की घटनाएं थम नहीं रही। जातिगत हिंसा, दलित अत्याचार जारी। किसान संकट गहरा: न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग, कर्जमाफी नाकाफी। युवा बेरोजगारी तीनों प्रतिशत पर, असंतोष से हिंसा भड़क रही। प्रदूषण घातक, प्रांतीयता का जहर बरकरार। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर दुरुपयोग। नक्सलवाद, आतंकवाद बने सिरदर्द। ये घाव भारत माता को रक्तरंजित कर रहे।

खोया भले हो, लेकिन हल संभव। भ्रष्टाचार पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने रिसाव रोका। महिला सुरक्षा हेतु फास्ट-ट्रैक कोर्ट, निर्भया कोष उपयोग बढ़ाएं। किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान उत्पादक संगठन मजबूत करें। रोजगार हेतु कौशल भारत, आत्मनिर्भर तीन से दस करोड़ नौकरियां सृजित संभव। सामाजिक सद्भाव हेतु संविधान जागरण अभियान चलाएं। प्रदूषण पर विद्युत वाहन नीति, नमामि गंगे को गति। पंचायती राज को सशक्त बनाएं-महिला प्रतिनिधित्व से स्थानीय शासन मजबूत। युवाओं को मुख्यधारा जोड़ें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-बिग डेटा से नफरत फैलाव रोका जा सकता। 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करने हेतु एकजुट हों।

गणतंत्र दिवस मात्र परेड-झंडारोहण नहीं, आत्मचिंतन का अवसर। हमने एकता, लोकतंत्र, विकास पाया; भ्रष्टाचार, असमानता खोया। लेकिन युवा शक्ति हमारा हथियार। आशावादी रहें-भारतीय मॉडल अपनाएं। रार्षपिता गांधी, संविधान निमार्ता अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलें। गणतंत्र को कंटीली झाड़ियों से निकालें, उज्ज्वल भविष्य बनाएं। जय हिंद, जय भारत!

(लेखक पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है)

भारत का 76वां गणतंत्र दिवस का इतिहास

-संजय गोस्वामी-

मौलिक तौर पर भारतीय राष्ट्रवाद का उदय विदेशी शासन के विरूद्ध हुआ। अंग्रेजों ने भारत पर अपना आधिपत्य अपने हितों की बढ़ोत्तरी के लिए स्थापित किया था, न कि भारतीयों की उन्नति के लिए। अतएव दोनों पक्षों के बीच संघर्ष अवश्यंभावी ही था। अंग्रेजी शासन भारत के आर्थिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण बन गया था। भारत का हर सामाजिक वर्ग किसी न किसी ढंग से इस हुकूमत के अधीन पीड़ित हो रहा था। किसान भूराजस्व का भागीदार सह नहीं सकते थे और न ही जमींदारों और सूदखोरों के अत्याचार को, जिन्हें अंग्रेजी प्रशासन सुरक्षा प्रदान कर रहा था। भारतीय कारीगर भी प्रसन्न नहीं थे क्योंकि इस नवीन शासन ने जबरदस्ती उनकी औद्योगिक कलाओं का विनाश कर डाला था। औद्योगिक श्रमिक भी असंतुष्ट थे, क्योंकि ब्रिटिश सरकार पूंजीपतियों का ही पक्ष लेती थी। मध्यम वर्ग एवं बुद्धिजीवियों ने भी ब्रिटिश शासन के बुरे परिणामों को तीव्र रूप से महसूस किया। दादा भाई नौरोजी एवं राणाडे जैसे मध्यम वर्गीय बुद्धिजीवियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ब्रिटिश शासन भारतीय आर्थिक विकास के प्रतिकूल है। भारतीय पूंजीपतियों में भी यह विश्वास जगा था कि भविष्य में उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करना पड़ेगा, वरन उनका स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता है। इन तथ्यों के अतिरिक्त अंग्रेजों का घमंडी व्यवहार प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को जागरूक बना दिया था। अतएव 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में एक शक्तिशाली साम्राज्य विरोधी आंदोलन प्रारंभ हुआ। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, क्योंकि इसमें भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग अपने आपसी द्वेष को भूलकर एक हो गए और ब्रिटिश राज्य का विरोध करने लगे। एक प्रकार से देखा जाए तो अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन अनजाने में ही प्रारंभ करा दिया। यद्यपि अंग्रेज रेल डाक एवं समस्त प्रशासन का विकास अपने हित में किए थे। संचार एवं यातायात की इन सुविधाओं से भारतीय एक दूसरे के निकट आ सके और आंदोलन को इससे गति मिली। पश्चिमी विचारधारा एवं शिक्षा के फलस्वरूप अनेक भारतीयों ने राजनीति का आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया और इस योग्य भी हो सके कि ब्रिटिश शासन की शोषण करने वाली प्रकृति को पहचाने। इस शिक्षा के कारण ही भारत में अनेक नेता पैदा हुए, जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में समाचार पत्रों का भी योगदान कम नहीं है, विशेषकर देशभक्त के संदेश को प्रचार करने में। उस समय कुछ प्रमुख राष्ट्रवादी समाचार पत्र द्यदि हिन्दुह्ल, द्यअमृत बाजार पत्रिकाह्ल, द्यदि इंडियन मिररह्ल इत्यादि थे। इसी प्रकार राष्ट्रीय चेतना राष्ट्रवादी साहित्य से भी उत्तेजित हुई। बंकिम चन्द्र चटर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर, भारतेन्तु हरिशचन्द्र, विष्णु शास्त्री द्यचिपलंकारह्ल इत्यादि के साहित्य रचनाओं का राष्ट्रवादी चेतना के विकास में अत्यधिक योगदान है। यद्यपि अंग्रेजों ने यह जताना चाहा था कि भारतीयों में राष्ट्रीय स्वशासन चलाने की योग्यता नहीं है। कुछ भारतीयों (नेताओं) और लेखकों ने यह विश्वास लगाया कि भारतीय परम्परा एवं संस्कृति प्राचीन समय से ही बड़ी विकसित रही है और अंग्रेजों को यहाँ कुछ सिखाने की आवश्यकता नहीं है। उसी समय राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने अशोक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य, अकबर इत्यादि की उपलब्धियों एवं अशोक चन्द्रगुप्त को बेमिसाल बताया। भारतीय प्राचीन विज्ञान, राजनीति दर्शन स्थापत्य कला इत्यादि को भी अद्वितीय बताया गया जिससे भारतीयों में अपनी संस्कृति एवं परम्परा के प्रति गौरव पैदा हुआ। उपर्युक्त कारणों के चलते 1870-80 दशक तक ऐसा प्रतीत होने लगा कि भारतीय राष्ट्रवाद सबल ढंग से प्रारंभ हो चुका है। परन्तु वह लार्ड लिटन का प्रतिक्रियावाद शासन था, जिसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद एक संगठित रूप धारण किया। इसके शासन के समय ब्रितानी कपड़ों पर से सभी चुंगियां उठा ली गईं। इससे भारतीय उत्पादकों को बेहद हानि पहुंची और अंग्रेजों के विरूद्ध क्रोध की एक लहर दौड़ गई। लिटन के शासन के समय दूसरा अफगान युद्ध भी अत्यधिक खचीर्ला रहा। भारतीयों को बंदूक की लाइसेंस मिलना कठिन बना दिया गया। इससे भारतीय राष्ट्रवादियों ने यह समझा कि अंग्रेज समस्त राष्ट्र को नपुंसक बनाना चाहते हैं। इसी प्रकार जब वरनाकुलर प्रेस ऐक्ट द्वारा देश भक्तों की आवाज मौन करने का प्रयत्न किया गया तो इससे साम्राज्य विरोधी भावना और भी तीव्र हुई। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा लाला लाजपत राय ने मैजिनी, गैरीबाल्डी और उनके द्वारा आरम्भ किए गये. इस यूरोपीय राष्ट्रवाद ने उभरते हुए भारतीय राष्ट्रवाद को बहुत हद तक प्रभावित किया 1877 की दिल्ली दरबार की फिजूलखर्ची से भारतीय अत्यधिक प्रभावित हुए। क्योंकि यह फिजूलखर्ची उस समय की गई, जब भारत में एक भीषण अकाल पड़ा था और लाखों लोगों की जानें जा रही थीं। लगभग इसी समय आई.सी.एस. की परीक्षा भी भारतीयों के लिए कठिन बना दी गई, जब परीक्षा के लिए उम्र सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई। कहा जाता है कि यदि लिटन ने साम्राज्यवाद विरोधी चेतना को तीव्र बनाया तो इलविर्ट बिल मतभेद ने भारतीय राष्ट्रवाद को संगठित कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जन्म दिया। कानून संबंधित यह विवाद लिटन के बाद वायसराय लार्ड रिपन के समय आरंभ हुआ। लार्ड रिपन ने भारतीय जिला पदाधिकारी एवं सक्षम न्यायाधीशों की शक्ति को बढ़ाना चाहा। उन्हें यूरोपीयों के फौजदारी मुकदमों की सुनवाई का भी अधिकार दिया। परन्तु इस प्रस्ताव का यूरोपीय समुदाय ने शक्तिशाली विरोध किया। अंततः प्रशासन को इनकी बात माननी पड़ी और कानून प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। इस प्रशासन को ला मेम्बर इलवर्ट ने प्रस्तुत किया था। इसलिए इसे इलवर्ट बिल विवाद कहा जाता है। इस विवाद से भारतीयों को यह स्पष्ट हो गया कि अंग्रेज उनसे घृणा करते हैं और हेय दृष्टि से देखते हैं। परन्तु यूरोपीयों के इलवर्ट विरोधी आंदोलन को देखकर भारतीयों ने भी यह प्रेरणा पाई कि अगर उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन में सफल होना है तो उन्हें संगठित होकर बिना हिम्मत हारे एक लम्बा संघर्ष चलाना पड़ेगा। उपर्युक्त कारणों से 19वीं शताब्दी के अंत तक भारतीय राष्ट्रवाद की उत्पत्ति तो हो ही चुकी थी। परन्तु इसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना में पाई जाती है जो 1885 में हुई। इसके पूर्व भी क्षेत्रीय एवं वर्ग स्तर पर साम्राज्यवाद विरोधी संगठन बनाए जा रहे थे। परन्तु राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारतीयों में राष्ट्रीय राजनीतिक चेतना का विकास बहुत तीव्र गति से हुआ फलस्वरूप भारत में एक संगठित राष्ट्रीय आन्दोलन का सूत्रपात हुआ भारतीय राष्ट्रवाद कुछ सीमा तक उपनिवेशवादी नीतियों तथा उन नीतियों से उत्पन्न भारतीय प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप ही उभरा था पाश्चात्य शिक्षा का विस्तार मध्यवर्ग का उदय रेलवे का विस्तार तथा सामाजिक-धार्मिक आन्दोलनों ने राष्ट्रवाद की भावना के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई भविष्य में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष भिन्न-भिन्न कारणों से अपने भिन्न-भिन्न चरणों में और भी तीव्र होता गया। यद्यपि, 19वीं शताब्दी का भारत भाषा, धर्म, प्रदेश आदि के आधार पर विभाजित था तथा ब्रिटिश शासकों ने इस आधिपत्य स्थापित करने के लिए इस फूट का भरपूर लाभ भी उठाया, तथापि भारत एक भौगोलिक इकाई मात्र नहीं था, बल्कि इस विविधता में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक एकता भी अन्तर्निहित थी जिसने राष्ट्रीय आन्दोलन के आरम्भ, विकास एवं सफलता की ओर अग्रसर होने में सहायता प्रदान की. विविधता के मूल में अन्तर्निहित यह राष्ट्रीय चेतना ही थी जिसने राष्ट्रवाद को प्रेरणा दी तथा यह चेतना विशिष्ट वर्ग की अपनी बौद्धिक सीमा को लांघते हुए सुदूर क्षेत्रों तक जा फैली. हालाँकि यह सच है कि अंग्रेजों द्वारा स्थापित प्रशासनिक एकता तथा आधुनिक विचारों के प्रचार-प्रसार ने भी एक सीमा तक राष्ट्रवाद को प्रोत्साहित किया, परन्तु यह भी सच है कि ब्रिटिश राज्य की स्थापना राष्ट्रवाद के बीजारोपण के लिए नहीं बल्कि औपनिवेशिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की गई थी. अंग्रेजों की यह स्पष्ट नीति रही कि भारतीयों में किसी भी प्रकार की एकता न बन पाए बल्कि उनमें फूट डालकर उन पर राज किया जाए. वस्तुतः इस उदीयमान राष्ट्र की प्रक्रिया न बुद्धिजीवी वर्ग, किसानों, श्रमिकों आदि को समान उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विदेशी शासकों के विरुद्ध एकजुट किया. इसके अतिरिक्त लोकतंत्रीय, उदारवादी तथा राष्ट्रवादी आकांक्षा इस समय की प्रमुख घटनाएँ थीं, जिसे अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम, फ्रांसीसी क्रांति तथा रूसी क्रांति के प्रेरणा मिल रही थी. इन घटनाओं ने गुलाम देशों को स्वतंत्रता की ओर अग्रसर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई. राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना साल 1885 में एओ ह्यूम ने की थी। साल 1915 में जब महत्मा गांधी भारत आए तब उन्हें इसकी अध्यक्षता सौंपी गई। स्थापना के वक्त इसका लक्ष्य भारत की आजादी नहीं था बल्कि यह नीतियों के निर्माण में मदद के लिए बनाया गया बौद्धिक लोगों का एक संगठन भर था जिसमें थियोसॉफिकल सोसायटी के काफी सदस्य शामिल थे। गरम दल का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय एवं बिपिन चंद्र पाल कर रहे थे। नरम दल का नेतृत्व गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोजशाह मेहता एवं दादा भाई नौरोजी कर रहे थे। चम्पारन एवं खेड़ा में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को काफि जन समर्थन मिला जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ राजेंद्र प्रसाद और आचार्य कृपलानीजी आदि जैसे महान स्वतंत्रता सेनानीयों का साथ मिला जिससे से अपनी पहली सफलता मिली। जलियांवाला बाग के नरसंहार के ठीक आठ माह बाद 27 दिसंबर 1919 को अमृतसर में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। नरसंहार से आहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस अधिवेशन में गुलामी की जंजीरों में जकड़े देश को अंग्रेजी हुकूमत के चंगुल से मुक्त करवाने के लिए जनमानस में नए रक्त का संचार किया। महात्मा गांधी ने अधिवेशन में अंग्रेजों के खिलाफ सत्याग्रह आंदोलन चलाने का निर्णय किया। इसके बाद से कांग्रेस ने भारतीय स्वाधीनता के संग्राम में सीधे तौर पर भाग लेना शुरू कर दिया था। 1919 में जालियाँवाला बाग हत्याकांड के पश्चात गान्धी काँग्रेस के महासचिव बने। काँग्रेस कमेटियों में राष्ट्रीय नेताओं की एक ऐसी पीढ़ी आयी जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद, महादेव देसाई एवं सुभाष चंद्र बोस आदि शामिल थे जिन्होने भारत को स्वतंत्रता दिलानें में काफि मदद की। गाँधी के नेतृत्व में प्रदेश काँग्रेस कमेटियों का निर्माण हुआ काँग्रेस में सभी पदों के लिये चुनाव की शुरूआत हुई एवं कार्यवाहियों के लिये भारतीय भाषाओं का प्रयोग शुरू हुआ। काँग्रेस ने कई प्रान्तों में सामाजिक समस्याओं को हटाने के प्रयत्न किये जिनमें छुआछूत, पर्दाप्रथा एवं मद्यपान आदि शामिल थे। लेकिन वर्तमान समय में पार्टी की स्थिति बिल्कुल अलग है, 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता के साथ भारत माता का मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ था। भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है।

रियलिटी शो 'द 50' में हुई बॉलीवुड अभिनेत्री रिद्धि डोगरा की एंट्री

आगामी रियलिटी शो 'द 50' अपने टेलीकास्ट होने से पहले ही सुर्खियों में बना हुआ है। इन दिनों शो में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट के नाम सामने आ रहे हैं, जिसको लेकर चर्चाएं तेज हैं। दिव्या अग्रवाल और करण पटेल के नाम सामने आने के बाद अब एक और अभिनेत्री का भी नाम सामने आया है।

रिद्धि ने दी जानकारी

दिव्या अग्रवाल और करण पटेल के नाम सामने आने के बाद 'द 50' की अगली कंटेस्टेंट 'असुर' वेब सीरीज और विक्रांत मैसी के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' में नजर आने वाली रिद्धि डोगरा हैं। रिद्धि ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबे नोट के साथ इसकी घोषणा की। अपनी तस्वीर के साथ इस लंबे नोट में रिद्धि ने लिखा, 'पैपराजी के लेंस से दूर, शेर की गुफा में जा रही हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा नए तरीके खोजती रहती हूं ताकि मैं अपने बारे में बहुत कुछ जान सकूं और अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल सकूं। 'द 50' मुझे इसी तरह का एक चैलेंज लगता है। यह मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई बनावटीपन नहीं है। मैं बस अपने असली रूप में सामने आऊंगी और आप दर्शक मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हुए देखेंगे। आपने हमेशा मुझे प्यार किया है और मेरा हौसला बढ़ाया है। मैं आपके साथ द 50 के इस सफर को साझा करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि मैं शेर की गुफा के असली रहस्य को जानने जा रही हूं।'

ग्लोबल शो का इंडियन वर्जन है 'द 50'

यह शो एक ग्लोबल रियलिटी शो का इंडियन वर्जन है। इसमें प्रतियोगी अपनी बुद्धि, रणनीति और इमोशनल शक्ति का उपयोग करते हुए कंपटीशन करते हैं। शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए रिद्धि ने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का एक नया चरण है और बिना किसी स्क्रिप्ट के खुद को खोजने का एक मौका है। यह मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है जहां कोई किरदार नहीं है।

1 फरवरी को होगा प्रीमियर

द 50 को लेकर इसकी घोषणा के बाद से ही काफी उत्साह बना हुआ है। शो का प्रीमियर 1 फरवरी को जियोहॉटस्टार और कलर्स पर होगा। शो के बाकी कंटेस्टेंट के बारे में जानने के लिए भी फैंस काफी उत्सुक हैं। देखना है कि आगे और कौन-कौन से नाम सामने आते हैं।

बॉर्डर 2 की रिलीज से पहले ट्रोलिंग पर बोले वरुण धवन

वरुण धवन अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के गीत घर कब आओगे के रिलीज होने के बाद से ही वह अपने एक्सप्रेशन और एक्टिंग को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। उन्होंने फिल्म बॉर्डर 2 की रिलीज से पहले हो रही ट्रोलिंग के बारे में बात की है। अभिनेता ने बॉर्डर 2 के ब्रेव्स ऑफ द सॉइल ट्रिब्यूट ट्रेलर लॉन्च पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि वह ऑनलाइन नेगेटिव कमेंट्स से कैसे निपटते हैं और अपने काम पर कैसे फोकस करते हैं।

ट्रोलिंग से कैसे निपटते हैं वरुण धवन?

इवेंट में बोलते हुए वरुण धवन ने यह साफ किया कि वह सोशल मीडिया कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। उन्होंने आगे कहा कि असल में वह शोर नहीं करते हैं। बल्कि वह मौका देते हैं कि उनका काम बोले। उन्होंने कहा मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि आप खुद शोर न करें बल्कि अपने काम को बोलने दें। ये सब चीजें चलती रहती हैं। यह मायने नहीं रखती हैं। मैं इसके लिए काम नहीं करता हूं। मैं जिस चीज के लिए काम करता हूं वो इस शुक्रवार को पता चलेगा।

अच्छी फिल्म बनाना जरूरी है

उन्होंने आगे कहा मुझे फिल्म (बॉर्डर 2) पर भरोसा है। एक अच्छी फिल्म बनाना बहुत जरूरी है। संख्याओं और इन चीजों से मुझे मतलब नहीं है। मुझे यकीन है कि मैंने एक अच्छी फिल्म बनाई है। यह सबसे जरूरी चीज है।

कब रिलीज होगी बॉर्डर 2

आपको बता दें कि फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल लीड रोल में वापस आ रहे हैं। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी होंगे। बॉर्डर 2 को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने जेपी दत्ता की जेपी फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी भूमि पेडनेकर

क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है। ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे-समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है।

कब और कहां रिलीज होगी दलदल

विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार पर दलदल आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं। दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा

मृणाल ठाकुर ने पूरी की फिल्म 'डकैत' की शूटिंग

मृणाल ठाकुर इस वक्त व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। मृणाल बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। अब अभिनेत्री जल्द ही आदिवि शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आएंगी। टीजर जारी होने के बाद से फैंस इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं। अब अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इसकी जानकारी मेकर्स की ओर से दी गई है। फिल्म की प्रोडक्शन टीम की ओर से मृणाल ठाकुर के शूटिंग पूरी करने की जानकारी दी गई। इसको लेकर मेकर्स की ओर से एक्स पर एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में मृणाल की आदिवि शेष और फिल्म की बाकी टीम के साथ तस्वीरें साझा की गईं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'मृणाल ठाकुर ने अपनी आगामी ड्रामा फिल्म डकैत की शूटिंग पूरी कर ली गई है। बेहद रोमांचक शेड्यूल के बाद फिल्म की शूटिंग पूरी हुई। डकैत के 19 मार्च 2026 को हिंदी और तेलुगु में भव्य वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए पूरी तैयारी चल रही है।'

विशाल भारद्वाज ने बताया क्यों नहीं ली हुसैन उस्तरा के परिवार से परमिशन

विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। आज फिल्म का मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान विशाल भारद्वाज ने फिल्म को लेकर मचे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। साथ ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर आधारित होने की चर्चाओं और गैंगस्टर के परिवार से परमिशन लेने के मामले पर भी विशाल भारद्वाज ने प्रतिक्रिया दी।

'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' किताब पर आधारित है फिल्म

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने ये साफ किया 'ओ रोमियो' जैदी हुसैन की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मैंने उस कहानी के राइट्स लिए और उन्हीं अधिकारों के आधार पर उस पर फिल्म बनाई है। पूरी फिल्म के किरदार वो ही हैं और कहानी वही है, लेकिन हमने इसमें क्रिएटिव लिबर्टी भी ली है। इसलिए कुछ फिक्शनल चीजें भी डाली हैं।

मैंने अनुमति नहीं ली, क्योंकि कहानी किताब का हिस्सा है

मुंबई के दिवंगत गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के परिवार से इजाजत लेने के सवाल पर विशाल भारद्वाज ने कहा कि मैंने अनुमति लेने के बारे में सोचा ही नहीं, क्योंकि कहानी वहीं से ली गई है और किरदार भी उसी पर आधारित हैं। हालांकि, इसमें काफी काल्पनिक बातें भी हैं। अनुमति की बात करें तो हुसैन जैदी ने शायद अनुमति ली होगी या उन्हें लेनी चाहिए थी। मुझे लगा कि मुझे किसी अनुमति की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक ऐसी कहानी पर आधारित है जो एक किताब का हिस्सा है।

'ओ रोमियो' के टीजर में फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया गया था। इसके बाद ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के जीवन पर आधारित होने की बात कही जाने लगी। मामला तब और गरमा गया जब हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने ओ रोमियो के निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजकर 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की और फिल्म की रिलीज में देरी करने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म उनके पिता के जीवन पर आधारित है और परिवार की सहमति के बिना बनाई गई है। उन्होंने परिवार के लिए फिल्म की स्क्रीनिंग रखने की भी मांग रखी। लेकिन अब विशाल भारद्वाज ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने परिवार से अनुमति क्यों नहीं ली।

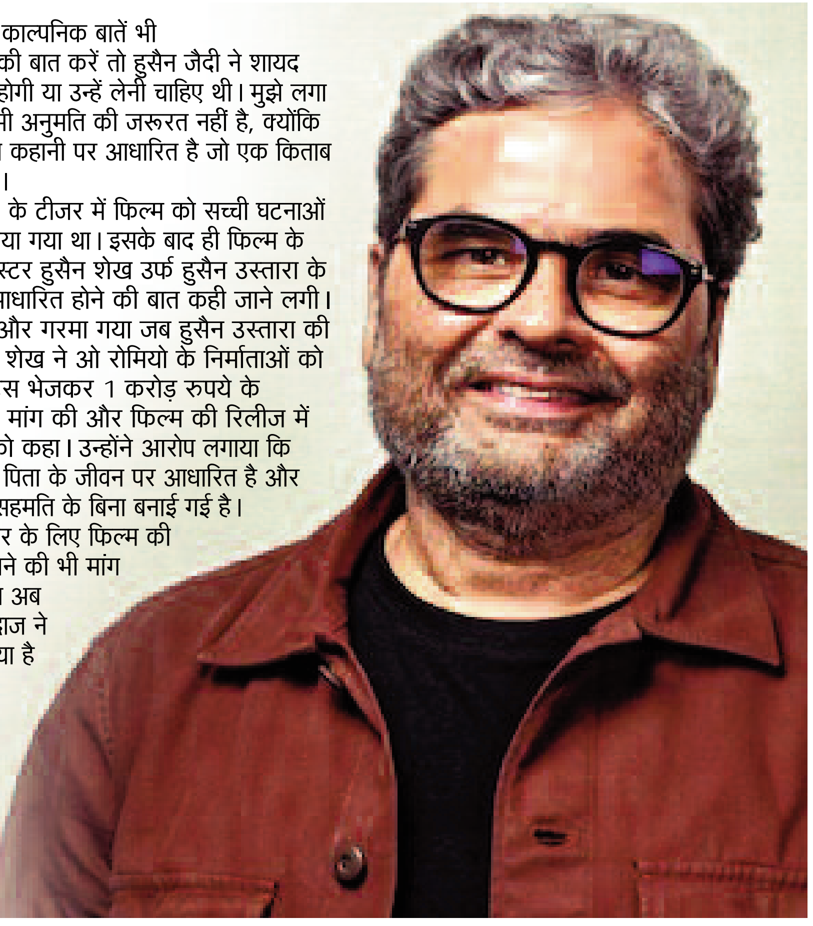

असल में फैमिली मैन हैं तस्करी के बड़ा चौधरी शरद केलकर

एक्टर शरद केलकर जितने ज़हीन कलाकार हैं, निजी जिंदगी में उतने ही परफेक्ट फैमिली मैन भी। टीवी, फिल्मों और ओटीटी तक पर सफलतापूर्वक अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले शरद इन दिनों नेटफ्लिक्स पर आई अपनी वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब को लेकर चर्चा में हैं। शरद एक बेहतरीन डबिंग आर्टिस्ट भी हैं। हॉलीवुड की डाउन ऑफ द प्लेनेट ऑफ द ऐप्स और गार्डियन्स ऑफ द गैलेक्सी जैसी फिल्मों के हिंदी वर्जन से लेकर साउथ की बाहुबली फ्रेंचाइज, सलार और आदिपुरुष में वह लीड किरदार की आवाज बने। बातचीत में शरद ने अपने करियर से लेकर निजी जिंदगी और परिवार को लेकर दिलचस्प बातें की हैं।

शो में आप नेगेटिव रोल में हैं। पहले भी आपने नकारात्मक भूमिकाएं की हैं। क्या नेगेटिव रोल बतौर एक्टर पर्दे पर ज्यादा खेलने का मौका देते हैं?

हां, आपको थोड़ा ज्यादा खेलने की आजादी होती है, लेकिन असल में विलेन भी अपनी नजर में हीरो ही होता है, बस उसकी सोच गलत होती है। अपने दिमाग में वह हीरो है कि मैं जो कर रहा हूं सही कर रहा हूं। अपने लिए कर रहा हूं और बतौर एक्टर आपको भी ऐसे ही सोचना होता है। अगर आप ये सोचने लगेंगे कि ये कैरेक्टर गलत कर रहा है तो वो **असहजता आपके चेहरे पर दिखेगी। इसलिए, बतौर ऐक्टर आप उसे जज नहीं कर सकते। आपको उसे अपनाना पड़ेगा। हालांकि, कभी-कभी ऐसा लगता है कि यार, ये कैसा आदमी है?**

जैसे मुझे याद है जब मैं ऑपरेशन रोमियो कर रहा था तो सातवें-आठवें दिन बहुत परेशान हो गया कि यार, ये मैं नहीं हूं। क्या गंदा काम कर रहा हूं, तो मैं नीरज पांडे सर के ऑफिस पहुंचा और बोला कि सर, मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। खुद से घिन आ रही है कि ये मैं क्या कर रहा हूं तो उन्होंने कहा- तुझे बहुत खराब लग रहा है न, तो ऐसे ही करते रह, क्योंकि तभी लोगों को भी वैसा लगेगा। यही एक एक्टर की सफलता है कि लोगों को वह किरदार दिखे, उन्हें शरद केलकर न दिखे।

आप एक्टर होने के साथ पिता भी हैं। कभी बेटी केशा की वजह से काम को लेकर कोई चॉइस बदली हैं कि मुझे ये चीजें नहीं करनी हैं?

नहीं, बिल्कुल नहीं। अभी तो वो बहुत छोटी हैं। वह सिर्फ 12 साल की होने वाली है, मगर वह खुद थिएटर करती हैं। स्कूल के नाटकों में परफॉर्म करती हैं। गाना गाती है, तो इस दुनिया से अवेयर हैं। हालांकि, उसने फिल्में कभी पूरी देखी नहीं हैं। एकाध कोई फिल्म देखी होगी, लेकिन वो जानती है कि रियलिटी और एक्टिंग बहुत अलग-अलग चीजें हैं, क्योंकि वो खुद एक्टिंग करती है तो उसे पता है कि मैं एक किरदार निभा रहा हूं। इसलिए, मुझे यह डर नहीं है कि कभी वो ये बोलेगी कि पापा, आपने ऐसा कैरेक्टर क्यों किया? उतनी समझ उसमें है, क्योंकि मैं और मेरी पत्नी कीर्ति दोनों एक्टर हैं तो वह इस दुनिया से वाकिफ है। हालांकि, उसे फिल्मों में ज्यादा रुचि नहीं है। उसका रुझान म्यूजिक की ओर ज्यादा है। वह गाना गाती है।

आपने पत्नी कीर्ति गायकवाड़ केलकर का जिक्र किया, जिनके साथ आपकी शादी को दो दशक हो गए। आज के समय में जहां प्यार के रिश्ते इतने नाजुक हो गए हैं, सफल शादी का क्या सूत्र मानते हैं?

प्यार सबसे जरूरी चीज है। दूसरे सम्मान बहुत जरूरी है और वक्त जो एक दूसरे को देना चाहिए। ये तीन चीजें बहुत जरूरी हैं। ये तीन चीजें अगर आप एक दूसरे को देंगे तो सब आसान है। मुझे लगता है कि रिश्ता निभाना इतना भी मुश्किल नहीं है, हम बस उसे कॉम्प्लिकेटेड बना लेते हैं। बहुत छोटी-छोटी चीजें होती है, जिसे आपसी समझ से सुलझा सकते हैं। हमारी जब शादी हुई थी तब ये सुनते थे कि इनकी शादी को दस साल, 12 साल हो गए तो हैरानी होती थी। आज हमें खुद 21 साल हो गए और वैसा ही महसूस होता है जैसे जब शादी हुई थी। हमें एक थोड़ा सा फायदा ये है कि हम दोनों ही एक्टर हैं तो एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझते हैं।

तस्करी सीरीज में बड़े चौधरी का किरदार निभाने का अनुभव कैसा रहा? सुना है उसके लिए 8 किलो वजन कम किया?

मैं नीरज सर (शो के रनर नीरज पांडे) के साथ 6-7 साल से काम कर रहा हूं। ये उनके साथ मेरा तीसरा प्रोजेक्ट है। मुझे उनके संग काम करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि उनकी राइटिंग में बहुत क्लैरिटी होती है। मैंने उनके साथ काम करते हुए बहुत सीखा है। वह सब कुछ बहुत अच्छे से समझाते हैं, फिर आपको छोड़ देते हैं कि अपने हिसाब से करो। आपको किसी दायरे में नहीं बांधते, जो एक्टर के लिए बहुत बड़ी बात है। इसमें बड़े चौधरी के किरदार की खासियत यह है कि वह टिपिकल विलेन नहीं है। उसकी एक बढ़िया सी बैक स्टोरी है। वह एक आम सा दिखने वाला बिजनेसमैन है, मगर वो क्या कर रहा है, कैसे कर रहा है, वह रोचक है। रही बात वजन कम करने की, तो असल में मैं मोटा था तो नॉर्मल हुआ। ऐसा कोई वजन घटाया नहीं है। मैं बहुत फूडी हूं तो बहुत खाता रहता हूं, इसलिए वजन थोड़ा बढ़ गया था, वो थोड़ा कंट्रोल किया।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009